हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● गुरुवार ● 13.08.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 23 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

विधानसभा घेराव : पुलिस ने 100 नामजद और 500 अज्ञात पर दर्ज की एफआईआर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची ने जेपीएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प के मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने करीब 100 लोगों को नामजद करते हुए 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने सरकारी काम में बाधा डाला, पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की और पथराव किया। पुलिस के अनुसार, पथराव में कई पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। मामले में पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार और सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित कई धाराओं में कार्रवाई की गई है। इसी मामले से जुड़े घटनाक्रम में लालपुर थाना में भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह एफआईआर 8 अगस्त को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड की ओर से निकाले गए मार्च को लेकर दर्ज की गई। शिकायत पिस्का मोड़ स्थित प्रभारी वरीय पशु चिकित्सा एवं पशुपालन पदाधिकारी डॉ तनवीर अख्तर ने की थी। शिकायत के मुताबिक, डॉ अख्तर को सदर अनुमंडल कार्यालय के आदेश पर मोरहाबादी मैदान में मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया था। वह पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ मार्च में मौजूद थे। इसी दौरान छात्रों ने कानून तोड़े। मार्च को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के रांची गेट के पास रोका गया था। इसी दौरान तेज बारिश शुरू हो गई। आरोप है कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने बांस-बल्लियों से बनाई गई बैरिकेडिंग को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को सिद्धू-कान्हू मोड़ के पास रोका गया। पुलिस द्वारा कुछ प्रदर्शनकारियों को सरकारी वाहन से ले जाने के दौरान कुछ लोगों पर वाहन रोकने के लिए उसपर चढ़ने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और पुलिस के काम में बाधा डाली। करीब आधे घंटे बाद बाकी प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए वहां से चले गए। सोमवार को मुख्यमंत्री आवास घेराव के दौरान भाजपा के करीब 102 नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया था। हालांकि बाद में सभी को पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया। पुलिस के अनुसार, भाजपा नेताओं के खिलाफ फिलहाल प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। पूरे मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरकार छात्रों की मांगों का समाधान बातचीत एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना चाहती है : कांग्रेस

रांची : प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को राज्य सरकार के चार मंत्रियों राधा कृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, डॉ. इरफान अंसारी और शिल्पी नेहा तिर्की ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की ओर से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लगाए गए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के मुद्दे को लेकर गंभीर है और उनकी मांगों का समाधान बातचीत एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना चाहती है। वित मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि विधानसभा का सत्र आहूत था और सरकार छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सदन में चर्चा के लिए तैयार थी। इसके बावजूद भाजपा ने सदन में चर्चा करने के बजाय राजनीतिक आंदोलन का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने सभी विधायकों के साथ सुबह सात बजे से मुख्यमंत्री आवास के समक्ष धरने पर बैठ गए थे। इससे स्पष्ट है कि भाजपा की मंशा छात्रों की समस्याओं पर सदन में चर्चा करने की नहीं थी। वित मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनरत छात्रों पर किसी भी तरह के बल प्रयोग या हिंसा के खिलाफ है। जिला प्रशासन और सरकार ने पूरे मामले में संयम बरता है। उन्होंने दावा किया कि आंदोलनरत छात्रों ने भी स्वीकार किया है कि प्रदर्शन के दौरान कुछ बाहरी उपद्रवी तत्व शामिल हुए थे, जिन्होंने हिंसा को अंजाम दिया।

हेमन्त सोरेन के बोकारो आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपराह्न बोकारो एयरपोर्ट पहुंचे। उनके आगमन पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन पर पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें सम्मान प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा एवं स्वागत की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों सहित जिला स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

घाटकोपर में पहाड़ी का हिस्सा घरों पर गिरने से सात लोगों की मौत

मुंबई : घाटकोपर के अशोक नगर में गौसिया चाल के करीब छह घरों पर बुधवार को तड़के पहाड़ी का हिस्सा धसक कर गिर जाने से हुई घटना में अब तक तीन बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई है। मौके पर मलबे में और भी लोगों के दबे होने की आशंका है, इसलिए फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और पुलिस की टीम राहत और बचाव कार्य कर रही है। मुंबई नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान मोहम्मद समीर अंसारी (14), साहिल हुसैन अब्दुल काजी (19), लगभग 45 साल के एक अज्ञात व्यक्ति, अबान आरिफ शेख (2), मनत आरिफ शेख (4), मर्जिना आरिफ शेख (27) और विकेत रमेश यादव (27) के तौर पर की गई है। इस घटना में तीन घायलों फराना दिलवर खान (28), दिलबर अमनुल्ला खान (38) और शमीम मुस्लिम खान (26) को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। चार अन्य घायलों सोहेल अंसारी (18), मोहम्मद अंसारी (14), नईमुद्दीन इकबाल खान (28) और साजिद अंसारी (16) को कुर्ला में नगर निगम के भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत भी स्थिर है। मुंबई नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि प्रभावित इलाके का रास्ता बहुत संकरा है। यहां एक बार में केवल एक व्यक्ति ही गुजर सकता है और भारी मशीनरी लगाना मुश्किल हो रहा है। खोज और बचाव अभियान चल रहा था, जिसमें फायर ब्रिगेड, पुलिस, एनडीआरएफ, एम्बुलेंस सेवा और नगर निगम के वार्ड कर्मचारियों की टीमें मौके पर तैनात की गई हैं। मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने बचाव अभियान की निगरानी के लिए घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से भी मुलाकात की और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया।

एक नजर

पश्चिम बंगाल : हाबरा से पाकिस्तानी नागरिक सहित दो गिरफ्तार

कोलकाता : स्वतंत्रता दिवस से पहले पश्चिम बंगाल में एक संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक सहित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उत्तर 24 परगना के हाबरा से राज्य पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तान के नागरिक वहाब आलम उर्फ राना रऊफ बताया गया है। उससे पूछताछ के बाद कोलकाता के तपसिया इलाके से मोहम्मद इजाज नामक एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि इजाज, राना के सहयोगी के रूप में काम करता था। प्राथमिक तौर पर इन दोनों के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से होने का संदेह है। जांच से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि राना पाकिस्तानी सेना से जुड़ा हुआ है। वह आईएसआई के हैंडलर के रूप में काठमांडू के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। जांचकर्ताओं को पता चला है कि वह इससे पहले भी कई बार भारत आ चुका था।

जस्टिस यशवंत केस जांच समिति ने तीनों आरोपों में माना दोषी

नयी दिल्ली : इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े कैश कांड में जांच समिति की रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से गठित जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही माना है। रिपोर्ट में उन्हें दोषी करार दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस मामले में किसी प्रकार की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। मामला दिल्ली में जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से नकदी मिलने और उसके बाद शुरू हुई जांच से जुड़ा है। जांच समिति ने नकदी की मौजूदगी, उससे जुड़े साक्ष्यों के रखरखाव और जस्टिस वर्मा की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण पर लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। समिति ने अपने निष्कर्ष में जज को दोषी माना है।

जेपीसी के पास भेजा गया एफसीआरए संशोधन विधेयक, समिति में 21 सदस्य लोस और 10 रास के होंगे

हंगामे के बीच लोकसभा में खान और खनिज संशोधन विधेयक बिना चर्चा के पारित

नयी दिल्ली : लोकसभा में बुधवार को हंगामे के बीच बिना चर्चा के खान और खनिज संशोधन विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विद्यार्थियों के खिलाफ राजधानी में 20 जुलाई को पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने और अयोध्या के राममंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच पीठासीन जगदम्बिका पाल ने कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी को चर्चा और पारित कराने के लिए विधेयक पेश करने की अनुमति दी।

विपक्ष की मांग- बिल वापस ले सरकार

विपक्ष ने सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध किया। कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने कहा, 'सरकार अल्पसंख्यकों और एनजीओ को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। हमारी मांग है कि सरकार इस बिल को वापस ले।' विपक्ष के आरोपों पर जवाब देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'कैसी वेणुगोपाल ने गलत बोला है। कई दिनों से कांग्रेस और अन्य दलों ने मांग की कि एफसीआरए संशोधन विधेयक को जेपीसी में भेजा जाए। जब इस महत्वपूर्ण बिल को जेपीसी में भेज रहे हैं तो विपक्ष को इस पर आपत्ति हो रही है।

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने मॉनसून सत्र के दौरान जारी हंगामे के बीच फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट, 2026 को विस्तृत समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का फैसला किया है। इसके लिए संसद के द्वारा एक प्रस्ताव पास किया गया है। लोकसभा में इस बिल को जेपीसी में भेजने के लिए नित्यानंद राय ने प्रस्ताव रखा, जिसके बाद तीखी नोकझोंक देखी गई। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार एफसीआरए ला रही है, विपक्ष इसके खिलाफ है। वहीं, सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि यह अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है। आपको बता दें कि प्रस्ताव के तहत समिति में शामिल होने वाले 21 लोकसभा सांसदों का चयन लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा, जबकि राज्यसभा के 10 सांसदों का चयन राज्यसभा के सभापति द्वारा किया जाएगा। जेपीसी की आधिकारिक बैठक आयोजित करने के लिए न्यूनतम कोरम कुल सदस्यों की संख्या 31 का लगभग एक-तिहाई (1/3) निर्धारित किया गया है। समिति को अपनी गहन जांच और समीक्षा के बाद रिपोर्ट संसद के आगामी शीतकालीन सत्र 2026 के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक लोकसभा के समक्ष प्रस्तुत करनी

लंबित आश्वासनों को समय पर पूरा कराने के लिए इमरजेंसी सेल बनाने की विस अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से सिफारिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा की सरकारी आश्वासन समिति के सभापति अरूप चटर्जी, सदस्य कुमार उज्ज्वल और ममता देवी ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से मुलाकात कर समिति के 50वें, 51वें और 52वें प्रतिवेदनों की प्रतियां पेश कीं। इस दौरान समिति के सदस्य उदय शंकर सिंह भी मौजूद रहे। समिति की रिपोर्ट विधानसभा में विभागीय मंत्रियों की ओर से दिए गए सरकारी आश्वासनों के क्रियान्वयन की समीक्षा पर आधारित है। रिपोर्ट में वर्ष 2010 से अब तक लंबित सरकारी आश्वासनों की स्थिति और उनके निष्पादन के लिए विभागीय एवं समीक्षात्मक बैठकों में हुई कार्रवाई का ब्योरा दिया गया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कुल चार अनुशंसाएं की हैं। इसमें विभागीय अधिकारियों को लंबित आश्वासनों के क्रियान्वयन में गंभीरता दिखाने और सरकार को इसकी नियमित जानकारी उपलब्ध कराने की बात कही गई है। समिति ने कहा कि लंबित आश्वासनों का क्रियान्वयन होने से जनहित से जुड़े कई विषय स्वतः समाधान की दिशा में आगे बढ़ते हैं, इसलिए सरकार को इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। समिति ने यह भी अनुशंसा की है कि उसकी विभिन्न बैठकों में विभागीय अधिकारियों को दिए गए निर्देशों का राज्यहित में अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। लंबित सरकारी आश्वासनों के शीघ्र क्रियान्वयन की निगरानी के लिए अलग से इमरजेंसी सेल गठित करने की भी सिफारिश की गई है।

शिक्षा विभाग के लंबित मामलों में हुई कार्रवाई

समिति की रिपोर्ट में शिक्षा विभाग से जुड़े कई लंबित मामलों की प्रगति का भी उल्लेख है। झरिया के जामाडोबा स्थित उर्दू मध्य विद्यालय में पाइपलाइन के जरिए पेयजल की व्यवस्था कर दी गई है। इससे विद्यार्थियों को नियमित रूप से पानी उपलब्ध हो रहा है। वहीं प्राथमिक शिक्षकों के अंतर-जिला स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से कई शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। जामताड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज से संबंधित लंबित मामले में भी आवश्यक कार्रवाई पूरी किए जाने की जानकारी समिति को दी गई।

14 बैठकों में हुई लंबित मामलों की समीक्षा

रिपोर्ट के अनुसार सरकारी आश्वासन समिति ने अब तक कुल 14 बैठकें आयोजित की हैं। इनमें आठ विभागीय और छह समीक्षात्मक बैठकें शामिल हैं। बैठकों में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ लंबित आश्वासनों और मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा उनके शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया गया। समिति ने कहा कि झारखंड सरकार सदन में दिए गए आश्वासनों को पूरा करने और जनहित से जुड़े मामलों के समाधान के लिए लगातार गंभीरता से काम कर रही है।

समयबद्ध क्रियान्वयन जरूरी : अरूप चटर्जी

समिति के सभापति अरूप चटर्जी ने कहा कि सरकारी आश्वासन समिति के समक्ष आश्वासनों की लंबी सूची थी, लेकिन पदाधिकारियों के सहयोग से अधिकांश आश्वासनों के क्रियान्वयन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी आश्वासनों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुशासन और जनविश्वास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन पर संसद में चर्चा को सरकार तैयार : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से चर्चा कर इस विषय पर पर्याप्त समय आवंटित करने का अनुरोध किया है। अमित शाह ने पत्र में कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सरकार की ओर से संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए सहमति दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के आग्रह पर पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा हो चुकी है, जिसमें विपक्ष के किसी भी सांसद ने नीट परीक्षा के संबंध में सदन में कोई विचार व्यक्त नहीं किया। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए फिर तैयार है। गृहमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि विपक्ष से चर्चा कर आपसी सहमति से आज से जितना समय और जितने घंटे उचित समझें, उतना समय इस मुद्दे पर चर्चा के लिए आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के दौरान वह सदन में उपस्थित रहकर इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं और विपक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हैं। शाह ने कहा कि लोकतंत्र में चर्चा और संवाद से ही समाधान निकलता है।

छात्रों पर हिंसा और चढ़ावा चोरी समेत सभी मुद्दों पर चर्चा हो : पवन खेड़ा

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को कहा कि संसद में चर्चा छात्रों के विरोध-प्रदर्शन तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि अयोध्या के राममंदिर के चढ़ावे से जुड़े आरोप, छात्रों पर हुई कार्रवाई, कथित पेपर लीक और छात्रों की आत्महत्याओं समेत सभी मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले दिन से इन सभी मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है और सरकार को चर्चा के लिए शर्तें नहीं रखनी चाहिए। संसद भवन में पत्रकारों से बातचीत में खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष 24 घंटे के भीतर चर्चा के लिए प्रस्ताव दे तो सरकार चर्चा कराने को तैयार है। खेड़ा ने कहा कि सत्ताधारी दल को चर्चा के लिए शर्त रखने का अधिकार नहीं है।

एन चंद्रशेखरन ने दिया टाटा संस के चेयरमैन पद से इस्तीफा

एजेंसी

नयी दिल्ली : टाटा संस से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त 2026 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। फरवरी में टाटा संस के बोर्ड ने उन्हें दोबारा चेयरमैन नियुक्त करने के फैसले को टाल दिया था। यह खबर इसलिए भी बड़ी है क्योंकि 18 अगस्त को टाटा संस की एनुअल जनरल मीटिंग होनी है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने जानकारी दी कि वह तुरंत पद नहीं छोड़ेंगे। वह अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा करेंगे जो फरवरी 2027 तक है। एन. चंद्रशेखरन साल 2017 से टाटा संस के चेयरमैन हैं। इससे पहले वह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस के सीईओ रह चुके हैं। वह 1987 में टाटा ग्रुप से जुड़े थे। पद से इस्तीफा देने के बाद अपने एक बयान में एन चंद्रशेखरन ने कहा, मैंने टाटा ग्रुप में अपने प्रोफेशनल करियर के 40 साल पूरे कर लिए हैं। इस प्रतिष्ठित संस्थान में योगदान देने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा है और मैं इसके लिए आभारी हूं। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी की बात रही है। एन चंद्रशेखरन ने कहा, मैंने टाटा ग्रुप में अपने प्रोफेशनल जीवन के 40 साल पूरे कर लिए हैं। इस प्रतिष्ठित संस्थान में योगदान देने का मौका मिलना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा है और मैं इसके लिए आभारी हूं। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान और बड़ी ज़िम्मेदारी की बात रही है।

एक नजर

राजकीय मध्य विद्यालय रामपुर में विद्यार्थियों को मिली साइकिल, चेहरे पर छाई खुशी

चौपारण : बुधवार को राजकीय मध्य विद्यालय रामपुर में कल्याण विभाग की ओर से साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया गया। साइकिल मिलते ही छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत रामपुर की मुखिया सुनीता देवी, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मंटू कुमार एवं प्रधानाध्यापक नंदकिशोर कुमार की मौजूदगी में विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की गई। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। मुखिया सुनीता देवी ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। इससे खासकर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को विद्यालय आने-जाने में काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन से पढ़ाई करने की अपील की। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मंटू कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं मिलने से उनमें पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ती है। उन्होंने साइकिल प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने की अपील की। प्रधानाध्यापक नंदकिशोर कुमार ने विद्यार्थियों से साइकिल का सदुपयोग करने और विद्यालय में नियमित उपस्थिति बनाए रखने की बात कही।

गोवंश तस्करी का मामला, बिना नंबर के सुमो से तीन पशु बरामद

हजारीबाग : कटकमसांडी थाना क्षेत्र में बीती रात पुलिस ने गोवंश तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन गोवंशीय पशुओं को बरामद किया है। पुलिस ने बहिमर चौक से पहले घाटी के समीप एक लाल रंग के बिना नंबर वाले सुमो वाहन को जब्त किया है। वाहन के अंदर तीन गोवंशीय पशुओं को कथित रूप से अवैध तरीके से लादकर ले जाया जा रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में गोवंश तस्करी को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।
मिली जानकारी के अनुसार, कटकमसांडी थाना क्षेत्र में पुलिस को गोवंशीय पशुओं को अवैध तरीके से ले जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध वाहनों पर नजर रखनी शुरू की। इसी दौरान बहिमर चौक से पहले घाटी के पास एक लाल रंग का सुमो वाहन पुलिस की नजर में आया। वाहन को रोककर जब उसकी जांच की गई तो उसके अंदर तीन गोवंशीय पशु पाए गए।
पुलिस ने तत्काल वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि पुलिस की कार्रवाई के दौरान वाहन का चालक और कथित तस्कर मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू कर दिया है। फरार आरोपियों की पहचान करने के साथ-साथ यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर इन पशुओं को कहां से लाया गया था और इन्हें कहां ले जाया जा रहा था।
घटना के संबंध में बिरजा कुजूर के बयान पर कटकमसांडी थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

सेवा को बनाया जीवन का संकल्प, युवाओं के लिए मिसाल बने रितेश खंडेलवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : युवा दिवस की बात हो और हजारीबाग शहर में सेवा कार्यों को अपनी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने वाले रितेश खंडेलवाल का जिक्र न हो, ऐसा संभव नहीं। युवा शक्ति जब अपनी उम्र, ऊर्जा और उत्साह का उपयोग समाज और जरूरतमंदों के लिए करते हैं तो उन्हें औरों से अलग बनाता है। रितेश खंडेलवाल इसी सोच को अपने कर्मों से चरितार्थ करते नजर आते हैं। 24 जुलाई 1997 को जन्मे रितेश ने स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद से ही समाजसेवा के कार्यों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कदम बढ़ाया। बीते करीब 13 वर्षों से जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहना अपने आप में उनके सेवा-भाव और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मानव सेवा के प्रति उनका समर्पण रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी दिखाई देता है। वे अब तक करीब 17 बार रक्तदान कर चुके हैं। इसके अलावा जरूरत के समय सैकड़ों लोगों तक रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर उन्होंने कई जिंदगियों को बचाने में सहयोग किया है। रक्त की एक बूंद किसी अनजान व्यक्ति के जीवन की उम्मीद बन सकती है और रितेश ने इस उम्मीद को बार-बार मजबूत किया है। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सेवा उनके लिए किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं रही। कोरोना महामारी के उस कठिन दौर में जब लोग अपने घरों से बाहर निकलने तक से डर रहे थे, तब रितेश जरूरतमंदों की मदद के लिए सड़कों पर सक्रिय नजर आए। भय और अनिश्चितता के उस वातावरण में दूसरों की सहायता के लिए आगे बढ़ना उनके भीतर मौजूद मानवीय संवेदना और साहस का परिचायक है। वर्तमान में रितेश खंडेलवाल पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और हजारीबाग यूथ विंग के सचिव के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पत्रकारिता और समाजसेवा दोनों क्षेत्रों में सक्रिय रहकर वे समाज के साथ अपने जुड़ाव को और मजबूत करते हैं। उनके लिए समाजसेवा जीवन का हिस्सा बन गया है। रितेश की एक खास आदत उन्हें औरों से अलग करती हैवे अपनी खुशियों को भी समाज के साथ साझा करना जानते हैं। अपने जन्मदिन को भव्य पार्टी और दिखावे के बजाय बिरहोर बस्ती के बच्चों के बीच मनाना इसी सोच का उदाहरण है। बच्चों के साथ समय बिताना, उनके बीच खुशियां बांटना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास उस युवा सोच को सामने रखता है, जिसकी आज समाज को सबसे अधिक जरूरत है। रितेश दुबले-पतले शरीर के जरूर हैं, लेकिन उनका व्यक्तित्व उनके शारीरिक आकार से कहीं बड़ा है। कम समय में अपनी मेहनत, लगनशीलता और सेवाभावी कार्यों के बल पर उन्होंने हजारीबाग में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे हमेशा कुछ नया करने और समाज के लिए कुछ अलग करने की तलाश में रहते हैं। लोग क्या कह रहे हैं और क्या कर रहे हैं, इसकी परवाह किए बिना अपनी क्षमता और अंतरात्मा की आवाज के अनुसार आगे बढ़ना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है।

वीबीजी राम जी अधिनियम को लेकर प्रशिक्षण एआई से होगा योजनाओं का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन अधिनियम, 2025 को लेकर बुधवार को बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल की अध्यक्षता में प्रखंड सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।मौके पर उपस्थित बतौर प्रशिक्षक बीपीओ हीरो महतो , अरुण कुमार पासवान ने अधिनियम के प्रावधानों, योजनाओं के क्रियान्वयन योजनाओं के निरीक्षण और निगरानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग किया जाएगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि वी बी जी राम जी के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। अधिनियम लोकसभा में 18 दिसंबर 2025 और राज्यसभा में 19 दिसंबर 2025 को पारित हुआ था। 21 दिसंबर 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दी। अधिनियम के तहत केंद्र और राज्य के बीच 60:40 के वित्तीय हिस्सेदारी फामूले की व्यवस्था है। इसके अलावा साप्ताहिक भुगतान, अधिकतम 15 दिनों में भुगतान, डिजिटल भुगतान, काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता और विलंब की स्थिति में क्षतिपूर्ति का प्रावधान बताया गया। प्रशिक्षण में वी बी जी राम जी के तहत कुल 318 प्रकार के कार्यों की जानकारी दी गई। इनमें जल सुरक्षा से संबंधित 107 कार्य, मुख्य ग्रामीण अवसंरचना के 90 कार्य, आजीविका अवसंरचना से जुड़े 86 कार्य तथा चरम मौसम एवं आपदा से संबंधित 35 कार्य शामिल हैं।

दिव्यांगजनों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : उपायुक्त हेमन्त सती के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले 25 पात्र लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। इससे पूर्व जिला प्रशासन की पहल पर 50 दिव्यांग लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया जा चुका है। वहीं, गुरुवार को 25 अन्य पात्र दिव्यांग लाभुकों के बीच ट्राईसाइकिल का वितरण किया जाएगा। इस प्रकार चार चरणों में कुल 100 दिव्यांग लाभुकों को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जा रही है। वितरण के दौरान डीएसडब्ल्यूओ के कर्मियों द्वारा दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल ड्राइविंग का प्रशिक्षण भी दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगो को दिव्यांग उपकरण उपलब्ध कराने हेतु जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा कराई गई प्रचार प्रसार के दौरान कई आवेदन प्राप्त हुए हैं। आने वाले दिनों में जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों पर दिव्यांगों को उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। उपायुक्त हेमन्त सती ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। दिव्यांगजनों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैटरी चालित ट्राईसाइकिल से लाभुकों को अपने दैनिक कार्यों, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक गतिविधियों में आने-जाने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

माँ विंध्यवासिनी कॉलेज में गूंजा ज्ञान का संदेश धूमधाम से मना राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : ज्ञान, शिक्षा और पठन-पाठन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रखंड स्थित माँ विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बुधवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस धूमधाम से मनाया गया। पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगानाथन की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने पुस्तकालय के महत्व और ज्ञान के प्रसार में इसकी भूमिका पर विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के लाइब्रेरियन संजय राणा एवं अशोक कुमार मेहता ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अनूप कुमार मेहता ने दीप प्रज्वलित कर एवं डॉ. एस. आर. रंगानाथन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद शिक्षा और समाज में पुस्तकालयों के महत्व तथा डॉ. रंगानाथन के अतुलनीय योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था अध्यक्ष डॉ. मेहता ने कहा कि पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्थान की आत्मा होते हैं। डॉ. रंगानाथन ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान की नींव रखकर ज्ञान के प्रसार को नई दिशा दी। डिजिटल क्रांति के दौर में भी पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि वे हमारे विचारों को गहराई प्रदान करती हैं। प्रो. नीतू उपाध्याय ने कहा कि विद्यार्थियों में पठन-पाठन की रुचि विकसित करने में पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने से छात्रों के ज्ञान का दायरा बढ़ता है और चिंतन क्षमता का विकास होता है। वहीं प्रो. जूही राय ने कहा कि पुस्तकें हमारी सबसे सच्ची मित्र होती हैं। समृद्ध पुस्तकालय ज्ञान का भंडार होने के साथ शोध और नवाचार के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। युवाओं को पुस्तकों से जुड़कर अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पूजा कुमारी ने उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

ब्राउन शुगर-गांजा के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, कार और बाइक जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही एसपी हजारीबाग अमन कुमार, एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर के निर्देशन में पदमा ओपी प्रभारी श्रवण कुमार के नेतृत्व में नशा के खिलाफ की गई छापेमारी में हजारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस संबंध में एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि पदमा ओपी क्षेत्र के गारकूरहा रेलवे ओवर ब्रिज के पास गुप्त सूचना पर छापेमारी कर पुलिस ने ब्राउन शुगर और गांजा के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। मौके से एक होंडा सिटी कार और एक बाइक भी जब्त की गई है। एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि मंगलवार शाम पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि गारकूरहा रेलवे ओवर ब्रिज के पास अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री हो रही है। सूचना के सत्यापन के बाद एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने ओवर ब्रिज के पास घेराबंदी कर दो संदिग्धों को धर-दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्तों में लखिन्द्र कुमार दांगी, उम्र 30 वर्ष, पिता जागेश्वर दांगी, निवासी ग्राम डोड़ी, थाना मयूरहंड, जिला चतरा और विशाल कुमार यादव, उम्र 21 वर्ष, पिता लक्ष्मी यादव, निवासी ग्राम मेलकाना, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग शामिल हैं। पुलिस ने मौके से ब्राउन शुगर 15 ग्राम, गांजा 350 ग्राम, हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल संख्या JH02AT-1528 और होंडा सिटी कार संख्या JH10A-8591 बरामद किया।

विभावि में 'पुस्तकालय अध्यक्ष दिवस' पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

विद्यार्थी अधिक से अधिक समय पुस्तकालय में बिताए : कुलपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राष्ट्रीय पुस्तकालय अध्यक्ष दिवस के अवसर पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा आर्यभट्ट सभागार में बुधवार को एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुस्तकालय विज्ञान के प्रणेता डॉ एस आर रंगनाथन के छायाचित्र पर पुष्पार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने अपने उद्बोधन में व्यक्ति के जीवन में पुस्तक और पुस्तकालय की भूमिकाओं के विविध आयामों की चर्चा की। बदलते दौर में ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों एवं पुस्तकालय के बदलते स्वरूप के बारे में भी उन्होंने विस्तार से बताया। पुस्तकालय की उपादेयता की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए विद्यार्थियों से पुस्तकालय में अधिक से अधिक समय बिताने का आह्वान किया। निकट भविष्य में यहां के विद्यार्थियों द्वारा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (इग्नव) के पुस्तकालय का परिभ्रमण करने की बात कही। छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने पुस्तकालय के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। पुस्तकालयों के बदलते परिवेश की चर्चा की। जीवन में पुस्तक की महत्ता से विद्यार्थियों को रूबरू करवाया। कुलसचिव सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने अपने अध्ययन काल में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पुस्तकालय के कर्मियों की भूमिकाओं की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए पुस्तकालय के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ सुकल्याण मोइत्रा, डॉ विनोद कुमार , अरविंद नाथ सिंह चौधरी एवं मोहम्मद अरशद आलम ने भी अपने विचार रखें। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के निदेशक डॉ विनोद रंजन ने विद्यार्थियों को पुस्तक एवं पुस्तकालय की जीवन में उपादेयता पर चर्चा की। उन्होंने बदलते दौर के साथ पुस्तकालय के बदलते स्वरूप को जानने और समझने की आवश्यकता को बताया। इस अवसर पर "एआई के दौर में पुस्तकालय की प्रासंगिकता" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । भाषण प्रतियोगिता में सीमा कुमारी ने प्रथम स्थान, प्रभात कुमार सिन्हा ने द्वितीय स्थान एवं मीनाक्षी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के विद्यार्थियों ने मंटू कुमार के नेतृत्व में अहम भूमिका निभाई। मंच संचालन छात्र आकाश एवं ऋषभ ने किया। भाषण प्रतियोगिता में विजेताओं के अतिरिक्त अंकित कुमार, मंटू कुमार, नवनीत कुमार, प्रीति कुमारी, सृष्टि सिंह एवं ऋषभ राज ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

बेढ़ना विद्यालय में सर्वसम्मति से चुनी गई नई प्रबंधन समिति, पदाधिकारियों का चयन

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेढ़ना में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पुनर्गठन की प्रक्रिया विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीकांत कुमार की मौजूदगी में निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरी की गई। इस दौरान विद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ विद्यालय के विकास कार्यों में समिति की भूमिका को लेकर भी चर्चा की गई। पुनर्गठन के दौरान उपस्थित सदस्यों एवं अभिभावकों की सहमति से रामदेव कुमार गुप्ता को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना गया। वहीं प्रीति कुमारी को उपाध्यक्ष तथा फूलमती देवी को संयोजिका के रूप में सर्वसम्मति से चयनित किया गया। सभी पदों पर चयन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीकांत कुमार ने नवगठित समिति के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के विकास एवं विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा के लिए मिलकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति की सक्रिय भागीदारी से विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामदेव कुमार गुप्ता सहित उपाध्यक्ष प्रीति कुमारी और संयोजिका फूलमती देवी ने विद्यालय के विकास, विद्यार्थियों की शिक्षा तथा विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने में हरसंभव सहयोग करने की बात कही। समिति के पुनर्गठन के बाद विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों में भी उत्साह देखा गया।

बीडीओ और थाना प्रभारी ने किया कस्तूरबा रोड का निरीक्षण

चलकुशा : चलकुशा में स्थित कस्तूरबा विद्यालय की जर्जर सड़क और जलजमाव की शिकायतों के बाद बुधवार को चलकुशा प्रखंड विकास पदाधिकारी अमृता सिंह और थाना प्रभारी नरेन्द्र पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कस्तूरबा रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई घरों से गंदा पानी सीधे सड़क पर बहाया जा रहा है। इससे सड़क पर कीचड़ जमा हो गया है और राहगीरों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को भी आने-जाने में परेशानी हो रही है। बीडीओ अमृता सिंह ने मौके पर मौजूद लोगों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सड़क पर किसी भी हाल में पानी नहीं बहाया जाए। ऐसा करने वालों पर प्रखंड प्रशासन कार्रवाई करेगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और जल निकासी की जिम्मेदारी सभी की है। सड़क को क्षतिग्रस्त करने वालों को चिन्हित कर नोटिस भेजी जाएगी। वहीं थाना प्रभारी नरेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि सड़क पर पानी बहाने से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी करेगा। अगर कोई दोबारा सड़क पर पानी बहाता पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों के इस कदम का स्वागत किया लोगों ने प्रशासन से जल्द जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग भी की। निरीक्षण के दौरान प्रमुख नीतू कुमारी मुखिया आलोक सिंह व प्रखंड और अंचल के कई कर्मी मौजूद थे।

सावन में गूंजा बोल बम, बाबा बैद्यनाथ की भक्ति में देवघर निकले रंजीत पाण्डेय

चौपारण : सावन की भक्ति में इन दिनों पूरा चौपारण शिवमय नजर आ रहा है। जगह-जगह भगवान भोलेनाथ के जयकारे गूंज रहे हैं और श्रद्धालुओं में बाबा बैद्यनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक को लेकर उत्साह चरम पर है। इसी आस्था और भक्ति के साथ पाण्डेयबारा पंचायत के समाजसेवी रंजीत पाण्डेय अपने साथियों के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर के लिए रवाना हुए। देवघर प्रस्थान के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सभी श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का स्मरण करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर रवाना हुए। सावन के महीने में बाबा बैद्यनाथ धाम में भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसी आस्था के साथ रंजीत पाण्डेय अपने साथियों के साथ देवघर रवाना हुए। यात्रा को लेकर सभी में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का स्मरण करते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। इस अवसर पर रंजीत पाण्डेय ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और आस्था का पर्व है। बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करने का अवसर मिलना अपने आप में सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि बाबा भोलेनाथ की कृपा सभी पर बनी रहे तथा क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि कायम रहे, यही उनकी कामना है। रंजीत पाण्डेय के साथ अजय पाण्डेय, अनुज पाण्डेय, बिनोद पाण्डेय एवं नितेश पाण्डेय भी देवघर के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। बोल बम के जयघोष और सावन की भक्ति ने पूरे माहौल को शिवमय बना दिया।

लोहसिंघना थाना पुलिस की कार्रवाई NBW वारंटी आरिफ अंसारी गिरफ्तार

हजारीबाग : जिले में लंबित मामलों में फरार एवं न्यायालय से जारी वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में लोहसिंघना थाना पुलिस को एक मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट यानी ढढ़ के आधार पर एक आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया है।
पुलिस के अनुसार, लोहसिंघना थाना कांड संख्या 215/24 और जीआर नंबर 179/25 से संबंधित मामले में न्यायालय द्वारा आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। वारंट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी आरिफ अंसारी उर्फ मोहम्मद आरिफ को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की उम्र करीब 21 वर्ष बताई गई है। वह मोहम्मद अब्बास का पुत्र है और उसका पता मोमिन मोहल्ला, पेलावल, थाना कटकमसांडी-पेलावल, जिला हजारीबाग बताया गया है।

एक नजर

भाजपा की तिरंगा यात्रा राजनीतिक नौटंकी : नायक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने भाजपा और आरएसएस की तिरंगा यात्रा पर निशाना साधते हुए इसे राजनीतिक नौटंकी बताया। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने आजादी के बाद लंबे समय तक अपने नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया और भगवा ध्वज को प्राथमिकता दी। नायक ने आरोप लगाया कि भाजपा आज राष्ट्रवाद के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने संघ के पुराने वैचारिक रुख और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका पर भी सवाल उठाए। नायक ने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में है और इसके लिए किसी राजनीतिक दल के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। उन्होंने जनता से भाजपा के कथित दोहरे चरित्र को पहचानने की अपील की।

पत्रकारों की सुरक्षा पर होगी ऑनलाइन बैठक

रांची : पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर 12 अगस्त को गृह मंत्रालय की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसमें झारखंड सरकार की ओर से पुलिस महानिरीक्षक ऑपरेशन नरेंद्र कुमार सिंह शामिल होंगे। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इस संबंध में पूर्व में जारी नामांकन में बदलाव किया है। विभाग के संयुक्त सचिव संजय पाण्डेय की ओर से गृह सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की जाएगी। इसमें झारखंड की ओर से पहले पुलिस महानिरीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग अजय लिंडा को शामिल होना था। अब उनके स्थान पर पुलिस महानिरीक्षक ऑपरेशन नरेंद्र कुमार सिंह को नामित किया गया है। विभाग ने संशोधित नामांकन की जानकारी संबंधित दोनों अधिकारियों को देते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है। बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

कोकर में दिनदहाड़े चेन छिनतई, स्कूल बस का इंतजार कर रहे व्यक्ति को बनाया निशाना

रांची : राजधानी रांची में अपराधियों में पुलिस का खौफ नहीं रहा। बुधवार सुबह कोकर चौक स्थित सीमा सुजुकी के सामने बाइक सवार दो अपराधियों ने एक व्यक्ति से दिनदहाड़े चेन छिनतई की घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, सुनील महतो हर रोज की तरह बुधवार सुबह अपने घर के बाहर बच्चों के स्कूल बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक गली में घुसे और मौका पाकर उनके गले से सोने की चैन झपट ली। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी बाइक से फरार हो गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, राजधानी में लगातार दिनदहाड़े चोरी, लूट और छिनतई की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे आम लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। कोकर की इस घटना में भी अपराधियों ने कुछ ही सेकंड में वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश में जुट सकती है। घटना को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। राजधानी में लगातार हो रही दिनदहाड़े छिनतई की घटनाओं ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था और अपराधियों पर लगाम लगाने की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाल तस्करी रोकने के लिए सभी वर्गों का समन्वित प्रयास जरूरी : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि बाल तस्करी जैसी गंभीर चुनौती से निपटने के लिए सरकार, प्रशासन, पुलिस, विद्यालय, पंचायत, सामाजिक संगठनों, समुदाय और युवाओं के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलना चाहिए।

राज्यपाल ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस-2026 के अवसर पर बाल कल्याण संघ द्वारा आयोजित "अलग-अलग परिस्थितियां, समान आकांक्षाएं, एक भविष्य" विषयक "हितधारक परामर्श कार्यक्रम" को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि बाल तस्करी और बाल श्रम के पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी तथा सामाजिक असुरक्षा जैसे कई कारण हो सकते हैं। ऐसे में केवल बच्चों को संकट से बाहर निकालना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके सुरक्षित पुनर्वास और बेहतर भविष्य की व्यवस्था सुनिश्चित करना भी जरूरी है। विशेषकर सुदूर ग्रामीण एवं कमजोर क्षेत्रों में बाल संरक्षण को लेकर निरंतर सजगता और जागरूकता आवश्यक है।

राज्यपाल ने अपने जीवन के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब वे लगभग एक वर्ष के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। उनका जीवन संघर्षों से गुजरा। छात्र जीवन में आपातकाल के दौरान जेल जाने के बाद उनका राजनीति में प्रवेश हुआ और उन्हें आठ बार लोकसभा सांसद के रूप में देश की सेवा करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि जीवन के संघर्षों ने उन्हें समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों की कठिनाइयों और पीड़ा को करीब से समझने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि जब वे पहली बार दिल्ली पहुंचे, तब उन्होंने देखा कि झारखंड क्षेत्र के अनेक बच्चे बड़े शहरों में घरेलू कामगार के रूप में कार्य करने को विवश थे। ऐसी परिस्थितियों को देखकर उन्हें अत्यंत पीड़ा होती थी। समय के साथ स्थिति में सुधार आया है, लेकिन बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

राज्यपाल ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। जो बच्चे किसी कारण से विद्यालय से बाहर हैं, उनकी पहचान कर उन्हें शिक्षा से जोड़ना तथा संकटग्रस्त बच्चों के सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने युवाओं को बाल संरक्षण के प्रयासों का महत्वपूर्ण सहभागी बताते हुए कहा कि युवा अपने गांव, विद्यालय, महाविद्यालय और आसपास के समाज में जागरूकता का प्रभावी संदेश पहुंचा सकते हैं। युवाओं को तकनीक एवं डिजिटल माध्यमों का सकारात्मक उपयोग करते हुए बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए तथा किसी संकटग्रस्त बच्चे की जानकारी उचित माध्यम तक पहुंचानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि "विकसित भारत-2047" का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ हो तथा उसे आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हों।

झारखंड के छह जिलों में 14 अगस्त को बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के छह जिलों में 14 अगस्त को बहुत भारी बारिश होने की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, गुमला और लोहरदगा शामिल हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी।

विभाग के अनुसार, 16 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इसे देखते हुए राज्य के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। हालांकि, एक जून से 12 अगस्त तक झारखंड में कुल 492.8 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश का आंकड़ा 627.6 मिलीमीटर है। इस लिहाज से राज्य में अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश खूंटी जिले के तोरपा में 69.3 मिलीमीटर दर्ज की गई। राजधानी रांची में 47 मिलीमीटर बारिश हुई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान बहरागोड़ा में 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम तापमान लातेहार में 20.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर डॉ मयंक मुरारी को राज्यपाल ने किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने ग्रामीण विकास और आदिवासी तथा सृजनात्मक लेखन के लिए प्रदेश के चिंतक, लेखक और ग्रामीण विकास के सक्रिय प्रबंधक डॉ मयंक मुरारी को सम्मानित किया है।। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और एटसेक के संयुक्त माध्यम से आयोजित किया गया।

डॉ मयंक मुरारी ग्रामीण विकास के लिए समर्पित होने के बाद भी सृजनात्मक लेखन से समाज को दिशाा दे रहे है। आज उनके प्रयासों के कारण टाटीसिलवे के इर्द गिर्द के गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा आजीविका, मानव संसाधन पर लच्छित कार्यक्रम चले रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ मयंक मुरारी को शाला ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनको प्रशिस्त पत्र भी प्रदान किया गया।

डा मयंक मुरारी एक विचारक और सक्रिय लेखक हैं। उनके संपूर्ण लेखन का उद्देश्य भारतीय जीवन और संस्कृति की ज्ञानात्मक समृद्धि से परिचय कराना, इतिहास, परंपरा और विरासत का वैज्ञानिक विश्लेषण करना और लोकजीवन में निहित नैतिक एवं जीवन मूल्यों को प्रस्तुत करना है। प्राचीन भारत की ज्ञान परंपरा के उपयोगी एवं अनुकरणीय तत्वों का वर्तमान सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उसकी उपयोगिता एवं आवश्यकता पर चिंतन व शोध करते है। उन्होंने 30 सालों में अभी तक 20 से अधिक किताबें और 700 से अधिक रिपोर्ट, भारतीय समाचार पत्र और पत्रिका में लिख चुके हैं। वह उषा मार्टिन में महाप्रबंधक सीएसआर और पीआर के रूप में काम कर रहे हैं, जहां पिछले 15 सालों से गांवों के टिकाऊ विकास के प्रति संकल्पित है। वह हमारे समाज की सामूहिक जागरूकता के लिए विभिन्न मंचों से व्याख्यान भी देते है।

झारखंड के 29 पुलिस अधिकारियों-कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस पर मिलेगा पुलिस पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

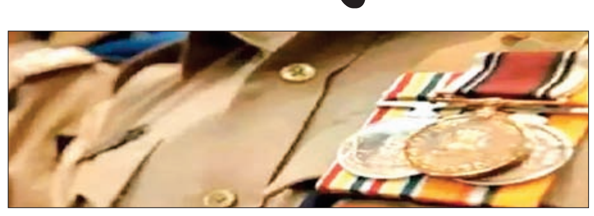

रांची : झारखंड के तीन आईपीएस अधिकारियों समेत 29 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उनकी विशिष्ट, वीरतापूर्ण और सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह विभाग ने पदक पाने वाले अधिकारियों और कर्मियों की सूची जारी कर दी है। जारी सूची के अनुसार, एक एएसआई को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, पांच पुलिसकर्मियों को वीरता पदक और तीन आईपीएस अधिकारियों समेत 23 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। इस बार सम्मान पाने वालों में पांच महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। विशिष्ट सेवा के लिए जैप-1 के एएसआई कैलाश प्रसाद श्रेष्ठ को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, वीरता पदक पाने वालों में लातेहार के अवर निरीक्षक विनय कुमार, आईआरबी-4 लातेहार के सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार राय, लातेहार जिला बल के आरक्षी वेद प्रकाश महतो और रामचंद्र कुमार महतो तथा आईआरबी-1 जामताड़ा के आरक्षी कृष्णा मुर्मू शामिल हैं। सराहनीय सेवा के लिए पदक पाने वालों में महानिरीक्षक रेल डॉ. माइकल राज एस, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात आईपीएस अधिकारी अन्नेपु विजयालक्ष्मी और कोल्हान के उप महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा शामिल हैं। इनके अलावा स्पेशल ब्रांच के उपाधीक्षक नीरज कुमार, वायरलेस के इंस्पेक्टर अरुण कुमार, एसटीएफ के इंस्पेक्टर मनोज कुमार राय, आईटीएस रांची के इंस्पेक्टर असित कुमार मोदी, एसटीएफ के एएसआई अरविंद कुमार पालित, वशिष्ठ कुंवर, संजीव कुमार झा और विजय कुमार को भी सराहनीय सेवा पदक दिया जाएगा।

एडवोकेट एसोसिएशन चुनाव : सदस्यता शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इसी के तहत आज चुनाव समिति ने सदस्यता शुल्क जमा करने की तिथि 13 अगस्त तक बढ़ा दी गयी है। अधिवक्ताओं को दिसंबर 2025 तक की अपनी सदस्यता शुल्क जमा करनी है। अभी चुनाव समिति द्वारा प्रकाशित की गई मतदाता सूची को लेकर आपत्तियां मांगी गई हैं। उल्लेखनीय है कि चुनाव समिति ने 3069 मतदाताओं की सूची स्वीकृति के लिए झारखंड स्टेट बार काउंसिल को भेजी थी। काउंसिल ने विचार करने के बाद 3069 में से 2085 मतदाताओं की सूची पर स्वीकृति दी थी। मतदाता सूची पर अधिवक्ताओं से आपत्तियां मांगी गई है। यहां बता दें कि जिन अधिवक्ताओं ने दिसंबर 2025 तक का सदस्यता शुल्क 5 अगस्त 2026 तक जमा करा दिया है। उन मतदाता का नाम चुनाव समिति ने तैयार किया है।

उल्लेखनीय है कि एडवोकेट एसोसिएशन चुनाव 21 अगस्त 2026 को सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक होगा। 22 अगस्त को मतगणना होगी। झारखंड हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की चुनाव समिति ने 31 जुलाई 2026 को चुनाव संबंधी अधिसूचना में संशोधन किया है।

झारखंड सरकार छात्रों की मांगों का समाधान बातचीत एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना चाहती है : कांग्रेस

रांची : रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को राज्य सरकार के चार मंत्रियों राधा कृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, डॉ. इरफान अंसारी और शिल्पी नेहा तिर्की ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की ओर से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लगाए गए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के मुद्दे को लेकर गंभीर है और उनकी मांगों का समाधान बातचीत एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना चाहती है।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि विधानसभा का सत्र आहूत था और सरकार छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सदन में चर्चा के लिए तैयार थी। इसके बावजूद भाजपा ने सदन में चर्चा करने के बजाय राजनीतिक आंदोलन का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने सभी विधायकों के साथ सुबह सात बजे से मुख्यमंत्री आवास के समक्ष धरने पर बैठ गए थे। इससे स्पष्ट है कि भाजपा की मंशा छात्रों की समस्याओं पर सदन में चर्चा करने की नहीं थी। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनरत छात्रों पर किसी भी तरह के बल प्रयोग या हिंसा के खिलाफ है। जिला प्रशासन और सरकार ने पूरे मामले में संयम बरता है। उन्होंने दावा किया कि आंदोलनरत छात्रों ने भी स्वीकार किया है कि प्रदर्शन के दौरान कुछ बाहरी उपद्रवी तत्व शामिल हुए थे, जिन्होंने हिंसा को अंजाम दिया।

राधा कृष्ण किशोर ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकारों के कार्यकाल में भी आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई हुई थी। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी के कार्यकाल में दो फरवरी 2001 को कोयलकारो परियोजना से जुड़े आंदोलन के दौरान पुलिस फायरिंग में आठ आंदोलनकारियों की मौत हुई थी। अर्जुन मुंडा और रघुवर दास के कार्यकाल में भी विभिन्न प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में प्रदर्शनकारियों की जान गई थी।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने इस मौके पर कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा छात्रों की जायज मांगों का समाधान करना है और उनकी हर मांग पर गंभीरता से पहल की जा रही है। सीबीआई जांच की मांग पर उन्होंने कहा कि 2015 से अब तक 17 परीक्षाओं की जांच सीबीआई को सौंपी गई है, लेकिन इन मामलों में जांच की प्रगति संतोषजनक नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि इन मामलों में अब तक केवल एक दोषसिद्धि हुई है। यह मामला हरियाणा न्यायिक सेवा परीक्षा-2017 से संबंधित था, जिसमें अगस्त 2024 में दिल्ली की एक अदालत ने फैसला सुनाया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले की जांच सीबीआई ने नहीं, बल्कि चंडीगढ़ एसआईटी ने की थी।

संक्षिप्त खबरें

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से निकली तिरंगा यात्रा, कर्मियों में दिखा देशभक्ति का रंग

रांची : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। एयरपोर्ट अधिकारियों, कर्मचारियों और सीआरपीएफ जवानों ने मिलकर परिसर में उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा के दौरान सभी ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। राष्ट्रभक्ति से गूंजते नारों ने एयरपोर्ट पर मौजूद यात्रियों का भी ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों के अनुसार, तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों और यात्रियों के बीच राष्ट्रभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और स्वतंत्रता दिवस के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

किशोरगंज चौक की दुकान पर नगर निगम की कार्रवाई पर हाई कोर्ट की रोक

रांची : रांची के किशोरगंज चौक स्थित एक दुकान के स्ट्रक्चर को हटाने की रांची नगर निगम की कार्रवाई पर झारखंड उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए रांची नगर निगम को छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में प्रार्थी मेहुल मृगेंद्र की ओर से अधिवक्ता शादाब इकबाल और अधिवक्ता आयुष राज ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शादाब इकबाल ने अदालत को बताया कि 7 अगस्त को रांची नगर निगम ने उनके आवास के सामने स्थित दुकान के स्ट्रक्चर को अवैध बताते हुए उसे हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया था। अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि जिस परिसर में दुकान स्थित है, उसका स्वीकृत नक्शा मौजूद है। इसके बावजूद नगर निगम की ओर से दुकान के स्ट्रक्चर को तोड़ने का प्रयास किया गया, जो उचित नहीं है। प्रार्थी की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने नगर निगम की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए निगम को छह सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई जवाब दाखिल होने के बाद होगी।

विधानसभा घेराव मामले में पुलिस की कार्रवाई 100 नामजद और 500 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज

रांची : रांची ने जेपीएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प के मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने करीब 100 लोगों को नामजद करते हुए 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने सरकारी काम में बाधा डाला, पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की और पथराव किया। पुलिस के अनुसार, पथराव में कई पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। मामले में पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार और सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित कई धाराओं में कार्रवाई की गई है। इसी मामले से जुड़े घटनाक्रम में लालपुर थाना में भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह एफआईआर 8 अगस्त को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड की ओर से निकाले गए मार्च को लेकर दर्ज की गई। शिकायत पिस्का मोड़ स्थित प्रभारी वरीय पशु चिकित्सा एवं पशुपालन पदाधिकारी डॉ तनवीर अख्तर ने की थी। शिकायत के मुताबिक, डॉ अख्तर को सदर अनुमंडल कार्यालय के आदेश पर मोरहाबादी मैदान में मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया था। वह पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ मार्च में मौजूद थे। इसी दौरान छात्रों ने कानून तोड़े। मार्च को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के रांची गेट के पास रोका गया था। इसी दौरान तेज बारिश शुरू हो गई। आरोप है कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने बांस-बल्लियों से बनाई गई बैरिकेडिंग को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को सिद्धू-कान्हू मोड़ के पास रोका गया। पुलिस द्वारा कुछ प्रदर्शनकारियों को सरकारी वाहन से ले जाने के दौरान कुछ लोगों पर वाहन रोकने के लिए उसपर चढ़ने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और पुलिस के काम में बाधा डाली। करीब आधे घंटे बाद बाकी प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए वहां से चले गए। सोमवार को मुख्यमंत्री आवास घेराव के दौरान भाजपा के करीब 102 नेताओं और कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया था। हालांकि बाद में सभी को पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया। पुलिस के अनुसार, भाजपा नेताओं के खिलाफ फिलहाल प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। पूरे मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारवाड़ी कॉलेज में शुरू हुआ 'वंदे मातरम् राष्ट्रगीत गाना अभियान'

रांची : मारवाड़ी कॉलेज व समादेशी पदाधिकारी, 3 झारखंड बटालियन एनसीसी के निदेर्शानुसार बुधवार को मारवाड़ी कॉलेज में एनसीसी कंपनी की ओर से परिसर में 'वंदे मातरम् राष्ट्रगीत गाना अभियान' की शुरूआत की गई। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय भावना को बढ़ावा देना है। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ। अवध बिहारी महतो की अगुवाई में शुरू हुआ यह अभियान 14 अगस्त तक चलेगा।कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ। मनोज कुमार ने सभी एनसीसी कैडेटों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करता है। यह पूरे राष्ट्र को एकजुट करने की पहल है और इसे सफल बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी मिलकर इस मिशन को सफल बनाएंगे। इस अवसर पर वरीय सहायक प्राध्यापक डॉ। शहाबुद्दीन और डॉ। उमेश कुमार ने भी राष्ट्र के प्रति समर्पित इस कार्यक्रम के लिए कैडेटों को शुभकामनाएं दीं। लेफ्टिनेंट डॉ। अवध बिहारी महतो ने कैडेटों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राष्ट्रगीत का गायन राष्ट्र के सम्मान का प्रतीक है। यह राष्ट्र की एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करता है तथा लोगों को एकजुट करने का काम करता है। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रगीत गाया या सुना जाए तो उसका सम्मान किया जाना चाहिए। राष्ट्रगीत का सम्मान राष्ट्र के सम्मान से जुड़ा है। अभियान को सफल बनाने में सीनियर कैडेट अमित कुमार सिंह, कुमार शानू, विशाल कुमार, सूरज मरांडी, कैडेट अंजली तिग्गा, गुलाब कुमार, रोहित एक्का, दिव्या कुमारी, सत्यम कुमार पाण्डेय, लक्षिता कश्यप, श्रीशा मनु, मनीता उरांव, रिया कुमारी, पंकज तिर्की, अमित कुमार सहित अन्य कैडेटों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना, तालाबंदी जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : पूर्व छात्र नेता संजय पासवान ने जेजे कॉलेज में चल रहे अनिश्चितकालीन धरना के समर्थन में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जेजे कॉलेज समेत जिलेभर के डिग्री कॉलेज को गिरिडीह से जोड़ना छात्र विरोधी और अव्यवहारिक निर्णय है। सरकार को अविलम्ब निर्णय वापस लेनी चाहिए। वहीं उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन को मजबूत बनाने में राजनीतिक भावना से ऊपर उठकर कोडरमा के स्वाभिमान की रक्षा के लिए हर नागरिकों को आगे आने की जरूरत है। धरना को किसान मजदूर नेता असीम सरकार ने भी संबोधित किया और छात्रों के संघर्ष को धारदार बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा छात्रों को आंदोलन से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने

कहा कि सरकार का विश्वविद्यालय बदलने की नीति बिना भौतिक निरीक्षण के लिया गया निर्णय है। उन्होंने कहा कि कोडरमा से गिरिडीह जाना छात्रों के लिए मुसीबत बन जाएगी।साथ ही छात्रों को ज्यादा पैसा भी खर्च करना पड़ेगा। इसका असर सबसे ज्यादा गरीब छात्रों पर पड़ेगा। धरना को जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति के राम रतन अवध्या, सईद नसीम, प्रकाश रजक, तौफीक हुसैन, विजय यादव, रवि पासवान समेत छात्र-छात्राओं ने संबोधित करते हुए कोडरमा के छात्र धरना दे रहें है, तालाबंदी कर रहें है,सरकार और जनप्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि छात्रों के सवाल और कोडरमा के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ के खिलाफ राजनीति को दरकिनार कर जेजे कॉलेज बचाने की पहल करें। समिति के अध्यक्ष महेश भारती एवं सचिव देवेंन्द्र कुमार ने बताया कि शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन चल रहा है। तालाबंदी से शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्य पूर्ण रूप से ठप रहा। उन्होंने कहा कि तीन दिनों के अनिश्चितकालीन धरना के बाद प्रशासन व सरकार से कोई संवाद स्थापित नही हुई है।आंदोलन को फिलहाल 15 अगस्त तक के लिए शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा। वहीं दूसरे चरण में उग्र आंदोलन के तहत भूख हड़ताल और सड़क जाम जैसे कार्यक्रम होंगे। मौके परसृष्टि कुमारी, कल्याणी कुमारी, काजल कुमारी, साक्षी कुमारी, ऋषिका राज, राधिका कुमारी, रुपाली कुमारी, मंजू कुमारी, ममता कुमारी, राखी कुमारी, संजना कुमारी, सपना कुमारी, ममता कुमारी, गजल परवीन, ललिता कुमारी, किरण कुमारी, आशु कुमारी, सोनी कुमारी रजक, बजरंगी देवी, शिवा, अरमान भारती और सोनू कुमार समेत दर्जनों छात्र मौजूद थे।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में डेढ़ साल के बच्चे की मौत

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केतरुसिंघा में एक चार पहिया वाहन के चपेट में आने से एक डेढ़ साल मासूम बच्चे की जान चली गई। उक्त्त बच्चे की पहचान रंजीत यादव का डेढ़ वर्षीय पुत्र ऋषभ यादव के रूप में हुई। मिली जानकारी अनुसार मृतक ऋषभ अपने घर के पास ही खेल रहा था। इसी दौरान गांव के ही भाजपा युवा नेता अर्जुन यादव अपने चार पहिया नेक्सोन वाहन जेएच 04 एक्स 4244 को अपने घर से लेकर निकला और वाहन को पीछे करने लगे। गाड़ी पीछे करने के दौरान खेल रहे ऋषभ के माथा पर चढ़ गया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। वही बच्चे को घायल देख अर्जुन यादव ने आनन फानन में बच्चा को लेकर कोडरमा सदर अस्पताल ले गया। जहां उपस्थित डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मरकच्चो थाना पुलिस एसआई गोविंद सिंह एवं एएसआई प्रमोद कुमार अपने दल बल के साथ पहुंचे लेकिन ग्रामीणों के द्वारा बच्चे का शव को पुलिस को नहीं ले जाने दिए। वही खबर लिखे जाने तक बच्चा का शव पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजा गया है। वही इस घटना की जानकारी देते हुए मृतक की नानी ने बताया कि हमने अर्जुन यादव को आवाज लगाई लेकिन गाड़ी का शीशा लॉक होने के वजह से उसने नहीं सुना मेरे नाती के ऊपर गाड़ी चढ़ा दिया।

लैपटॉप चोरी मामले में डिलीवरी बॉय गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम थाना पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल से लैपटॉप चोरी के करीब साढ़े चार महीने पुराने मामले का उद्भेदन करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित की निशानदेही पर उसके घर से चोरी किया गया डेल कंपनी का लैपटॉप भी बरामद कर लिया है। आरोपित की पहचान मानगो गुरुद्वारा रोड, शिव मंदिर के पास रहने वाले करीब 30 वर्षीय पवन कुमार, पिता कमला कांत मिश्रा के रूप में हुई है। पटमदा डीएसपी दयानंद कुमार ने बुधवार को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल से लैपटॉप चोरी होने की शिकायत पर सर्वेश मीणा ने 7 अप्रैल 2026 को एमजीएम थाना में कांड संख्या 48/2026 दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि हॉस्टल के कमरे से अज्ञात व्यक्ति ने लैपटॉप चोरी कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम के निर्देश पर एमजीएम थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक सचिन कुमार दास के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मानवीय सूचना के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को चोरी में पवन कुमार की संलिप्तता के संबंध में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने 11 अगस्त को मानगो स्थित पवन कुमार के आवास पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपी ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर घर में रखी गोदरेज अलमारी की तलाशी ली गई, जहां से डेल कंपनी का चोरी किया गया लैपटॉप बरामद हुआ।

मारवाड़ी युवा मंच ने मनाया 'जीवन दाता वंदन उत्सव', भावुक हुए माता-पिता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : स्थानीय मारवाड़ी युवा मंच, झुमरीतिलैया शाखा द्वारा शहर में एक अत्यंत भावपूर्ण और प्रेरणादायक कार्यक्रम मातृ-पितृ चरण वंदनः जीवन दाता वंदन उत्सव का सफल आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन के तहत मंच के सदस्यों ने घर-घर जाकर अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट की।

घर-घर गूंजा सेवा का संकल्प कार्यक्रम के दौरान मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक-दूसरे के घर दस्तक दी। सदस्यों ने पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ अपने पूजनीय माता-पिता के चरणों को धोकर (चरण प्रक्षालन) उनका आशीर्वाद लिया। इस भावुक पल को हमेशा के लिए जीवंत रखने के लिए माता-पिता के हाथों की छाप को मंच द्वारा दिए गए विशेष कागज पर सहेज कर रखा गया।

कार्यक्रम की सफलता पर बात करते हुए मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर उन माता-पिता को समय नहीं दे पाते, जिन्होंने हमें यह जीवन दिया है। हमें यह समझने की जरूरत है कि यदि हम अपने घर को ही तीरथ बना लें, तो बाहर जाने की कोई जरूरत ही नहीं है। अगर हर बच्चा घर में ही माता-पिता की निश्छल सेवा करने का संकल्प ले ले, तो समाज से वृद्धाश्रम का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा।वहीं, मंच के सचिव अतुल खेतान और कोषाध्यक्ष महावीर खेतान ने संयुक्त रूप से कहा, इस घर-घर जाकर किए गए आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को माता-पिता के त्याग और अटूट समर्पण का अहसास कराना है। हम चाहते हैं कि आज के बच्चे अपने माता-पिता की भावनाओं को गहराई से समझें और उन्हें वही निश्छल प्रेम व सम्मान दें, जिसके वे हकदार हैं। नई पीढ़ी को दी प्रेरणा इस आयोजन की पूरे समाज में सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी में नैतिक मूल्यों का विकास होता है और वे अपने संस्कारों से जुड़ते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में झुमरीतिलैया शाखा के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष प्रतीक संघई, शिवेश पच्चीसिया, अरविंद चौधरी, चंद्रशेखर जोशी और आन्य कई सदस्य मौजूद थे।

युवा दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

युवा सशक्त तो भारत सशक्त होगा : गौतम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वाधान में बुधवार को गडगी, तेतरान और मधवाटाड पंचायत भवन में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि अगर देश के युवा सशक्त होंगे तो भारत सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि यदि युवा शिक्षित और संस्कारी होंगे तो घर समाज एवं देश सशक्त होगा। उन्होंने युवाओं एवं नाबालिक को नशीले पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभावों तथा इसे संबंधित कानून की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे के कारण अपराध बढ़ती है, घर टूटता है । इससे बचने की जरूरत है।

नशा आज समाज की सबसे बड़ी सामाजिक बुराइयों में से एक बन चुका है। उन्होंने बताया कि नशे के कारण अपराध, घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटनाएं और आर्थिक तंगी बढ़ रही है। विशेष रूप से युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है। जो उनके भविष्य और करियर को अंधकार में धकेल रही है। वही नशे के सेवन से व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है और सही गलत के बीच फर्क का पता नहीं चलता है। नशा से पूरा परिवार बिखर जाता है इससे सामाजिक आर्थिक और मानसिक क्षति होती है। कोई अधिवक्ता राजेंद्र मंडल मंडल ने आईटी एक्ट से संबंधित जानकारी दी । अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने भी कई कानून एवं युवाओं को कैसे सशक्त बनाया जाए इस पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मौके पर अधिवक्ता ललन चौधरी, गढ़की पंचायत की मुखिया, पीएलवी केलवे दर्जन ऑन महिला पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर मृतक के पत्नी को मृत्यु प्रमाण पत्र दिया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/ कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वाधान में प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा गौतम कुमार के नेतृत्व में तथा पीएलवी डोमचांच प्रखंड सुब्रत कुमार मुखर्जी के देखरेख में दिन बुधवार को विधिक जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजित कर मृत्यु प्रमाण पत्र दिया गया गया। विधिक जागरूकता शिविर कार्यक्रम में दीपाली चक्रवर्ती उम्र- 66 वर्ष पति- सपन चक्रवर्ती, स्थान- शिवसागर ,वार्ड संख्या- 05, पोस्ट- डोमचांच, जिला- कोडरमा निवासी को उनके मृतक पति सपन चक्रवर्ती की मृत्यु के उपरांत जन्म मृत्यु अधिनियम 2024 के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र पीएलवी सुब्रत कुमार मुखर्जी के हाथों से दिया गया। बता दे की शिवसागर निवासी सपन चक्रवर्ती उम्र-71 वर्ष पिता- स्व. गोपेश्वर चक्रवर्ती स्थान- शिवसागर, वार्ड संख्या-05, पोस्ट- डोमचांच, प्रखंड- डोमचांच, जिला- कोडरमा की आकस्मिक मृत्यु उनके निवास स्थान शिवसागर में दिनांक- 24.07.2026 दिन शुक्रवार रात्रि 1:00 बजे हो गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही डोमचांच प्रखंड में कार्यरत पीएलवी सुब्रत कुमार मुखर्जी के द्वारा उनके निवास स्थान में जाकर मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदन व सारी कागजी प्रक्रिया पूरा कराकर डोमचांच नगर पंचायत कार्यालय में जमा कराया गया था। आज उसी के तहत विधिक जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजित कर मृत्यु प्रमाण पत्र दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा की और से इस कार्य की खूब सहराहना की गई।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय में योग्य शिक्षकों की कमी, शीघ्र शिक्षक व्यवस्था की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा सदर प्रखंड अंतर्गत पंचायत चाराडीह के उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुत्तो, चाराडीह में मध्य विद्यालय स्तर के योग्य एवं विषयवार शिक्षकों की कमी का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्राम पूतो निवासी प्रकाश यादव ने प्रखंड एवं जिला शिक्षा विभाग के संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन देकर विद्यालय में आवश्यक शिक्षकों की पदस्थापना अथवा वैकल्पिक शिक्षक व्यवस्था शीघ्र कराने की मांग की है।

प्रकाश यादव के अनुसार, विद्यालय में लगभग 109 विद्यार्थी नामांकित हैं। इनमें कक्षा 7 में लगभग 16 तथा कक्षा 8 में लगभग 23 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यालय में कक्षा 6 से 8 तक की पढ़ाई संचालित होने के बावजूद मध्य विद्यालय स्तर के विषयों के अनुरूप पर्याप्त एवं योग्य शिक्षकों की उपलब्धता नहीं होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है।

आवेदन में बताया गया है कि वर्तमान में विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों में श्रीमती कमला कुमारी, श्रीमती शशिकला, श्रीमती सुनीता कुमारी एवं कुमारी रेणू शामिल हैं, जिनकी नियुक्ति/कार्य व्यवस्था प्राथमिक स्तर से संबंधित बताई गई है। वहीं पूर्व में कार्यरत श्री अशोक कुमार के सरकारी शिक्षक के रूप में चयन के बाद अन्य विद्यालय में योगदान देने तथा श्री सरजू कुमार दास के सेवानिवृत्त होने के कारण विद्यालय में शिक्षकों की उपलब्धता और कम हुई है।

प्रकाश यादव ने कहा कि कक्षा 6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं विषयवार शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए मध्य विद्यालय स्तर के प्रशिक्षित एवं योग्य शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने शिक्षा विभाग से विद्यालय की वर्तमान शिक्षक व्यवस्था की स्थलीय जांच कराने तथा नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर शिक्षक-छात्र अनुपात और स्वीकृत पदों की समीक्षा करने की मांग की है।

उन्होंने मांग की है कि विद्यालय में आवश्यक विषय शिक्षकों की पदस्थापना/प्रतिनियोजन शीघ्र किया जाए। जब तक स्थायी व्यवस्था नहीं होती, तब तक विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक शिक्षक व्यवस्था की जाए।

ग्रिजली विद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस पर ज्ञान, पठन और रचनात्मकता का उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में 12 अगस्त को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि विकसित करना, नियमित पठन की आदत को प्रोत्साहित करना तथा पुस्तकालय को ज्ञान, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास के केंद्र के रूप में स्थापित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी द्वारा भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय की पुस्तकालयाध्यक्ष नंदिनी कपूर ने स्वागत संबोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकों से मित्रता करने तथा नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा एक आकर्षक भूमिका-निवर्तन (रोल प्ले) प्रस्तुत किया गया, जिसमें विभिन्न पुस्तकालय संसाधनों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया। छात्र मन्यु अग्रवाल ने शब्दकोश, छात्र अवनीश

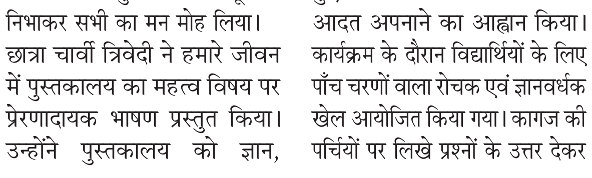

कुमार ने जीवनी, छात्रा एंजेल श्री ने समाचार पत्र तथा छात्रा तुष्टि मोदी ने कहानी की पुस्तक की भूमिका निभाकर सभी का मन मोह लिया।

छात्रा चार्वी त्रिवेदी ने हमारे जीवन में पुस्तकालय का महत्व विषय पर प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने पुस्तकालय को ज्ञान, संस्कार, रचनात्मकता एवं व्यक्तित्व विकास का केंद्र बताते हुए विद्यार्थियों से नियमित पठन की आदत अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए पाँच चरणों वाला रोचक एवं ज्ञानवर्धक खेल आयोजित किया गया। कागज की पर्चियों पर लिखे प्रश्नों के उत्तर देकर विद्यार्थियों ने अपनी ज्ञानवर्धक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस गतिविधि ने कार्यक्रम में उत्साह एवं जिज्ञासा का वातावरण बनाए रखा।

इसके उपरांत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुरस्कार प्रदान किए गए। नियमित पुस्तकालय उपयोग, अनुशासन एवं अध्ययन के प्रति समर्पण के लिए तनिषा नस्कर, आर्यन विश्वकर्मा एवं ससांगलिपि सोरेन को सम्मानित किया गया। पुरस्कार विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी द्वारा प्रदान किए गए।

इस अवसर पर सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने संयुक्त रूप से कहा कि पुस्तकालय किसी भी विद्यालय का बौद्धिक केंद्र होता है। विद्यार्थियों में नियमित पठन की आदत विकसित करना उनके शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनकी कल्पनाशक्ति, रचनात्मक सोच, भाषा कौशल एवं व्यक्तित्व निर्माण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से डिजिटल माध्यमों के संतुलित उपयोग के साथ पुस्तकों को अपना सच्चा मित्र बनाने का आह्वान किया तथा कहा कि अच्छी पुस्तकें जीवन में सही दिशा, ज्ञान एवं प्रेरणा प्रदान करती हैं।

संक्षिप्त खबरें

परसपानी होम्योपैथिक कॉलेज के पांच पदाधिकारियों का होगा अवधि विस्तार : डॉ. इरफान अंसारी

गोड्डा : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, परसपानी की शैक्षणिक और चिकित्सकीय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कॉलेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित नहीं होने दी जाएगी। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में परसपानी होम्योपैथिक कॉलेज में कार्यरत पांच शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदाधिकारियों की सेवा अवधि बढ़ाई जाएगी। मंत्री ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कॉलेज प्रशासन ने विभाग को पत्र भेजकर संस्थान में कार्यरत पांच पदाधिकारियों की सेवा निरंतरता और अनुबंध अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया है। इन पदाधिकारियों का अनुबंध 29 अगस्त 2026 को समाप्त होने वाला है। अनुबंध अवधि बढ़ाए जाने वाले पदाधिकारियों में डॉ. राजीव रंजन (प्रवाचक), डॉ. अभिषेक कुमार गोलू और डॉ. सुषमा हांसदा (होम्योपैथिक चिकित्सा पदाधिकारी) तथा डॉ. मुकेश कुमार और डॉ. हेमलता हेम्ब्रम (अवासी चिकित्सा पदाधिकारी) शामिल हैं। इरफान अंसारी ने कहा कि परसपानी होम्योपैथिक कॉलेज संताल परगना के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान है। विद्यार्थियों के भविष्य से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुभवी मानव संसाधन की निरंतर उपलब्धता संस्थान के सुचारू संचालन और विद्यार्थियों के नियमित पठन-पाठन के लिए आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों और चिकित्सकीय पदाधिकारियों की कमी का सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पड़ता है। इसलिए संस्थान में आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने कहा कि जल्द ही वह स्वयं परसपानी होम्योपैथिक कॉलेज का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान शिक्षण व्यवस्था, चिकित्सकीय सेवाओं, मानव संसाधन, आधारभूत सुविधाओं और विद्यार्थियों की समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली जाएगी। निरीक्षण के बाद संस्थान में मौजूद कमियों को चिह्नित कर उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक ठोस कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि कॉलेज में विद्यार्थियों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले तथा अस्पताल में मरीजों को बेहतर चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हों।

स्वस्थ युवा ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव : डॉ जगन्नाथ

पश्चिमी सिंहभूम : अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महिला कॉलेज, चाईबासा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से बुधवार को स्वास्थ्य जागरूकता सत्र और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि और नेशनल ट्रेनर डॉ जगन्नाथ हेम्ब्रम ने कहा कि स्वस्थ रहने का अर्थ केवल बीमारियों से मुक्त रहना नहीं है, बल्कि व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ होना भी जरूरी है। उन्होंने छात्राओं से अपनी दैनिक जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की अपील की। डॉ जगन्नाथ हेम्ब्रम ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि पढ़ाई, पारिवारिक परिस्थितियों और अन्य कारणों से उत्पन्न तनाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर अपनी परेशानियों को साझा करना, पर्याप्त नींद लेना, संतुलित आहार लेना और नियमित शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल करना मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में सदर अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ शिवचरण हांसदा ने भी छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए दैनिक दिनचर्या में सुधार आवश्यक है। उन्होंने कम उम्र में विवाह से उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों और नशे की लत के गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति छात्राओं को सचेत किया। इससे पूर्व महाविद्यालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई। कार्यक्रम में डॉ सुचिता बाड़ा, डॉ ललिता सुंडी, सोनमई सुंडी, सितेंद्र रंजन सिंह, मदन मोहन मिश्रा सहित अन्य प्राध्यापक और छात्राएं मौजूद थीं।

राशन वितरण में धीमी प्रगति पर उपायुक्त नाराज डुप्लीकेट लाभुकों को इसी माह हटाने का आदेश

पूर्वी सिंहभूम : उपायुक्त कार्यालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त राजीव रंजन की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, पीवीटीजी परिवारों को खाद्यान्न वितरण सहित राशन कार्ड से जुड़े विभिन्न मामलों की समीक्षा की गई। राशन वितरण और राशन कार्ड के अपात्र और डुप्लीकेट लाभुकों के नाम हटाने की कार्रवाई में धीमी प्रगति पर उपायुक्त ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्य तय समयसीमा में पूरे किए जाएं। समीक्षा के दौरान सामने आया कि राशन कार्ड में दर्ज 63 डुप्लीकेट लाभुकों के नाम हटाने की कार्रवाई में पिछले माह से अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है। इस पर उपायुक्त ने नाराजगी जताते हुए शहरी क्षेत्र के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि डुप्लीकेट लाभुकों के नाम राशन कार्ड से हटाने की प्रक्रिया इसी माह हर हाल में पूरी की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राशन कार्ड में अपात्र लोगों के नाम बने रहने से पात्र लाभुकों को सरकारी खाद्यान्न योजना का लाभ प्रभावित नहीं होना चाहिए। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि यदि किसी राशन कार्ड में आयकर देने वाले व्यक्ति का नाम पाया जाता है तो नियमानुसार पूरे परिवार का नाम राशन कार्ड से हटाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने राशन कार्ड में नाम जोड़ने, संशोधन करने या कार्ड को सक्रिय करने से संबंधित लंबित आवेदनों का निष्पादन भी एक सप्ताह के भीतर करने का आदेश दिया। बैठक में अगस्त माह के राशन वितरण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि डाकिया योजना के लाभुकों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा चुका है, लेकिन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अन्य लाभुकों के बीच अब तक केवल करीब चार प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण हुआ है। इतनी धीमी प्रगति पर उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को राशन वितरण में तेजी लाने और निर्धारित समय पर लाभुकों तक खाद्यान्न पहुंचाने का निर्देश दिया। खाद्यान्न की डोर स्टेप डिलीवरी में भी अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उपायुक्त ने संबंधित परिवहनकर्ताओं को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि गोदाम से जनवितरण प्रणाली दुकानदारों तक एक सप्ताह के भीतर खाद्यान्न पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

एक नजर

कीचड़ जलजमाव और टूटी सड़क से ग्रामीण परेशान

चलकुशा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सेवाटांड पंचायत के पलमा गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। पंचायत भवन से मुस्लिम टोला होते हुए रागडीह स्कूल तक जाने वाली सड़क बदहाली की मिसाल बन गई है। बरसात आते ही यहां सड़क नहीं, दलदल दिखता है। गाड़ियां कीचड़ में फंस जाती हैं और स्कूली बच्चों को रोज जूते हाथ में लेकर निकलना पड़ता है। पैदल चलना भी अब जोखिम बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लोग अपने दरवाजे के सामने मिट्टी डालकर अतिक्रमण कर लेते हैं। इससे पानी की निकासी रुक जाती है और जलजमाव और बढ़ जाता है। जिससे सड़क भी पतली हो गई है बीस सूत्री अध्यक्ष सलीम अंसारी के मुताबिक इस समस्या को कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाया गया, पर नतीजा अब तक शून्य है। उन्होंने कहा, आजादी के 80 साल बाद भी हमारे इस मुहल्ले को पक्की सड़क नसीब नहीं हुई। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि जल्द सड़क बने और पानी निकासी की व्यवस्था हो, ताकि बच्चों और आम लोगों को राहत मिले। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से तुरंत मरम्मत शुरू कराने की गुहार लगाई है।

ट्रक के टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

बरही : बुधवार को बरही हजारीबाग रोड़ पर एक 407 ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप घायल हो गया। ग्रामीणों एवं बरही पुलिस प्रशासन के सहयोग से आनन फानन में इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक किसी काम से हजारीबाग से बरही की ओर आ रहा था इसी दौरान यह घटना घटी।घायल युवक की पहचान हजारीबाग के दीपुगढा निवासी अशोक सोनी के 35 वर्षीय पुत्र रोबिन कुमार के रूप में हुई।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व एवं विभिन्न परियोजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन एवं 15 अगस्त से पहले भूमि जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में राजस्व विभाग, भू-अर्जन, एनटीपीसी, एनएच सहित विभिन्न परियोजनाओं एवं आधारभूत संरचनाओं से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह, केरेडारी एवं चट्टी बरियातू कोल परियोजनाओं से संबंधित भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान, पंचायत भवन डिमोलिश की स्वीकृति, म्यूटेशन, जांच प्रतिवेदन एवं मेजरमेंट सहित विभिन्न मामलों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं एवं आधारभूत संरचनाओं से संबंधित भूमि जांच प्रतिवेदन, एफआरए, वंशावली, वैल्युएशन, स्कूल शिफ्टिंग तथा नर्सिंग कॉलेज निर्माण के लिए भूमि चिह्नित कर भूमि हस्तांतरण सहित अन्य समस्याओं को परियोजना प्रतिनिधियों द्वारा उपायुक्त के समक्ष रखा गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को 15 अगस्त से पूर्व क्षेत्र भ्रमण कर भूमि से संबंधित जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान पीजी पोर्टल, भू-मापी, म्यूटेशन, दाखिल-खारिज, सो-मोटो म्यूटेशन, ई-रिवेन्यू कोर्ट, आरसीएमएस ऑनलाइन रिपोर्ट, ऑनलाइन लगान, परिशोधन पोर्टल सहित अन्य राजस्व संबंधी मामलों की प्रगति की जानकारी ली गई।

उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को एलपीसी निर्गत करने में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अंचलाधिकारी को शीघ्र ही एलपीसी निर्गत करने के लिये नए एलपीसी फॉर्म उपलब्ध कराई जाएगी। फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियां स्पष्ट, तथ्यात्मक एवं निष्पक्ष रूप से दर्ज करेंगे। उपायुक्त ने सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के मामलों की समीक्षा करते हुए सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने म्यूटेशन एवं रिजेक्टेड मामलों की भी समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। बैठक में उपायुक्त हेमन्त सती के अलावा उप विकास आयुक्त रिया सिंह, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव, भू-अर्जन पदाधिकारी सह डीसीएलआर राजकिशोर प्रसाद, बरही एसडीओ जोहन टुडू, सभी अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक, कर्मचारी, विभिन्न परियोजनाओं के प्रतिनिधि एवं संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा में डॉ. रागिनी सिंकु ने संभाला प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी का पदभार

पटमदा : पटमदा प्रखंड में मॉडल पशु अस्पताल में प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ रागीनी सिंकु ने बुधवार को पदभार संभाला। पशुपालन विभाग के झारखंड प्रदेश एआई कर्मचारी संघ के द्वारा राधा कृष्ण का चित्र सप्रेम भेंट किया।इस दौरान पदभार ग्रहण करने पर पशुपालन विभाग के झारखंड प्रदेश एआई कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री किशोर कुमार तिवारी, मोतीलाल मुंडा, जय सिंह, पंचानन प्रामाणिक, साधन महतो, शक्ति पद महतो, मिथिलेश तिवारी, पन्नालाल महतो, स्वपन महतो, अंकुर महतो,सृष्टिधर महतो, आकाश आदि उपस्थित थे।

अस्पताल के विस्तर में मेरा शरीर है , मेरी आत्मा और संघर्ष का संकल्प आंदोलन स्थल में है : देवेन्द्र

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती अभियान के तहत जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम, रांची में जारी अनिश्चितकालीन सत्याग्रह के बीच आंदोलनकारी छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो इन दिनों सदर अस्पताल, रांची में उपचाररत हैं। इसके बावजूद उनका संघर्ष और संकल्प लगातार जारी है। अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के 11वें दिन सदर अस्पताल में उपचाररत देवेन्द्र नाथ महतो ने सत्याग्रह स्थल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम जाने की अनुमति प्रदान करने के लिए सदर अस्पताल के सिविल सर्जन महोदय को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि मेरा शरीर अस्पताल के बिस्तर पर उपचाररत है, लेकिन मेरी आत्मा और मेरा संकल्प उस सत्याग्रह स्थल पर है, जहां झारखंड के छात्र और युवा अपने भविष्य, अधिकार और न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

कुंदा में 4.47 करोड़ की सड़क निर्माण योजना पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने लगाया अनियमितता का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा जिले के कुंदा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गेंदरा मुख्य सड़क से उपेंद्र गंझु के घर तक बन रहे पथ निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरते जाने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि घटिया निर्माण एवं अधूरे कार्य के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पथ पर पुल निर्माण के बाद उसके दोनों छोर पर पर्याप्त मात्रा में मिट्टी की भराई नहीं की गई है। मिट्टी कम भरने के कारण पुल के दोनों तरफ गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। वहीं, सड़क निर्माण कार्य भी अभी तक पूरा नहीं हुआ है। अधूरे निर्माण के कारण जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। बरसात के मौसम में समस्या और गंभीर हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर वाहनों का परिचालन मुश्किल हो गया है और फिसलन के कारण राहगीरों के गिरने की घटनाएं भी हो रही हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संवेदक द्वारा निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण नहीं किए जाने की बात भी कही गई है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की जांच कराने, गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग की है। बताया गया कि उक्त पथ का निर्माण ग्रामीण विकास विभाग की ओर से लगभग 4 करोड़ 47 लाख रुपये की लागत से संवेदक अंगार निर्माण कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है। वहीं, इस संबंध में संवेदक ने कहा कि पुल के दोनों छोर पर जल्द ही मिट्टी भराई का कार्य करा दिया जाएगा।

ई० प्रोक्यूरमेंट सेल, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा
Email Id :- eengbcdsimdega@gmail.com

अल्पकालिन ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेंस नं0– 10/2026-27/EE/BCD/BD,SIMDEGA. दिनांक–10-08-2026

1.	कार्य का नाम	2. प्राक्कलित राशि (रू0)	3. कार्य पूर्ण करने की अवधि
(i)	Construction of 6 Nos Cell at Mandal Kara, Simdega in district Jail, Simdega.	56,66,200.00	09 (Nine) Months

4.	वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि	31.08.2026 को 11:00 बजे
5.	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	07.09.2026 को दोपहर 11:00 बजे तक
6.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा–835223
7.	निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान	08.09.2026 के अपराह्न 11:30 बजे तक अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, अंचल संख्या – 2, राँची।
8.	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	86748–35234
9.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	86748–35234

10. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
11. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03-10-2023 के द्वारा निर्गत **SOP** (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06-10-2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा **SOP** के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खातों को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।
13. अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note :- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।

PR.NO.387301 Simdega(26-27):D

हेहल पहाड़टोली में धूमधाम से मनाया गया सखुआ महोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम के वार्ड नंबर 34 स्थित हेहल पहाड़टोली में प्रकृति, संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सखुआ महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, युवा एवं स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दैनिक जागरण के संपादक शशि शेखर जी रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार, असिस्टेंट म्युनिसिपल कमिश्नर सूरज प्रकाश सिंह चौधरी, असिस्टेंट इंजीनियर सौरभ कुमार, स्वच्छता शाखा रांची नगर निगम के स्वच्छता अधीक्षक राणा रौशनसिंह, शंकर कुमार सिंह, जयश्याम मिश्रा, वार्ड नंबर 34 के पार्षद अजीत कच्छप, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, भाजपा पंडरा मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, अक्षांश तिर्की, अभिक तिर्की, सुधीर तिर्की, प्रेम प्रकाश तिर्की, दिनेश तिर्की, महादेव टोप्पो, सुचित तिर्की, रंजीत तिर्की, आकाश तिर्की, सविता बेक, झिबरा बेक, ममता कच्छप, दुलारी देवी, राजमनी देवी, लक्ष्मी देवी, ममता देवी, गीता भगत, सतीश सिंह, हरेंद्र सिंह, पंकज कच्छप, कलावती कच्छप, सरस्वती कच्छप, सुशीला तिर्की, शीला तिर्की, कांगी तिर्की आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर काफी संख्या मे सखुआ वृक्ष लगाए गए और और सखुआ वृक्ष के महत्व और उसके संरक्षण पर विशेष रूप से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि सखुआ केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि झारखंड की प्रकृति,संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। वार्ड पार्षद अजीत कच्छप ने कहा कि सखुआ महोत्सव का उद्देश्य केवल पौधारोपण करना नहीं,बल्कि लोगों को पेड़-पौधों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा लगाने के साथ उसकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर झारखंड छात्र न्याय सत्याग्रह में सूर्या ने किया अनशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : रांची में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज के विरोध में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर बुधवार को पलामू कचहरी परिसर में झारखंड छात्र न्याय सत्याग्रह-लाठी का जवाब लोकतंत्र से के तहत एक दिवसीय धरना एवं सत्याग्रह किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री कमलेश सिंह के बेटे सूर्या सोनल सिंह छात्रों के समर्थन में एक दिवसीय अनशन पर बैठे। अनशन में शामिल सूर्या सोनल सिंह सहित छात्रों, युवाओं, अभिभावकों और उपस्थित समर्थकों ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। मौके पर सूर्या सोनल ने कहा कि 10 अगस्त को रांची में अपने अधिकार और भविष्य से जुड़े सवालों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। छात्रों की मांगों का समाधान संवाद के माध्यम से होना चाहिए, लाठी और बल प्रयोग के माध्यम से नहीं। उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस है। पूरी दुनिया में आज युवाओं की भूमिका, उनके अधिकार और उनके भविष्य की बात हो रही है। ऐसे दिन झारखंड के युवाओं को अपनी जायज मांगों के लिए आवाज उठानी पड़ रही है। यह सरकार और समाज दोनों के लिए सोचने का विषय है। सूर्या सोनल ने 10 अगस्त की घटना की निष्पक्ष जांच, दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई और घायल छात्रों को उचित मुआवजा और चिकित्सा सहायता देने की मांग की।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

ई० अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :*RDSD/RAMGARH/15/2026-27*

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–DMFT मद अन्तर्गत।

क्र	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	RDSD/RGH/15/ 2026-27	MANDU	Construction of New Bridge over Local Nalla Connection Bongabar (Ward No.-02) and Old NH-33 Under mandu in Ramgarh District.	23415600	469000	10000	12 (बारह माह)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 21.08.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 21.08.2026 से 29.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 01.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :– 7488152930
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट ***Jharkhandtenders.gov.in*** एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,रामगढ़

PR 387328 Rural Work Department(26-27).D

सिल्ली में 17 अगस्त से शुरू होगा 12 दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण

सिल्ली : रूडसेट संस्थान सिल्ली में आगामी 17 अगस्त, सोमवार से 12 दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में बकरी पालन की सम्पूर्ण जानकारी,उन्नत नस्लों की पहचान,रोग नियंत्रण एवं टीकाकरण,बाजार एवं व्यवसाय प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क होगा। प्रशिक्षणार्थियों के लिए रहना और खाना की व्यवस्था भी संस्थान द्वारा मुफ्त की जाएगी। कार्यक्रम पूरा होने पर प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। नामांकन की अंतिम तिथि 15 अगस्त दिन शनिवार। इच्छुक युवा निर्धारित तिथि तक संस्थान कार्यालय में संपर्क कर अपना नामांकन करा सकते हैं।

गढ़वा के युवक ने गुजरात में की खुदकुशी , क्रेन से लटका मिला शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : गढ़वा के युवक ने गुजरात के अहमदाबाद में एसजी हाईवे पर निरमा यूनिवर्सिटी के सामने निमार्णाधीन ट्रेमोंट एडलिप बिल्डिंग में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। निमार्णाधीन बिल्डिंग की 32वीं मंजिल पर क्रेन से लटका हुआ शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले शव देखा। युवक की पहचान गढ़वा निवासी युवक प्रीतम सिंह (22) के रूप में हुई है। घटना के बाद निर्माण स्थल पर हड़कंप मच गया। बताया गया कि युवक का शव देर रात से बुधवार सुबह तक 32 वीं मंजिल पर क्रेन से लटका रहा। आसपास के लोगों के अनुसार, सुबह करीब 08 बजे जब वे मौके पर पहुंचे, तब भी शव ऊपर लटका हुआ था। सूचना मिलने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा गया। प्रीतम सिंह पिछले कई साल से इसी निर्माण स्थल पर क्रेन ऑपरेटर का काम कर रहा था। मंगलवार देर रात किसी समय उसने क्रेन से लटककर खुदकुशी कर ली। सुबह लोगों की नजर शव पर पड़ी तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सोला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। निमार्णाधीन बिल्डिंग की 32वीं मंजिल पर शव लटका होने के कारण उसे नीचे उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने शव को नीचे उतारने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। सोला पुलिस स्टेशन के पीआई केएन भूकन ने बताया कि एक व्यक्ति का शव लटका होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। उन्होंने कहा कि युवक ने खुदकुशी क्यों की, इसकी जानकारी जांच के बाद सामने आएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। पुलिस उसके परिचितों और अन्य लोगों से पूछताछ कर खुदकुशी के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। घटना की जानकारी गढ़वा स्थित उसके परिजनों तक भी पहुंचाई जा रही है। हादसे के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद, खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
संख्या – 06/2026–27

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक 20.08.2026 (अपराह्न 01:00 बजे तक)
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि : दिनांक 21.08.2026 को (अपराह्न 03:00 बजे तक)
4. निविदा खोलने की तिथि : दिनांक 22.08.2026 को (04:00 बजे अपराह्न तक)
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी का कार्यालय।
6. निविदा प्राप्त करने एवं खोलने का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी का कार्यालय
7. कार्यो का विस्तृत विवरणी :

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्रा० राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	कर्रा	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, तसकी में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2089300.00	42000.00	5000.00	04 माह
2	खूँटी	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, रप्पाडीह में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2341100.00	47000.00	5000.00	04 माह
3	मुरहू	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, कोठाटोली में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2202500.00	44500.00	5000.00	04 माह
4	मुरहू	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, सिरका, बुढ़ाडा में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2326900.00	47000.00	5000.00	04 माह
5	रनियाँ	राजकीय मध्य विद्यालय, डाहु जराटोली में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2189000.00	44000.00	5000.00	04 माह
6	रनियाँ	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, खटंगा, चुरदाग में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2189000.00	44000.00	5000.00	04 माह
7	रनियाँ	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मनाहातु में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2280500.00	46000.00	5000.00	04 माह
8	रनियाँ	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, रंगरोड़ी में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2189000.00	44000.00	5000.00	04 माह
9	तोरपा	डी.पी.ई.पी. एन.पी.एस., टंगराटोली, कमड़ा में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2188300.00	44000.00	5000.00	04 माह
10	तोरपा	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, मनमानी में 02 अदद अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2187300.00	44000.00	5000.00	04 माह

नोट :– विस्तृत निविदा सूचना एवं शर्तें कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

1. उपरोक्त निविदा का निष्पादन **Double Bid System** के अनुसार किया जायेगा।
2. जिला परिषद, खूँटी अन्तर्गत वैसे संवेदक जिनका कार्य Work Program के अनुसार नहीं चल रहा है। वे इस निविदा में भाग लेने हेतु अयोग्य समझें जायेगे।
3. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड राँची के संकल्प संख्या 2146 (एस) दिनांक 09.09.2024 में निहित प्रावधान के आलोक में संवेदक द्वारा 10 प्रतिशत से कम दर Quote करने Additional Performance Security की राशि निम्नवत जमा करनी होगी।
4. (i) 10 से 20 प्रतिशित Below की राशि का 20 प्रतिशत तथा
(ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा।
5. जिला परिषद, खूँटी के समुचित श्रेणी का निबंधन ही मान्य होगा एवं निविदा लेने समय F.D. GST, Registration Copy, Pan Card देना अनिवार्य होगा तभी B.O.Q दिया जायेगा।
6. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

ह०/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, खूँटी

PR 387375 District (26-27)_D

सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व में फंसा लोकतंत्र

भारतीय लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंदिर 'संसद' जनता की समस्याओं, राष्ट्रीय नीतियों और भावी कानूनों पर तर्कसंगत बहस का केंद्र माना जाता है। मसलन संसद केवल कानून बनाने की मशीन नहीं है बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना और आकांक्षाओं का दर्पण है। लेकिन संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जो दृश्य सामने आ रहा है, वह विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। सत्र के पहले ही दिन से विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व राजनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया जा रहा है। सदन के भीतर नारेबाजी और वेल (सदन के बीचोंबीच) में आकर तख्तियां दिखाने से लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर नए भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन विपक्ष की रोजाना की दिनचर्या देखी जा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र और जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की दृष्टि से शुभ संकेत नहीं है। संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है लेकिन असहमति को प्रकट करने का जरिया 'संसदीय संवाद' होना चाहिए, 'संसदीय गतिरोध' नहीं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक रणनीतियों से ऊपर उठकर देश के विधायी और लोकतांत्रिक हितों को प्राथमिकता दें। शुरूआती दो हफ्तों में हंगामे और लगातार होते स्थगन के कारण दोनों सदनों में कोई ठोस कामकाज नहीं हो सका। यद्यपि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर नियम-नियमावली के तहत चर्चा कराने को तैयार है, वहीं विपक्ष का कहना है कि उनकी प्राथमिक मांगों पर तुरंत और बिना शर्त बहस कराई जाए। इस गतिरोध के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के उस विधायी ढांचे का हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है। संसद में विपक्ष की ओर से जारी व्यवधान के बीच केंद्र सरकार ने भी विधायी कामकाज निपटाने के लिए एक आक्रामक और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हंगामे के कारण विधायी एजेंडे को रुकने नहीं देगी। नतीजतन, शोर-शराबे और तख्तियों की आड़ में ही कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के दोनों सदनों से पारित कराए जा चुके हैं। पीठासीन अधिकारियों (लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति) द्वारा बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और बिलों पर चर्चा में भाग लेने की अपील की गई। इसके बावजूद, जब विपक्षी दल चर्चा में शामिल होने के बजाय वाकआउट (सदन का बहिष्कार) करने या नारेबाजी जारी रखने का विकल्प चुनते हैं तो सरकार ध्वनिमत के जरिए विधेयकों को पारित करवा लेती है। कई विधेयकों पर सदन के दोनों सदनों की मुहर लग चुकी है, जो राष्ट्रपति की मुहर के बाद देश में कानून बनने की दहलीज पर जा चुके हैं। संसदीय कार्यप्रणाली के दृष्टिकोण से यह स्थिति चिंताजनक है। जब कोई विधेयक बिना बहस के कानून का रूप लेता है तो उसमें रह जाने वाली व्यावहारिक कमियों या खामियों पर विचार करने का अवसर समाप्त हो जाता है। संसदीय लोकतंत्र में 'प्रश्नकाल' और 'शून्यकाल' ऐसे दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जिनके माध्यम से संसद सदस्य (चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के) सीधे सरकार और उसके मंत्रियों की जवाबदेही तय करते हैं। प्रश्नकाल के दौरान सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्न पूछते हैं। चालू मानसून सत्र में लगातार व्यवधान के कारण अधिकांश दिनों में प्रश्नकाल शुरू होते ही स्थगित करना पड़ा या शोर-शराबे में डूब गया।

सूडोकु नवताल- 7885

★★★★☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7884 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

अहिल्याबाई होल्कर से भीकाजी कामा तक : भारतीय नारी शक्ति की गौरवगाथा

वरुण कुमार

भारतीय इतिहास केवल राजाओं, युद्धों और राजनीतिक आंदोलनों का इतिहास नहीं है। यह उन असंख्य महिलाओं के साहस, त्याग, नेतृत्व और संघर्ष की भी गाथा है, जिन्होंने अपने समय की सामाजिक और राजनीतिक सीमाओं को चुनौती देते हुए राष्ट्र और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारतीय नारी शक्ति की इसी गौरवशाली परंपरा में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर और मैडम भीकाजी कामा दो अलग-अलग युगों की ऐसी महान विभूतियां हैं, जिनका जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। अहिल्याबाई होल्कर ने अठारहवीं शताब्दी में विपरीत परिस्थितियों के बीच मालवा का शासन संभालकर सुशासन, न्याय और लोककल्याण की मिसाल कायम की। दूसरी ओर उन्नीसवीं-बीसवीं शताब्दी के संक्रमण काल में भीकाजी कामा ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद को चुनौती देते हुए भारत की स्वतंत्रता की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। एक ने शासन को सेवा का माध्यम बनाया, तो दूसरी ने स्वतंत्रता को अपना सर्वोच्च लक्ष्य मानकर जीवन समर्पित कर दिया।

अलग थीं, लेकिन उनके जीवन का मूल संदेश एक था–राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पण, साहस और कर्तव्यबोध। अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर क्षेत्र के चौंडी गांव में हुआ था। उनके पिता मानकोजी शिंदे एक साधारण लेकिन संस्कारवान व्यक्ति थे। उस दौर में महिलाओं के लिए शिक्षा और सार्वजनिक जीवन के अवसर अत्यंत सीमित थे। इसके बावजूद अहिल्याबाई ने अपने व्यक्तित्व और प्रतिभा से यह सिद्ध किया कि नेतृत्व क्षमता जन्म से किसी विशेष वर्ग की संपत्ति नहीं होती। उनका विवाह मालवा के होल्कर राजवंश के उत्तराधिकारी खंडेराव होल्कर से हुआ। विवाह के बाद वे मालवा के राजनीतिक और सामाजिक जीवन से परिचित हुईं। उनके ससुर मल्हारराव होल्कर ने उनकी प्रतिभा और प्रशासनिक समझ को पहचाना तथा उन्हें शासन की बारीकियों को समझने का अवसर दिया। जीवन ने अहिल्याबाई की कठिन परीक्षा ली। उनके पति खंडेराव का युद्ध के दौरान निधन हो गया। बाद में उनके ससुर मल्हारराव होल्कर और पुत्र मालेराव की मृत्यु ने उन्हें गहरे संकट में डाल दिया। ऐसे समय में जब एक महिला का सार्वजनिक सत्ता संभालना असाधारण माना जाता था, अहिल्याबाई ने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय राज्य की जिम्मेदारी स्वीकार की। उन्होंने लगभग तीन दशकों तक मालवा पर शासन किया और महेश्वर को अपनी प्रशासनिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाया।

अहिल्याबाई के शासन की सबसे बड़ी विशेषता उनका जनकल्याणकारी दृष्टिकोण था। वे राजसत्ता को व्यक्तिगत वैभव का साधन नहीं, बल्कि प्रजा की सेवा का माध्यम मानती थीं। उनके प्रशासन में किसानों, व्यापारियों, गरीबों और आम जनता की समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाता था। उनका दरबार आम लोगों के लिए सुलभ माना जाता था। वे प्रजा की शिकायतें सुनती थीं और न्याय देने में निष्पक्षता बरतने के लिए प्रसिद्ध थीं। उनके शासन में कानून और व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों और व्यापार को भी प्रोत्साहन मिला। अहिल्याबाई ने कृषि और व्यापार के महत्व को समझा। मालवा की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने व्यापारिक मार्गों और बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा दिया। इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिली।उनकी प्रशासनिक शैली में सादगी और अनुशासन दिखाई देता था। वे राजसी वैभव के बजाय जनता के हित को प्राथमिकता देती थीं। यही कारण है कि इतिहास में उनका नाम केवल एक शासिका के रूप में नहीं, बल्कि लोकमाता के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

अहिल्याबाई होल्कर का योगदान केवल मालवा तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों और धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देश के अनेक हिस्सों में उन्होंने मंदिरों, घाटों, कुओं, बावड़ियों, धर्मशालाओं और यात्रियों के लिए सुविधाओं का निर्माण या पुनर्निर्माण कराया। काशी, गया, सोमनाथ, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका और अन्य तीर्थस्थलों से जुड़े निर्माण कार्यों के लिए उन्हें विशेष रूप से याद किया जाता है। काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से उनका नाम विशेष रूप से जुड़ा हुआ है। उनकी दृष्टि में धार्मिक आस्था केवल व्यक्तिगत विषय नहीं थी। तीर्थस्थलों का विकास यात्रियों, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक जीवन को भी प्रभावित करता था। उनके द्वारा बनवाए गए घाट, धर्मशालाएं और जलस्रोत आज भी उनके लोककल्याणकारी दृष्टिकोण की याद दिलाते हैं।

अहिल्याबाई का महत्व इस बात में भी है कि उन्होंने उस समय प्रभावी शासन किया जब महिलाओं के लिए राजनीतिक नेतृत्व की संभावनाएं अत्यंत सीमित थीं। उन्होंने पुरुष-प्रधान राजनीतिक व्यवस्था में अपनी क्षमता सिद्ध की। उनका जीवन बताता है कि नेतृत्व केवल शक्ति और अधिकार का नाम नहीं है। सच्चा नेतृत्व संवेदनशीलता, न्याय, दूरदृष्टि और जनता के प्रति उत्तरदायित्व से निर्मित होता है। आज जब सुशासन, महिला नेतृत्व और जनभागीदारी की चर्चा होती है, तब अहिल्याबाई होल्कर का उदाहरण विशेष रूप से प्रासंगिक दिखाई देता है।

यदि अहिल्याबाई ने राजसत्ता को जनसेवा का माध्यम बनाया, तो लगभग दो शताब्दियों बाद भीकाजी रुस्तम कामा ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष का मोर्चा संभाला। भीकाजी कामा का जन्म 24 सितंबर 1861 को बंबई, वर्तमान मुंबई, में एक समृद्ध पारसी परिवार में हुआ था। उनका पालन-पोषण ऐसे वातावरण में हुआ जहां शिक्षा और सामाजिक चेतना को महत्व दिया जाता था।युवावस्था से ही उनमें समाज और देश के प्रति गहरी संवेदनशीलता थी। उस समय भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और देश में राजनीतिक असंतोष धीरे-धीरे बढ़ रहा था। बंगाल विभाजन, आर्थिक शोषण, राजनीतिक दमन और भारतीयों के साथ भेदभाव ने स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया।भीकाजी कामा का जीवन भी सामाजिक सेवा से जुड़ा रहा। बंबई में प्लेग की महामारी के दौरान उन्होंने लोगों की सहायता के लिए काम किया और इस दौरान उनके स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा। उपचार के लिए वे यूरोप गईं। विदेश प्रवास उनके जीवन का एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ।

यूरोप पहुंचने के बाद भीकाजी कामा भारतीय राष्ट्रवादियों और क्रांतिकारियों के संपर्क में आईं। उन्होंने दादाभाई नौरोजी सहित कई राष्ट्रवादी नेताओं से संपर्क रखा और भारत की स्वतंत्रता के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने विदेश में रहकर ब्रिटिश शासन की नीतियों की आलोचना की और भारतीय स्वतंत्रता के समर्थन में अंतरराष्ट्रीय जनमत बनाने का प्रयास किया। उस समय विदेशों में भारत की वास्तविक स्थिति के बारे में व्यापक जानकारी नहीं थी। कामा ने लेखन, भाषण और राजनीतिक गतिविधियों के माध्यम से भारत की आवाज को यूरोप तक पहुंचाने का प्रयास किया। उन भारतीय राष्ट्रवादियों में थीं जिन्होंने यह समझ लिया था कि ब्रिटिश साम्राज्य को केवल भारत के भीतर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चुनौती देना आवश्यक है।

भीकाजी कामा के जीवन की सबसे प्रसिद्ध घटनाओं में से एक 1907 का स्टुटगार्ट अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन है। जर्मनी में आयोजित इस सम्मेलन में उन्होंने भारत की स्वतंत्रता की मांग को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। इसी अवसर से भारतीय राष्ट्रवादी ध्वज के एक प्रारंभिक स्वरूप को फहराने की घटना जुड़ी हुई है। उन्होंने दुनिया के सामने भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा को मुखर किया। यह घटना प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण थी। उस समय भारत ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा था और भारतीयों की स्वतंत्रता की मांग को ब्रिटिश सरकार गंभीर खतरे के रूप में देखती थी। भीकाजी कामा ने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की स्वतंत्रता केवल भारतवासियों का आंतरिक प्रश्न नहीं, बल्कि मानव स्वतंत्रता और न्याय से जुड़ा प्रश्न है। इसी कारण उन्हें भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के इतिहास में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्वतंत्रता की आवाज उठाने वाली अग्रणी महिला के रूप में याद किया जाता है। भीकाजी कामा केवल मंचों पर भाषण देने वाली क्रांतिकारी नहीं थीं।

केरलम में 'वंदे मातरम' से परहेज! दक्षिण भारत के अपने इतिहास को देखिए...

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

केरलम में "वंदे मातरम" के पूर्ण गायन को लेकर जिस तरह की आपत्ति सामने आई है, उसने एक साधारण प्रशासनिक निर्देश को गंभीर राष्ट्रीय विमर्श में बदल दिया है। सवाल यह है कि क्या भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की राष्ट्रीय स्मृति को भी राज्यों, दलों और राजनीतिक सुविधा की सीमाओं में बांटा जा सकता है? केरलम सरकार की ओर से यह कहा गया कि सरकारी कार्यक्रमों में पहले की परंपरा के अनुसार "वंदे मातरम" के शुरूआती दो पद ही गाए जाएंगे।

कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने इससे भी आगे जाकर पूरे गीत के गायन का तीखा विरोध किया। दूसरी ओर केंद्र सरकार 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में इसके सामूहिक गायन पर जोर दे रही है। इसी बीच तमिलनाडु विधानसभा ने राज्य के सार्वजनिक कार्यक्रमों में "तमिल थाई वाज्थु" को आरंभ में गाने का प्रस्ताव पारित किया है।

यहां एक बात बहुत साफ समझने की जरूरत है। किसी राज्य को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा पर गर्व करने का पूरा अधिकार है। तमिल को सम्मान मिलना चाहिए, मलयालम को सम्मान मिलना चाहिए, कन्नड़, तेलुगु, कोंकणी और हर भारतीय भाषा को सम्मान मिलना चाहिए, किंतु अपनी क्षेत्रीय अस्मिता का सम्मान करने के लिए राष्ट्रीय स्मृति से दूरी बनाना आवश्यक नहीं है। भारत की सुन्दरता ही यही है कि तमिल अपनी जगह तमिल है, मलयालम अपनी जगह मलयालम है, पर स्वतंत्रता का इतिहास सबका संयुक्त है। इसमें सभी का सर्वस्व त्याग एवं समर्पण समाहित है। वस्तुतः "वंदे मातरम" इसी साझा स्वरूप का ही प्रकटीकरण है।

यदि "वंदे मातरम" को उत्तर भारतीय या किसी एक राजनीतिक विचारधारा का प्रतीक बताने की कोशिश की जाए तो तमिलनाडु का इतिहास इस तर्क को सीधे चुनौती देता है। महाकवि सुब्रमण्यम भारती (1882-1921) तमिलनाडु के एक महान कवि, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक रहे। उन्होंने बंकिम चंद्र चटर्जी के अमर गीत "वंदे मातरम" का तमिल भाषा में अनुवाद और रूपांतरण किया था, जिसने दक्षिण भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जन-जन में देशभक्ति की प्रखर भावना जगाई। "कन्नन पट्टू" "नीलवुम वनमिनम कात्रुम" "पांचाली सबातम" "कुयिल पट्टू" भारती के महान काव्य उत्पादन के उदाहरण हैं।

भारती को देशभक्ति से भरपूर उनकी अनेक कविताओं के कारण राष्ट्रीय कवि माना जाता है, जिनके माध्यम से उन्होंने लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने और देश की मुक्ति के लिए सक्रिय रूप से काम करने के लिए प्रेरित किया। अपने देश पर गर्व करने के अलावा, उन्होंने एक स्वतंत्र भारत के अपने दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया। उन्होंने 1908 में सनसनीखेज रचना "सुदेशा गीतंगल" प्रकाशित की।

भारत सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव पोर्टल भी दर्ज करता है कि भारती के कार्यों ने मद्रास क्षेत्र में स्वदेशी आंदोलन की जनमत-निर्माण प्रक्रिया में भूमिका निभाई और उनके एक कार्टून में "वंदे मातरम" ध्वज का चित्रण भी था, और बात यहीं खत्म नहीं होती। सुब्रमणिय भारती के प्रकाशित काव्य-संकलनों में "वंदे मातरम" स्वतंत्र रचना के रूप में दर्ज है। 1977 में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित Poems of Subramania Bharatii में "वंदे मातरम" शामिल है; 1984 के Subramania Bharati: Chosen Poems and Prose में भी इसकी स्पष्ट उपस्थिति है। यानी जिस दक्षिण भारत को आज "वंदे मातरम" के संदर्भ में राजनीतिक दूरी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, उसी दक्षिण भारत का एक महानतम राष्ट्रवादी कवि इसे अपने साहित्य और स्वतंत्रता चेतना का हिस्सा बना चुका था। तमिलनाडु के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जुड़ा एक सरकारी दस्तावेज इससे भी अधिक स्पष्ट है। उसमें दर्ज है कि भारती के Swadesha Geethangal में "वंदे मातरम" पहला राष्ट्रीय गीत था और इसे स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित करने वाला महान उद्घोष बताया गया है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि भारती के गीत अशिक्षित जनता तक राष्ट्रीय भावना पहुंचाने का माध्यम बने और लोग उन्हें गाकर सुनाते थे। तो फिर आज सवाल यह है कि "वंदे मातरम" दक्षिण भारत का कैसे नहीं हुआ? क्या तमिलनाडु के महाकवि भारती को यह इतिहास पता नहीं था? क्या स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मद्रास की धरती पर उठी "वंदे मातरम" की आवाज को आज भुला दिया जाए? क्या किसी राष्ट्रीय गीत की स्वीकार्यता इस बात से तय होगी कि आज कौन-सी राजनीतिक पार्टी उसे अपने कार्यक्रम में गा रही है?

भारती का स्पष्ट मत था जोकि उनके साहित्य लेखन में कई स्थानों पर प्रकट भी हुआ है, "जब तक भारतीय भारत माता की संतान के रूप में एकजुट नहीं होंगे, तब तक उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हो सकती।" आज यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम सभी अपने राष्ट्र एवं मां भारत माता की वन्दना "वंदे मातरम" के लिए एक मत और एक स्वर नहीं हो पा रहे हैं। हमारे क्षेत्रीय एवं वोट के स्वार्थ इतने बड़े हैं कि हम उसी मां की आराधना करने से पीछे हट रहे हैं, जिससे जीवन पाकर अंत में उसी में विलय हो जाना है!

"वंदे मातरम" बंगाल में जन्मा, लेकिन उसकी यात्रा बंगाल तक नहीं रुकी। यह तमिल में पहुंचा, तेलुगु में पहुंचा, कन्नड़ में पहुंचा, मलयालम में पहुंचा, हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में पहुंचा। इसके अनुवाद और रूपांतरणों ने इसे भारतीय भाषाओं की साझा राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाया। इसका अर्थ ही यही है कि "वंदे मातरम" किसी भौगोलिक प्रदेश की सीमा में कैद अथवा सीमित गीत कभी नहीं रहा। वह भारतीय राष्ट्रवाद के विस्तार के साथ पूरे देश में यात्रा करता रहा है।

यही बात उन लोगों को समझनी चाहिए जो आज इसे किसी एक राजनीतिक दल का प्रतीक बताकर उससे दूरी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। "वंदे मातरम" भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पैदा होने से दशकों पहले से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष रहता आया है। कांग्रेस के अधिवेशनों में इसे स्थान मिला। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ ठाकुर ने इसे गाया। 1905 के स्वदेशी आंदोलन में यह राजनीतिक उद्घोष बन चुका था। 1950 में संविधान सभा ने "जन गण मन" के साथ समान सम्मान के साथ राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया।

वस्तुतः ऐसे में आज यदि कोई कांग्रेस नेता यह कहता है कि पूरा गीत गाने में तीन मिनट दस सेकंड लगते हैं और इतने समय तक खड़ा रहना व्यावहारिक कठिनाई हो सकती है, तो उस तर्क पर चर्चा हो सकती है। सम्मान कानून से पैदा नहीं होता, यह बात सही है। किसी नागरिक के मन में देशभक्ति आदेश से नहीं भरी जा सकती, यह भी सही है, किंतु क्या किसी राष्ट्रीय गीत के सम्मान को उसकी अवधि से तौलना उचित है? क्या तीन मिनट दस सेकंड किसी राष्ट्र की स्मृति के सामने इतना बड़ा समय है कि उसे लेकर असहजता पैदा हो जाए? क्या हम अपनी भारत माता एवं राष्ट्र भारत के आराधन के लिए तीन मिनट 10 सेकेंड भी नहीं खड़े होकर उसे सम्मान नहीं दे सकते?

सच तो यह है कि जिस भारत के स्वतंत्रता सेनानी वर्षों जेल में रहे, जिन्होंने अपनी संपत्ति गंवाई, जिनकी नौकरियां गईं, जिन्होंने परिवारों से दूरी सही और जिन्होंने अपने जीवन तक को राष्ट्र के नाम कर दिया, उनके सामने तीन मिनट दस सेकंड का तर्क बहुत छोटा दिखाई देता है और यहां "वंदे मातरम" की असली शक्ति समझने की जरूरत है।

यह गीत उस समय लिखा गया जब भारत स्वतंत्र नहीं था। उस समय किसी भारतीय के पास यह सुविधा नहीं थी कि वह राष्ट्रीय सम्मान, राष्ट्रीय पहचान और देशभक्ति पर आराम से बैठकर बहस करे। औपनिवेशिक शासन की कठोरता के बीच राष्ट्रीय चेतना को जगाना ही अपने आप में प्रतिरोध था। "वंदे मातरम" इसी प्रतिरोध की भाषा बना।

संसद में हंगामा ही सिर्फ मकसद नहीं होना चाहिए

संजय सक्सेना

लोकसभा और राज्यसभा का मानसून सत्र लगभग हंगामे की भेंट चढ़ गया है। जहां देश को आगे बढ़ाने के लिये चर्चा होना चाहिए, वहां दो सियासी घरानों के पुत्रों का अहंकार उसे ले डूबा, जबकि लोकतंत्र की बुनियाद इस बात पर टिकी है कि सदन में चर्चा, बहस और असहमति के माध्यम से देश के कानून और नीतियां तय की जाएं। हाल के वर्षों में लोकसभा, राज्यसभा, राज्यों की विधानसभाओं और विधान परिषदों में कामकाज के तरीकों को लेकर एक बड़ा विमर्श खड़ा हुआ है। एक आम धारणा यह बन गई है कि सदन को सुचारू रूप से चलाने की पूरी जिम्मेदारी केवल सत्ता पक्ष (सरकार) की है, जबकि विपक्ष का काम केवल विरोध करना है। यह विषय भारतीय राजनीति में एक गंभीर चर्चा का केंद्र है। एक तरफ जहां आलोचकों का मानना है कि विपक्ष रचनात्मक बहस से पीछे हटकर केवल हंगामे की राजनीति कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष का तर्क है कि सरकार उन्हें अपनी बात रखने का पर्याप्त समय और मंच नहीं देती है। गौरतलब हो, सत्ता पक्ष बनाम विपक्ष में संसदीय नियमों और परंपराओं के अनुसार, सदन चलाना दोनों की एक साझा जिम्मेदारी है, जब दोनों पक्षों में से कोई भी इस जिम्मेदारी से पीछे हटता है, तो सदन की कार्यवाही बाधित होती है। आलोचकों का कहना है कि विपक्ष कई बार चर्चा के बजाय वॉक आउट (सदन से बाहर चले जाना) या वेल (आसन के सामने का स्थान) में आकर नारेबाजी करने का रास्ता चुनता है, जिससे महत्वपूर्ण समय और जनता का पैसा बर्बाद होता है।

बहरहाल, अतीत से वर्तमान तक सदन में हंगामा और गतिरोध कोई नई बात नहीं है। भारतीय संसद और विधानसभाओं का इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है जब तीखी बहस और व्यवधान हुए हैं। अतीत में भी बोफोर्स घोटाला (1980 के दशक के उत्तरार्ध) और 2 जी स्पेक्ट्रम आवंटन (2010) जैसे बड़े मुद्दों पर विपक्ष ने हफ्तों तक संसद नहीं चलने दी थी। इन घटनाओं के दौरान पूरा-पूरा सत्र बिना किसी विधायी कार्य के धुल गया था। इसी तरह से उत्तर प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु जैसी राज्य विधानसभाओं में अतीत में ऐसे दृश्य देखे गए हैं जहां माइक तोड़े गए, कागज फेंके गए और मार्शलों को विधायकों को बाहर निकालना पड़ा। जानकारों का मानना है कि पहले के समय में हंगामे के बीच भी बड़े नेता अपनी बात तर्कों के साथ रखते थे और सरकारें उनकी बात सुनती थीं। वर्तमान में सोशल मीडिया और लाइव टेलीकास्ट के दौर में, कई बार नेता सदन के भीतर ठोस बहस करने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी और त्वरित सुर्खियां बटोरने पर ज्यादा ध्यान देते हैं।आलोचकों का आरोप है कि विपक्ष किसी एक नीति या कानून पर टिककर बहस करने के बजाय लगातार अपने राजनीतिक दांव-पेंच बदलता रहता है। उदाहरण के लिए, चुनाव के समय उठाए गए मुद्दे, संसद सत्र शुरू होने पर बदल जाते हैं और सत्र के दौरान कानून व्यवस्था, बेरोजगारी या किसी घोटाले के आरोप पर ध्यान केंद्रित हो जाता है। सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष चर्चा से भागने के लिए ऐसा करता है। उधर, राजनीतिक विश्लेषकों का एक वर्ग मानता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोध में विपक्ष कई बार बेहद आक्रामक रुख अपनाता है। सदन में गंभीर आरोप लगाने के बाद जब सरकार की तरफ से जवाब देने की बारी आती है, तो विपक्ष वॉकआउट कर जाता है। इसे सत्ता पक्ष द्वारा आरोप लगाकर भागने की राजनीति कहा जाता है। लोकतंत्र में चर्चा का महत्व सदन का मुख्य उद्देश्य कानून बनाना और सरकार को जवाबदेह बनाना है। जब सदन में चर्चा होती है, तो जटिल से जटिल मुद्दों का समाधान निकलता है। जीएसटी कानून या अतीत में हुए परमाणु समझौते जैसे बड़े मामलों पर लंबी बहसों के बाद ही आम सहमति बन पाई थी। सदन में लगातार होने वाले हंगामे और काम न होने से जनता में यह संदेश जाता है कि उनके प्रतिनिधियों द्वारा उनके टैक्स के पैसे का सही उपयोग नहीं हो रहा है।

हंगामे के कारण बार-बार सदन को स्थगित करना पड़ता है। इससे देश के जरूरी कानूनों पर बहस नहीं हो पाती और जनता के पैसे की बबार्दी होती है। किसकी गलती ज्यादा है, एक बेहद संवेदनशील और जटिल विषय है। राजनीतिक विश्लेषकों और जनता के नजरिए से देखें तो इस सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों पक्षों की अपनी-अपनी कमियां और तर्क नजर आते हैं। विपक्ष अक्सर किसी मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिए हंगामा तो करता है, लेकिन जब सरकार उस पर नियम के तहत चर्चा कराने को तैयार होती है, तो विपक्ष अपनी शर्तों पर अड़ जाता है। तब ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष सरकार की हर अच्छी-बुरी नीति का केवल विरोध करने की नीति पर चल रहा है। सदन रचनात्मक सुझाव देने के बजाय सोशल मीडिया और मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिए सदन के भीतर आक्रामक रुख अपनाया जाता है।गंभीर आरोप लगाकर जवाब सुने बिना वॉकआउट कर जाना संसदीय मयार्दा के खिलाफ माना जाता है। दूसरी तरफ, एक बड़ा वर्ग यह भी मानता है कि सदन को सुचारू रूप से चलाने की प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार की होती है, और उसकी रणनीतियों में भी कमियां हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार संख्या बल के दम पर बिना लंबी बहस या विपक्ष को विश्वास में लिए बिना महत्वपूर्ण बिल पास करा लेती है। जब विपक्ष किसी गंभीर या संवेदनशील मुद्दे पर तुरंत चर्चा की मांग करता है, तो सरकार कई बार तकनीकी नियमों का हवाला देकर उसे टालने की कोशिश करती है, जिससे गतिरोध और बढ़ जाता है।

दैनिक पंचांग

13 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

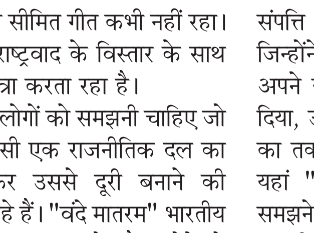

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	05.57 बजे से
चंद्र	सिंह में	कन्या	08.09 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.19 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.34 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	14.50 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	16.55 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.42 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.15 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.45 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	23.25 बजे से
		मिथुन	01.23 बजे से
		कर्क	03.37 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 225 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 20.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 06.07 बजे तदनन्तर मघा 04.39 बजे प्रात: को समाप्त।
योग वरीयान 12.16 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 09.51 बजे तदनन्तर बव 20.42 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872800
जूलियन दिन 2461265.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 29

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

सड़क हादसे में एक की मौत, तीन घायल

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम थाना क्षेत्र के निर्मल चौक और ताता पत्थर के बीच मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में टाटा मोटर्स के ठेका कर्मी 24 वर्षीय राकेश महतो की मौत हो गई। हादसे में तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार धनिया निवासी राकेश महतो ड्यूटी समाप्त करने के बाद ग्लैमर बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान निर्मल चौक ताता पत्थर के पास सामने से आ रही एक स्प्लेंडर बाइक से उसकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। स्प्लेंडर बाइक पर तीन युवक सवार थे और बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं, जिसके कारण आमने सामने टक्कर हुई। स्प्लेंडर बाइक पर सवार तीनों युवकों की पहचान जादूगोड़ा थाना क्षेत्र के तिलामुड़ा गांव निवासी समीर माझी(17), समीर कालिंदी (20) और बिरसा माझी(18) के रूप में हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए टाटा मोटर्स अस्पताल भेजा गया।

लाइसेंसी पिस्तौल वाले वायरल वीडियो पर दुखनी सोरेन ने दी सफाई

पूर्वी सिंहभूम : पूर्व मुख्यमंत्री एवं सरायकेला विधायक चंपई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन का हथियार के साथ एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्होंने बुधवार को पूरे मामले पर अपनी सफाई दी है। दुखनी सोरेन ने कहा कि वायरल वीडियो को लेकर जिस तरह की चचाएं हो रही हैं, उसमें ऐसा कुछ भी नहीं है जिसमें उन्होंने कानून का उल्लंघन किया हो। दुखनी सोरेन के अनुसार, वह किसी कार्यक्रम से लौटने के दौरान काफी थक गई थीं और जमशेदपुर परिसदन में कुछ देर विश्राम करने के लिए रुकी थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी लाइसेंसी बंदूक, मोबाइल फोन और अन्य सामान सोफे पर रख दिया था और आराम कर रही थीं। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने उनका वीडियो बना लिया। बाद में वीडियो उन्हें भी उपलब्ध कराया गया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि वीडियो में लोगों को केवल उनकी लाइसेंसी पिस्तौल दिखाई दे रही है, जबकि उनके साथ रखा मोबाइल फोन और अन्य सामान किसी को नजर नहीं आ रहा है। दुखनी सोरेन ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी महिला के पास लाइसेंसी पिस्तौल है तो क्या यह अपने आप में कोई अपराध है।

एनआई कार्य के कारण कई ट्रेनें रद्द और डायवर्ट

पूर्वी सिंहभूम : पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल में नए पुल और मुख्य लाइन के लिंकिंग कार्य के लिए प्रस्तावित नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य का असर ईस्ट कोस्ट रेलवे से जुड़ी कई ट्रेनों के परिचालन पर पड़ेगा। राजेंद्र पुल-हाथीदह-ताल-रामपुर सेक्शन में एनआई कार्य के कारण 21 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक कुछ ट्रेनों को रद्द और कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है। बुधवार को ईस्ट कोस्ट रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक कार्यालय की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार 24 सितंबर को ट्रेन संख्या 03230 पटना-किऊल एक्सप्रेस, 25 सितंबर को 03229 किऊल-पटना एक्सप्रेस, 26 सितंबर को 18405 पुरी-पटना एक्सप्रेस तथा 27 सितंबर को 18406 पटना-पुरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इसके अलावा 1 अक्टूबर को 03230 पटना-किऊल एक्सप्रेस, 2 अक्टूबर को 03229 किऊल-पटना एक्सप्रेस, 1 अक्टूबर को 18419 पुरी-जयनगर एक्सप्रेस तथा 3 अक्टूबर को 18420 जयनगर-पुरी एक्सप्रेस का परिचालन भी रद्द रहेगा।

पाकुड़ में चोरों का आतंक : एक रात में तीन घर निशाने पर, लाखों की चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

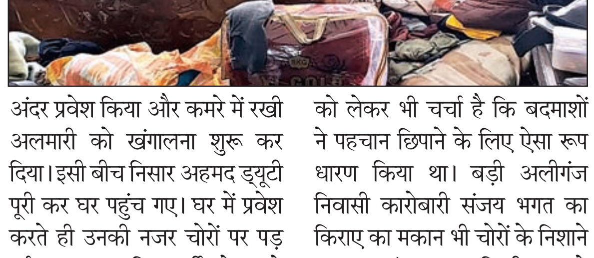

पाकुड़ : जिले के नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। बड़ी अलीगंज और तिरंगा चौक के आसपास चोरों ने एक के बाद एक तीन घरों को निशाना बनाया। दो घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देकर बदमाश सोना-चांदी के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए, जबकि एक अधिवक्ता के घर में चोरी का प्रयास असफल रहा। सबसे खास बात यह रही कि एक पुलिस जवान के घर में चोरी के दौरान जवान की चोरों से सीधी भिड़ंत हो गई। चोरों ने भागने के दौरान गुलेल से जवान पर हमला किया और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जिला पुलिस बल में पदस्थ जवान निसार अहमद की ड्यूटी एसपी आवास में लगी हुई है। मंगलवार की रात वह ड्यूटी पर थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर के ग्रिल को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कमरे में रखी अलमारी को खंगालना शुरू कर दिया। इसी बीच निसार अहमद ड्यूटी पूरी कर घर पहुंच गए। घर में प्रवेश करते ही उनकी नजर चोरों पर पड़ गई। अचानक पुलिसकर्मी को सामने देखकर बदमाश घबरा गए और भागने लगे। बताया गया कि भागते समय चोरों ने गुलेल से निसार अहमद पर हमला किया। इसके बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। निसार अहमद के मुताबिक, चोरों ने बोल बम के वेश में खुद को छिपा रखा था। घटना के बाद इलाके में इस बात को लेकर भी चर्चा है कि बदमाशों ने पहचान छिपाने के लिए ऐसा रूप धारण किया था। बड़ी अलीगंज निवासी कारोबारी संजय भगत का किराए का मकान भी चोरों के निशाने पर रहा। संजय भगत किसी काम से अपने गांव अमड़ापाड़ा गए हुए थे। घर में उनकी पत्नी और बच्चे मौजूद थे और दूसरे कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान चोर मकान के दूसरे तल्ले में पहुंचे और अलमारी तोड़कर उसमें रखे सोना-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। परिवार को घटना की जानकारी बुधवार सुबह हुई। इसके बाद घर में अफरातफरी मच गई। संजय भगत ने बताया कि चोरी में लाखों रुपये के जेवरात और नकदी जाने की आशंका है। हालांकि, चोरी गए सामान की कुल कीमत अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। परिवार के सदस्य घर में रखे सामान का मिलान कर रहे हैं। सूची तैयार होने के बाद चोरी की वास्तविक रकम और जेवरात की कीमत सामने आएगी। इसी इलाके में चोरों ने एक अधिवक्ता के घर में भी प्रवेश करने का प्रयास किया। हालांकि, वे अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके। लगातार एक ही रात में कई घरों को निशाना बनाए जाने से आसपास के लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस तरीके से चोरों ने अलग-अलग घरों में वारदात को अंजाम दिया, उससे लगता है कि उन्हें इलाके की अच्छी जानकारी थी। लोगों ने रात के समय पुलिस गश्ती बढ़ाने और संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है। घटनाओं की जानकारी मिलते ही बुधवार सुबह नगर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चोरी वाले घरों का निरीक्षण किया और घटनास्थल से संभावित सुराग जुटाने का प्रयास किया। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई। पुलिस अब इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के जरिए चोरों की पहचान करने के साथ यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वारदात में कितने लोग शामिल थे और घटना के बाद वे किस रास्ते से फरार हुए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर साहिबगंज स्टेशन पर निकली जागरूकता रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रत्येक रेलकर्मी ओर जिलेवासी अपने घरों ओर प्रतिष्ठान में तिरंगा झंडा फहराए ओर अपने सगे संबंधी रिश्तेदारों दोस्तों को भी अपने घर में तिरंगा झंडा फहराने के लिए जागरूक करे उक्त बाते स्टेशन मास्टर गुड्डु कुमार ने कही। बुधवार को साहिबगंज स्टेशन परिसर में एसएस गुड्डु कुमार के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकाला गया। रैली में रेलवे कर्मी, आरपीएफ, जीआरपी सहित रेलवे कर्मी शामिल होकर सभी हाथों में तिरंगा लिए जागरूकता रैली निकालकर पूरे स्टेशन परिसर ओर स्टेशन चौक ग्रीन होटल मोड सहित मुख्य चौक चौराहा होते हुए स्टेशन परिसर आकर सम्पन्न हुआ। एसएस ने कहा कि यह अभियान लोगों में देशभक्ति की भावना जगाना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना है। सभी अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराए। मौके पर एएमई पवन कुमार सिंह, एआरटी आईसी मो रिजवान अहमद, एसएसई कैरेज एंड वैगन इंचार्ज गुरुदेव प्रसाद साह सहित दर्जनों रेलवे कर्मी, आरपीएफ, जीआरपी महिला पुरुष जवान उपस्थित थे। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय से बुधवार को स्कूली छात्रों ने हर घर तिरंगा जागरूकता रैली निकाला। स्कूली छात्र छात्राएं हाथों में तिरंगा झंडा लेकर स्कूल से निकलकर मुख्य चौक चौराहा घूमते हुए लोगों में देश भावना जगाते हुए विद्यालय पहुंचकर सम्पन्न हुआ।

मुफ्फसिल पुलिस ने चार अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत चार अभियुक्त को पुलिस ने अलग अलग मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जीआर. 480/1995 के स्थाई वारंटी शेख सुल्तान पिता स्वर्गीय सकरुद्दीन साकिन महादेवगंज, मुफस्सिल थाना कांड संख्या-43/26 दिनांक 16.04.26 धारा-126 (2) /115(2)/109(1)/303(2)/ 351(2)/352/3(5) बीएनएस के प्राथमिकी अभियुक्त मो. नजरुल मोहम्मद, मुदस्सर बजा दोनों का पिता अंसार अली साकिन छोटी कुदर्जन्ना एवं कांड संख्या 97/26 दिनांक 09.08.26, धारा-126 (2) /115 (2) /109 (1)/352/303(2)/3(5) बीएनएस के प्राथमिक अभियुक्त कालू उर्फ मनारूल हक पिता मोती साकिन शोभापुर दियारा सभी थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ़्तार कर उचित मार्ग रक्षि दल के साथ चारो को सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करवाने के उपरांत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पता पूछने के बहाने महिला से चेन की छिनतई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : जिले के बगोदर थाना इलाके में महिला के गले से सोने की चेन छिनतई की घटना सामने आई है। चेन की कीमत एक लाख से अधिक बतायी गयी है। बताया गया कि बुधवार को बगोदर-माहुरी बायपास के पास पति के संग मंदिर में पूजा करके वापस लौटकर अपने घर के बाहर खड़ी थी। इस दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने निशाना बनाया। अपराधियों ने पहले महिला से पता पूछने के बहाने बातचीत शुरू की और मौका मिलते ही उसके गले से सोने की चेन झपटकर बाइक से फरार हो गए। इस बाबत महिला सुनिता देवी ने कहा कि घर के बाहर खड़ी थी। तभी बाइक पर सवार दो युवक उसके पास पहुंचे और बगोदर जाने पता पूछने लगे। बातचीत के दौरान महिला का ध्यान भटकते ही अपराधियों ने उसके गले से सोने की चेन झपट ली। इसके बाद दोनों तेज रफ्तार में बाइक लेकर मौके से फरार हो गये। चेन छिनने के बाद महिला ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर जुट गए। इसी दौरान जिप सदस्य दुर्गेश कुमार के भाई मुकेश कुमार ने महिला को साथ लेकर बाइक सवार बदमाशों का पीछा किया। लेकिन बदमाशों ने रफ्तार बढ़ा दी और भागने में सफल रहे। घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए आसपास के सीसीटीवी फटेज खंगालने में जुटी है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर पाकुड़ में युवाओं ने किया रक्तदान, 18 यूनिट रक्त संग्रह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों में युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। जिले एवं विभिन्न प्रखंडों में आयोजित शिविरों के माध्यम से कुल 18 यूनिट रक्तदान किया गया। इसी क्रम में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने पुराना सदर अस्पताल परिसर स्थित ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने रक्तदान करने पहुंचे युवाओं एवं अन्य रक्तदाताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान के महत्व की जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे रक्तदान के प्रति स्वयं जागरूक हों और अपने आसपास के लोगों को भी स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से न केवल जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने रक्त संग्रहण की प्रक्रिया, रक्तदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को रक्तदान शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने तथा रक्त के सुरक्षित संग्रहण एवं उचित प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित रक्तदान शिविरों में युवाओं एवं आमजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 18 यूनिट रक्तदान किया।

13 टीबी मरीजों को गोद लेकर बांटी गई पोषण किट, टीबी मुक्त साहिबगंज की ओर बढ़ा कदम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत साहिबगंज जिले में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को 13 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट उपलब्ध कराई गई। इस पहल का उद्देश्य टीबी मरीजों को उपचार के दौरान पोषण, मानसिक सहयोग और सामाजिक समर्थन प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान साहिबगंज फॉरेस्ट डिवीजन के जिला वन पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने सराहनीय पहल करते हुए तीन टीबी मरीजों को गोद लिया और उन्हें पोषण किट प्रदान की। वहीं वन क्षेत्र पदाधिकारी बरहरवा पंचम कुमार दुबे ने दो मरीजों तथा विद्यापति कुमार, प्रवीण कुमार ठाकुर, जोशीमुद्दीन शेख, अमित कुमार मिश्रा, हर्ष राज और मनोज कुमार ने एक-एक टीबी मरीज को गोद लेकर पोषण किट का वितरण किया। इसके अलावा जिला यक्ष्मा केंद्र, साहिबगंज के मो. फारूक ने भी दो टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट उपलब्ध कराई। इस तरह कुल 13 टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण संबंधी सहायता दी गई। टीबी के उपचार में नियमित दवा के साथ पर्याप्त और संतुलित पोषण भी महत्वपूर्ण माना जाता है। आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई मरीजों को उपचार के दौरान पर्याप्त पौष्टिक आहार नहीं मिल पाता। ऐसे में निक्षय मित्रों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली पोषण किट मरीजों के लिए उपयोगी सहयोग साबित होती है। इस पहल से मरीजों को बीमारी से लड़ने के लिए आवश्यक पोषण संबंधी सहायता मिलने के साथ उनके अंदर आत्मविश्वास भी बढ़ता है। साथ ही मरीजों और उनके परिवारों को यह भरोसा मिलता है कि समाज और प्रशासन उनके साथ खड़ा है। टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले के सक्षम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं से आगे आने की अपील की गई है। इच्छुक लोग टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके उपचार की अवधि में पोषण एवं आवश्यक सहयोग प्रदान कर सकते हैं। जिला यक्ष्मा केंद्र की ओर से कहा गया कि टीबी की पहचान, जांच, उपचार और जागरूकता के साथ मरीजों को सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। टीबी हारेगा, देश जीतेगा के संकल्प को साकार करने के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की कि टीबी के लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। टीबी की पुष्टि होने पर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित रूप से दवा लें और उपचार की पूरी अवधि तक दवा जारी रखें।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों की हुई बैठक

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार आगामी 12 सितम्बर, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों एवं अधिकाधिक मामलों के निष्पादन को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित न्यायिक पदाधिकारियों को अधिक से अधिक समझौता योग्य मामलों को चिन्हित कर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निष्पादन की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। लंबित मामलों की पहचान, पक्षकारों से समय पर संपर्क, आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने तथा समझौते की संभावनाओं वाले मामलों को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के चेक अनादरण (चेक बाउंस) मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष चर्चा की गई। संबंधित न्यायालयों को आवश्यक अभिलेख समय पर उपलब्ध कराने तथा पक्षकारों से संपर्क स्थापित कर समझौते की संभावना वाले मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने में सक्रिय सहयोग करने का निर्देश दिया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में धन वसूली, बैंक ऋण, एनआई एक्ट, बिजली एवं पानी के बिल, भरण-पोषण, श्रम विवाद, आपराधिक शमनीय अपराध, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, उपभोक्ता एवं बीमा विवाद सहित विभिन्न समझौता योग्य मामलों का निपटारा आपसी सहमति एवं सुलह के आधार पर किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा लंबित समझौता योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही, आम लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों से अवगत कराने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक विधिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने कहा कि लोक अदालत लंबित मामलों के निष्पादन के साथ-साथ आपसी सहमति, सुलह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में विवादों के समाधान का प्रभावी मंच है। इसके माध्यम से पक्षकारों को समय एवं धन की बचत के साथ लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है। उन्होंने प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत को संबंधित न्यायालयों, बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक मामलों का त्वरित एवं सरल तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिले के नागरिकों एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की कि वे 12 सितम्बर 2026 की राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। समझौता योग्य मामलों के नि:शुल्क एवं त्वरित समाधान के इच्छुक पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय मुख्य भवन, प्रथम तल, साहेबगंज अथवा अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में संपर्क कर सकते हैं।

राधानगर पुलिस ने चार बाइक को लावारिस अवस्था में किया बरामद

साहिबगंज : जिले के राधानगर पुलिस ने थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत सचिवालय के पीछे आम बागान से बुधवार की दोपहर छापामारी अभियान चलाते हुए चार बाइक को लावारिस अवस्था में बरामद किया है। वही एक व्यक्ति को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार राधानगर पुलिस नशे के खिलाफ लगातार थाना क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पूर्वी उधवा पंचायत सचिवालय के पीछे आम बागान में व्यक्ति का जमावड़ा लगा रहता है और नशा का सेवन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने पुलिस बल के साथ छापेमारी अभियान चलाया गया। हालांकि पुलिस को देखते ही सभी भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने चार बाइक को बगीचा से लावारिस अवस्था में बरामद कर थाना लाया गया है। साथ ही एक व्यक्ति को संदेह के आधार पर पुछताछ के लिए हिरासत में लिया है। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि पूर्वी उधवा पंचायत सचिवालय आम बागान में नशीले पदार्थ का सेवन किया जा रहा है। और व्यक्तियों का जमावड़ा लगा रहता है। इसी आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर लावारिस अवस्था में चार बाइक को बरामद किया गया है। वही एक व्यक्ति को पुछताछ के लिए थाना लाया गया है।

आखिर कब तक हादसों का इंतजार, कब बनेगी बरहरवा-पाकुड़ मुख्य सड़क डबल लेन

साहिबगंज : बरहरवा-पाकुड़ मुख्य सड़क आज भी कई जगहों पर सिंगल लेन होने के कारण मौत को दावत दे रही है। दुलमपुर और भीमपाड़ा के पास सड़क की हालत सबसे ज्यादा खराब है। यहां आए दिन हादसे हो रहे हैं और लंबा जाम भी लगता है। कुछ दिन पहले इसी रास्ते पर एक गाड़ी पलट गई थी। उसके बाद एक फोर-व्हीलर हादसे का शिकार हुआ और आज फिर एक स्कॉर्पियो सड़क से उतरकर सीधे खेत में जा घुसी। गनीमत रही कि इस हादसे में बड़ी जनहानि नहीं हुई, लेकिन हर बार हादसा टलते-टलते रह जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस व्यस्त मार्ग पर रोजाना सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन आते-जाते हैं। सड़क तंग होने और मोड़ पर दृश्यता कम होने के कारण आए दिन वाहन आमने-सामने आकर टकराने की स्थिति बन जाती है। बरसात में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर इस महत्वपूर्ण मार्ग को डबल लेन बनाने में इतनी देरी क्यों हो रही है? लोगों का कहना है कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन और विभाग की नींद खुलेगी? एक स्थानीय निवासी ने बताया कि रोज लोग अपनी जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे हैं। मरीजों को ले जाने वाली एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती है। सड़क चौड़ीकरण अब जरूरत नहीं, मजबूरी बन गई है। क्षेत्र के लोगों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि बरहरवा-पाकुड़ मुख्य मार्ग के दुलमपुर-भीमपाड़ा खंड को प्राथमिकता के आधार पर डबल लेन किया जाए। जब तक निर्माण शुरू नहीं होता, तब तक दुर्घटनाग्रस्त स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर और अस्थायी बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए। बरहरवा-पाकुड़ सड़क जिले की जीवन रेखा मानी जाती है। ऐसे में इस सड़क का चौड़ीकरण न होना न सिर्फ यातायात की समस्या है, बल्कि यह हजारों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल भी है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत वार्ड पार्षद ने घर-घर बांटा तिरंगा

पाकुड़ : हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर परिषद पाकुड़ के वार्ड संख्या-11 की पार्षद निभा देवी ने घर-घर पहुंचकर तिरंगे का वितरण किया। उन्होंने वार्डवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रभक्ति व राष्ट्रीय एकता का संदेश देने की अपील की। अभियान के दौरान महिलाओं, युवाओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर ह्यभारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के नारों से पूरा वार्ड गूंज उठा।

एक नजर

प्रेम प्रसंग के विवाद में घायल युवक की पटना में मौत

पूर्वी सिंहभूम : बागबेड़ा थाना क्षेत्र के कॉलोनी रोड नंबर-3, ब्लॉक संख्या 98/2/3 में प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल आशीष कुमार (28) की पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आशीष को गंभीर हालत में जमशेदपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए पटना ले गए थे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल की ओर से जारी मृत्यु प्रमाणपत्र में आशीष के शरीर पर गंभीर चोटों और कई चिकित्सकीय जटिलताओं का उल्लेख किया गया है। आशीष बिहार के नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर, देवी सराय का रहने वाला था। अस्पताल के मृत्यु प्रमाणपत्र के अनुसार आशीष की मौत 11 अगस्त को हुई। प्रमाणपत्र में कथित शारीरिक हमले से संबंधित चोट के साथ फेफड़ों में गंभीर समस्या, संक्रमण, गुर्दे की कार्यक्षमता प्रभावित होने, प्लेटलेट्स कम होने सहित कई पेल्विक हड्डियों में फ्रैक्चर जैसी स्थितियों का उल्लेख किया गया है। मौत की प्रकृति को जांच लंबित रहने की स्थिति में दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि 29 जुलाई की सुबह संबंधित मकान से शोर सुनाई देने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बागबेड़ा पुलिस ने आशीष को घर के अंदर घायल और अचेत अवस्था में पाया। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया था।

नशामुक्त भारत बस यात्रा में स्कूली छात्रों ने ली नशामुक्ति की शपथ

पूर्वी सिंहभूम : नशामुक्त भारत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देशभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत जमशेदपुर में नशामुक्त भारत बस यात्रा लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। 10 करोड़ लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई यह विशेष बस यात्रा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर युवाओं, विद्यार्थियों और आम लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत कर रही है। जमशेदपुर में इस बस यात्रा का शुभारंभ 7 अगस्त को किया गया था। इसके बाद से बस शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंच रही है। स्कूल, कॉलेज, बस पड़ाव, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड, पार्क, होटल, मॉल और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मौके पर ब्रह्माकुमारीज कोल्हान प्रभारी बीके अंजू दीदी ने बताया कि 12 अगस्त को बस यात्रा कदमा के शास्त्री नगर, उलियान और आसपास के इलाकों में पहुंची। दिनभर करीब 31 कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में लोग नशामुक्त जीवन अपनाने की प्रतिज्ञा ले रहे हैं। बस के अंदर कुंभकरण की चलायमान प्रस्तुति के जरिए नशे के नुकसान को प्रभावी और रोचक ढंग से समझाया जा रहा है। वहीं बस के बाहरी हिस्से में लगाई गई चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक नुकसान की जानकारी दी जा रही है।

बीजीएच के निजीकरण के खिलाफ जनआंदोलन करेगा बीएकेएस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) की विभागीय बैठक बुधवार को बोकारो जेनरल अस्पताल में आयोजित हुई। बैठक में अस्पताल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने हिस्सा लेकर स्थानीय समस्याओं, कर्मचारियों पर बढ़ते कार्यभार, प्रबंधन के रवैये और अस्पताल के निजीकरण समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। यूनियन ने समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन के स्तर पर कड़े कदम उठाने और जरूरत पड़ने पर जनआंदोलन करने की चेतावनी दी।

बैठक का संचालन विभागीय प्रतिनिधि रेणु सिस्टर ने किया। इस दौरान कर्मचारियों ने बीजीएच के सभी विभागों में आउटसोर्सिंग के जरिए हो रहे निजीकरण और भविष्य में पूरे अस्पताल के निजीकरण की आशंका पर गंभीर चिंता जताई। कर्मचारियों ने कहा कि नियमित मानव संसाधन लगातार कम हो रहा है, जबकि कार्यरत कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है।

बैठक में कर्मचारियों ने नर्सिंग और मेडिकल संक्रमण जोखिम भत्ता देने, प्रोत्साहन राशि और कार्यवाहक भत्ते में संशोधन करने, मोबाइल सेट, सिम, रिचार्ज, इंटरनेट पैक और निःशुल्क वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखी।

कर्मचारियों ने उपस्थिति सुधार, डब्ल्यूओडब्ल्यू की मंजूरी और छुट्टी के आवेदन में आने वाली परेशानियों का मुद्दा भी उठाया। उनका आरोप था कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से कर्मचारियों के लिए अलग-अलग नियम बनाकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। पुरुष चिकित्सा कर्मचारियों को धुलाई भत्ता देने, ऑपरेशन थिएटर तकनीशियनों की ड्यूटी नियम के अनुसार निर्धारित करने तथा प्रबंधक जैसे नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई।

बीजीएच कर्मचारियों को उनके चिकित्सा क्षेत्र के अनुरूप पदनाम देने, फामेर्सी में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने और नियमित फार्मासिस्टों की भर्ती करने की मांग भी उठी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि प्रभारी नर्सों और वार्ड प्रभारियों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। वार्डों में आंकड़ा प्रविष्टि जैसे कार्य नर्सिंग कर्मचारियों से कराए जाने पर भी आपत्ति जताई गई।

महिला कर्मचारियों को बढ़ते कार्यभार के बीच अतिरिक्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने के बजाय धमकीपूर्ण भाषा का सामना करना पड़ता है, जिससे उनमें मानसिक तनाव बढ़ रहा है। कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में छोटे बच्चों के लिए शिशु गृह बनाने, भोजनावकाश और चाय अवकाश जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्कूल और बैंक आदि जरूरी कार्यों के लिए बाहर जाने की अनुमति देने की मांग रखी। नर्सिंग स्कूल में एक लिपिकीय कर्मचारी की नियुक्ति को भी आवश्यक बताया गया।

यूनियन के सामने यह गंभीर मामला भी आया कि बीजीएच प्रबंधन के कुछ उच्च अधिकारियों द्वारा स्वयं बनाए गए नियमों के माध्यम से कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है। कर्मचारियों ने निजी खुन्नस के आधार पर कार्रवाई और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों की शिकायत उच्च प्रबंधन से करने की मांग की। यूनियन ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं को गंभीरता से उच्च प्रबंधन के समक्ष उठाया जाएगा। बीजीएच के निजीकरण के मुद्दे पर संगठन ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर इसके खिलाफ व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

यूनियन की ओर से कहा गया कि बीजीएच पूरे कोयलांचल में चिकित्सा और मानव कल्याण के लिए महत्वपूर्ण संस्थान है। मानव कल्याण तभी सुनिश्चित हो सकता है, जब अस्पताल के कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं का निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान किया जाए। यूनियन ने कहा कि कर्मचारियों के हित में वह हरसंभव कदम उठाएगी।

डीएवी-4 में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवसं पर डॉ. एस. आर. रंगनाथन को श्रद्धांजली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी -4 में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर पुस्तकालय विज्ञान के जनक एवं महान पुस्तकालय वैज्ञानिक डॉ. शियाली रामामृत रंगनाथन की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. रंगनाथन के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को डॉ. रंगनाथन के जीवन, उनके कृतित्व तथा पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान से परिचित कराया गया। उनके द्वारा प्रतिपादित पुस्तकालय विज्ञान के पाँच नियम आज भी पुस्तकालय व्यवस्था के मूल सिद्धांतों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं। उनका मानना था कि पुस्तकें उपयोग के लिए हैं, प्रत्येक पाठक को उसकी रुचि एवं आवश्यकता की पुस्तक मिलनी चाहिए और प्रत्येक पुस्तक को उसका पाठक अवश्य मिलना चाहिए। उन्होंने पुस्तकालय को ज्ञान के मंदिर के रूप में स्थापित करते हुए पुस्तक और पाठक के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य किया।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर कक्षा 3, 4 एवं 5 के विद्यार्थियों के लिए बुकमार्क प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि एवं प्रेम विकसित करना तथा पठन-पाठन को उनके शैक्षणिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के साथ-साथ पुस्तकों के अध्ययन की आवश्यकता, महत्त्व एवं उपयोगिता को समझाना था। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए आकर्षक एवं संदेशपरक बुकमार्क तैयार किए। इस अवसर पर प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का मंदिर है और पुस्तकें हमारे व्यक्तित्व एवं विचारों को समृद्ध करने का सशक्त माध्यम हैं। डॉ. एस. आर. रंगनाथन ने पुस्तकालयों को जीवंत ज्ञान-केंद्र के रूप में स्थापित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। विद्यार्थियों को पुस्तकों से मित्रता कर नियमित पठन की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुस्तकों का अध्ययन विद्यार्थियों में ज्ञान, चिंतन, कल्पनाशीलता, अभिव्यक्ति एवं संस्कार को विकसित करता है।

सीआईएससीई क्षेत्रीय एथलेटिक मीट का समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संत जेवियर्स विद्यालय, बोकारो इस्पात नगर में आयोजित दो दिवसीय सीआईएससीई क्षेत्रीय एथलेटिक मीट 2026 का 12 अगस्त को उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में रांची, जमशेदपुर, देवघर, भागलपुर और पटना जोन से आए खिलाड़ियों ने विभिन्न एथलेटिक स्पधाओं में उत्कृष्ट खेल-कौशल, अनुशासन एवं अदम्य खेलभावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन पर रांची जोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की और विजेता जोन का गौरव हासिल किया।

समापन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य फादर अरुण मिंज, एस.जे. ने रांची जोन को ओवरऑल चैंपियनशिप की ट्रॉफी, पदक एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और खेलभावना की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर फादर थॉमस रॉड्रिक्स, सिस्टर सुनीता, सिस्टर अनुपमा, दीपक चौधरी, देबाशीष गुप्ता, शशि शेखर, अमृत लता , आधिकारिक खेल प्रशिक्षक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। पुरस्कार वितरण के पश्चात राष्ट्रगान के साथ प्रतियोगिता का औपचारिक समापन हुआ।

जरीडीह के युवक की महाराष्ट्र के लातूर में मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बेरमो : बेरमो कोयलांचल के जरीडीह पश्चिमी पंचायत अंतर्गत सोतारटाड़ निवासी 30 वर्षीय चंदन कुमार सिंह नामक युवक एक बार फिर पलायन की भेंट चढ़ गया है महाराष्ट्र के लातुर के शिवाजी नगर में 10 अगस्त को 11000 वोल्ट के विद्युत तार की चपेट में आने से उसकी दर्दनाक मौत घटनास्थल पर ही हो गई. वह हाईवा चालक था मृतक के पिता प्यारेलाल सिंह एवं भाई बैजनाथ सिंह ने बताया कि वह एक माह पूर्व ही यहां से काम के सिलसिले में गया था जिस कंपनी में वह काम करता था वहां पहले भी वह काम किया हुआ था परंतु बकाया राशि के भुगतान नहीं करने से मलिक के बुलावा पर पुनः गया था वह हाईवा से गिट्टी ले जाने का कार्य कर रहा था इसी दौरान वह विद्युत तार की चपेट में आ गया इधर जैसे ही मृतक के घर में इसकी सूचना मिली तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है मृतक का एक तीन वर्षीय विकलांग पुत्र प्रिंस कुमार तथा एक डेढ़ माह की बेटी अनुष्का है पत्नी दीपा कुमारी ने बताया कि वह पुत्र के इलाज के लिए हमेशा चिंतित रहता था और बाहर रोजगार कर पुत्र का इलाज कराने के साथ-साथ परिवार का भी भरण पोषण करता था अब हम लोगों की पूरी जिंदगी है उजड़ गई है जानकारी मिलने के बाद पंचायत समिति सदस्य शंभू सोनी पूर्व उपमुख्यमंत्री तुलसी रविदास भोली महतो सहदेव सिंह बसंत महतो अजीत महतो सहित काफी संख्या में लोग उनके आवास पहुंच रहे हैं और परिवार को ढाढस बधा रहे हैं मृतक चंदन कुमार सिंह का शव देर रात तक पहुंचने की संभावना है पंचायत समिति सदस्य शंभू कुमार सोनी ने प्रशासन से मांग किया है कि मृतक परिवार का कमाने वाला एकलौता सदस्य था अब उसकी पत्नी व बच्चों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न हो गए हैं इसलिए प्रशासन से जो भी प्रावधान है उसके तहत सहायता मिलनी चाहिए।

खासमहल कोलियरी में पेलोडर के चोटील से खलासी की मौके पर मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पेटरवार प्रखंड के चलकरी दक्षिणी पंचायत निवासी लगभग 20 वर्षीय करण कुमार रजवार की जानकारी अनुसार सीसीएल बिएनके क्षेत्र खासमहल कोलियरी में आरकेटी कम्पनी के पेलोडर से चोटील होने से मौके पर मौत हो गई मृतक उक्त कम्पनी में खलासी के पद पर कार्यरत था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, करण बीती रात लोडिंग के इंतजार में हाइवा के ऊपर केबिन में सो रहा था। इसी दौरान पेलोडर के बकेट से उसे गंभीर चोट लग गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। शव को क्षेत्रीय अस्पताल ढोरी में रखा गया। घटना के बाद बुधवार सुबह ग्रामीण एवं पंचायत प्रतिनिधि मुआवजे की मांग को लेकर अस्पताल में डटे रहे। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक मृतक के परिजन को उचित मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक शव नहीं उठाया जाएगा।

इसके बाद आरकेटी कंपनी, आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधन एवं पंचायत प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई। वार्ता में मृतक के परिजन को 12 लाख रुपये मुआवजा देने तथा प्रति माह 11 हजार रुपये की राशि 40 वर्षों तक देने पर सहमति बनी। सहमति बनने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल से ले जाया गया।

वार्ता में आजसू नेता संतोष महतो, मुखिया प्रतिनिधि दुर्गा सोरेन, मुखिया अखिलेश्वर ठाकुर, धर्मेंद्र कपद्दार, पूर्व मुखिया श्याम रजवार समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे। घटना से पूरे गांव में शोक का

16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप : डीपीएस बोकारो के आदि आयुष्मान ने फिर बिखेरा जलवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के 12वीं कक्षा के होनहार विद्यार्थी आदि आयुष्मान ने एक बार फिर निशानेबाजी में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा है। राज्यस्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में लगातार चौथे वर्ष आदि ने पूरे झारखंड में अपनी तीक्ष्ण निशानेबाजी का लोहा मनवाते हुए पहला स्थान पाया और स्वर्णिम विजय अपने नाम दर्ज की। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में पिछले दिनों आयोजित 16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण सहित तीन पदक जीतकर उसने पुनः अपने विद्यालय और जिले को गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता की ओपन साइट 50 मीटर राइफल शूटिंग मेन इंडिविजुअल और ओपन साइट 50 मीटर जूनियर राइफल शूटिंग इंडिविजुअल, दोनों स्पधाओं में आदि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा एक-एक स्वर्ण पदक जीता। वहीं, पीप साइट 50 मीटर राइफल शूटिंग यूथ इंडिविजुअल स्पर्धा में भी उम्दा निशानेबाजी का परिचय देते हुए तीसरा स्थान पाने के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही आदि आयुष्मान ने आसनसोल में ही आगामी 25-30 अगस्त 2026 को होनेवाली 10वीं ईस्ट जोनल शूटिंग प्रतियोगिता (पिस्टल/राइफल) के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इसके अलावा, इस साल पंजाब में नेशनल से पहले होने वाली सबसे प्रमुख प्री-नेशनल प्रतियोगिता ऑल इंडिया जी.वी. मावलंकर शूटिंग

चैंपियनशिप में भी वह भाग लेगा, जिसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित उक्त राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड के रांची, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, गढ़वा एवं लोहरदगा जिलों के दर्जनों प्रतिभागियों ने भाग लिया था। अपने विद्यालय के छात्र की इस शानदार उपलब्धि पर बुधवार को डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने उसे मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा बधाई देते हुए जोनल व राष्ट्रीय स्तर पर भी दमदार प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने कहा कि आदि की यह सफलता न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे जिले के लिए भी अत्यंत ही गर्व का विषय है। विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है। डीपीएस बोकारो में स्थापित विद्यालय स्तर पर जिले के प्रथम शूटिंग प्रशिक्षण केन्द्र अभिनव बिन्द्रा शूटिंग रेंज में दर्जनों विद्यार्थी निशानेबाजी के गुर सीख रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आदि आयुष्मान ने इसके पहले भी लगातार तीन वर्षों तक राज्य स्तर की राइफल शूटिंग प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का परचम लहराया है। इस क्रम में शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी रह चुके अरिंदम बोस को भी हराकर वह पूर्व में अपनी सुनहरी जीत हासिल कर चुका है। आदि आयुष्मान छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पदस्थापित सीआरपीएफ के उप-समादेष्टा विनोद कुमार यादव और गृहिणी मनोरमा देवी का होनहार पुत्र है। उसने बताया कि निशानेबाजी के गुर और बारीकियों से सबसे पहले पिता ने ही उसे अवगत कराया था। माता-पिता दोनों ही उसे इसके लिए सदैव प्रोत्साहित करते हैं और विद्यालय स्तर से भी हरसंभव सहयोग तथा प्रोत्साहन मिलता रहा है। धनबाद राइफल क्लब में भी उसने निशानेबाजी के टिप्स सीखे हैं। आदि शूटिंग के साथ-साथ पढ़ाई और बैडमिंटन खेलने में भी अच्छा है। वह अपने पिता के ही नक्शे-कदम पर चलकर पुलिस अथवा सैन्य सेवा में जाना चाहता है।

संक्षिप्त खबरें

बीएसएल के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में महिला अधिकारियों के लिए तन्मात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ

बोकारो : इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास (एलएंडडी) केंद्र स्थित सम्मेलन कक्ष में 11 एवं 12 अगस्त 2026 को तन्मात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष दो दिवसीय सत्र के अंतर्गत ए4 से ए7 श्रेणी की 24 महिला अधिशासियों हेतु परिचालन 2.0 : पुनर्समीक्षा एवं पुनर्समझ विषय पर ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व तन्मात्रा कार्यक्रम का आयोजन 22 जुलाई को किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला अधिकारियों में इस्पात निर्माण की संपूर्ण प्रक्रियाओं, तकनीकी कौशल और प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की समझ को और अधिक सशक्त बनाना है। इस पहल के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) तथा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) द्वारा किया गया। इसके पश्चात विशेषज्ञों द्वारा कोक मेकिंग, सिंटर मेकिंग, आयरन मेकिंग, स्टील मेकिंग, हॉट रोलिंग तथा कोल्ड रोलिंग प्रक्रियाओं पर विस्तृत तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इसके साथ ही गुणवत्ता से जुड़े पहलुओं, ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक एवं शासन) की अवधारणाओं तथा दैनिक परिचालन में उनकी प्रासंगिकता से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। सत्र के दौरान वास्तविक समय की परिचालन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता को सुदृढ़ बनाने तथा संयंत्र में संचालित डिजिटल रूपांतरण पहलों पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। दो दिवसीय गहन विचार-विमर्श के पश्चात कार्यक्रम का औपचारिक समापन वैलेडिक्ट्री (समारोप) सत्र के साथ हुआ। यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की अपनी महिला कार्यपालकों के तकनीकी सशक्तीकरण, नेतृत्व क्षमता के विकास तथा समावेशी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। गुणवत्ता-केंद्रित दृष्टिकोण, ईएसजी जागरूकता और डिजिटल दक्षता को सुदृढ़ करने वाली यह पहल संयंत्र के मानव संसाधन को और अधिक सक्षम बनाकर परिचालन उत्कृष्टता और सांगठनिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

पांच दिवसीय बैंकिंग कार्यदिवस की मांग को लेकर चास-बोकारो में बैंककर्मियों का प्रदर्शन

बोकारो : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले बुधवार को चास-बोकारो के बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग कार्यदिवस लागू करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में बैंककर्मियों ने नया मोड़ स्थित केनरा बैंक, बोकारो स्टील सिटी शाखा के सामने एकत्र होकर सरकार से जल्द निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शन में महिला बैंककर्मियों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। यूएफबीयू में बैंकों में कार्यरत विभिन्न यूनियनें शामिल हैं। इनमें एआईबीए, एआईबीओसी, एनसीबीई, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी प्रमुख हैं। संगठन की ओर से बताया गया कि पांच दिवसीय बैंकिंग कार्यदिवस लागू करने की मांग को लेकर देशभर में आंदोलन चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को देश के सभी राज्यों की राजधानियों और प्रमुख केंद्रों पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि भारतीय बैंक संघ और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अधिकारियों की ओर से पांच दिवसीय कार्यदिवस लागू करने को लेकर कई बार आश्वासन दिया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बैंककर्मियों ने इसे उनके साथ किया जा रहा बड़ा मजाक बताया। यूएफबीयू नेताओं का कहना है कि पांच दिवसीय बैंकिंग कार्यदिवस लागू होने से कर्मचारियों की कार्यक्षमता में गुणवत्तापूर्ण सुधार होगा और ग्राहकों को भी बेहतर सेवा मिल सकेगी। इसके बावजूद सरकार की ओर से इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया जा रहा है। संगठन ने बताया कि मांग को लेकर पहले भी कई प्रदर्शन और धरने किए जा चुके हैं। इसके अलावा 27 जनवरी 2026 को एक दिवसीय सफल हड़ताल भी की गई थी। हड़ताल के बाद भारतीय बैंक संघ की ओर से जल्द पांच दिवसीय कार्यदिवस लागू करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक इस पर अमल नहीं हुआ है। प्रदर्शन के दौरान यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने भारत सरकार से पांच दिवसीय बैंकिंग कार्यदिवस को जल्द लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की इस मांग पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो यूएफबीयू के निर्णय के अनुसार आंदोलन को और व्यापक एवं तीव्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुधवार का प्रदर्शन सरकार को यह संदेश देने के लिए किया गया है कि बैंककर्मियों की मांग को अब और लंबित नहीं रखा जा सकता। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समुचित निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और जोरदार तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। प्रदर्शन को राजेश ओझा, कृष्ण मुरारी, सुधीर कुमार, अरुण कुमार, राकेश मिश्रा, राघव कुमार सिंह, अवधेश प्रसाद, राजीव कुमार सिंह और अतुल दुबे सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

झारखंड के बोकारो में दहेज हत्याकांड में पति को सश्रम आजीवन कारावास

बोकारो : झारखंड में बोकारो जिले अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) गरिमा मिश्रा की अदालत ने दहेज हत्या कांड मे पति को सश्रम आजीवन कारावास की सजा और ?20000 जुमार्ना का सजा सुनाया है। विशेष लोग अभियोजन राकेश कुमार राय में आज यहां बताया कि बोकारो जिले के पुपुनकी गांव निवासी उमेश गोप की शादी विगत वर्ष 2014 में धनबाद जिले के महुदा थाना क्षेत्र के भूरूगिया गांव निवासी रिंकी देवी के साथ में हुई थी ।शादी के बाद एक पुत्र और एक पुत्री का जन्म हुआ । पुत्री के जन्म के बाद द्वारा पति दो लाख रुपया और एक मोटरसाइकिल दहेज के रूप में मांग किया जाने लगा। नहीं देने पर उसके साथ अत्याचार किया जाने लगा। पीड़िता रिंकी देवी ने उस मामले को लेकर धनबाद न्यायालय में एक मुकदमा दायर किया था । विगत 22 फरवरी 2024 को उमेश अपनी पत्नी के पास गया और उसे ठीक से रखने का वादा कर उसे फिर अपना घर लाया और उसी रात उसने फिर अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और उसी के साड़ी से गला घोटकर उसकी हत्या कर दी।

एक नजर

विश्व हाथी दिवस पर बिरेन्द्र कुमार यादव ने किया प्रकृति संरक्षण का आह्वान

बरही : विश्व हाथी दिवस के अवसर पर कवि, शिक्षक एवं प्रकृति प्रेमी विवेकानंद विद्यालय चार माइल के प्राचार्य बिरेन्द्र कुमार यादव ने हाथियों और वन्यजीव संरक्षण को लेकर समाज से संकल्प लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि "हाथी केवल जंगल की शान नहीं, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र और प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं।" हाथी जंगल के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। बिरेन्द्र कुमार यादव ने इस विश्व हाथी दिवस पर लोगों से आग्रह किया कि हम सभी मिलकर हाथियों के प्राकृतिक आवास की रक्षा करें, अवैध शिकार का विरोध करें और मानवझ्रहाथी सह–अस्तित्व को बढ़ावा दें। आज जिस तरह जंगल की अंधाधुंध कटाई हो रही है कि हाथी जंगल से शहर गांव की कुच कर रहे हैं। इसलिए जंगल की सुरक्षा के लिए जंगल की बचाव जरूरी है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर गिद्धौर में जागरूकता शिविर आयोजित

गिद्धौर : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा के तत्वावधान में जिले के गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत आर.एस.वाई. पब्लिक स्कूल, रूपिन में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व पी.एल.वी. पवन कुमार ने किया। शिविर में स्कूली बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, नशा मुक्ति, साइबर अपराध, बाल अधिकार सहित स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर पी.एल.वी. पवन कुमार ने कहा कि शिविर का उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों एवं आदर्शों से अवगत कराना है। उन्होंने ह्यउठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त करोह्न का संदेश देते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने, चरित्र निर्माण करने तथा देश सेवा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के अलावा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

आंधी के बाद 15 घंटे गुल रही बिजली अब लो वोल्टेज ने बढ़ाई परेशानी

मयूरहंड : चतरा जिले के मयूरहंड प्रखंड अंतर्गत करमा एवं मझगांव पंचायत में बिजली व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार को बारिश के साथ आई तेज आंधी के बाद क्षेत्र में करीब 15 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। काफी इंतजार के बाद बिजली बहाल हुई, लेकिन इसके बाद लो वोल्टेज की समस्या ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बिजली फॉल्ट और पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिलने के कारण घरेलू उपभोक्ताओं के साथ–साथ दुकानदारों को भी परेशानी हो रही है। बिजली पर निर्भर उपकरण सही तरीके से काम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से मामले में तत्काल जांच कर फॉल्ट एवं लो वोल्टेज की समस्या दूर करने की मांग की है। साथ ही दोनों पंचायतों में बिजली व्यवस्था को स्थायी रूप से मजबूत करने की मांग भी उठाई है।

सिलाई-कढ़ाई व जूट क्राफ्ट इकाई को लेकर जागरूकता बैठक, 200 से अधिक महिला हस्तशिल्पकार हुईं शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड अंतर्गत राजपुर पंचायत सचिवालय में सिलाई-कढ़ाई एवं जूट क्राफ्ट लघु उत्पादन इकाई की स्थापना को लेकर हस्तशिल्पकारों के साथ एकदिवसीय जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की 200 से अधिक महिला हस्तशिल्पकारों ने भाग लिया। बैठक में उद्योग विभाग एवं मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी जिला उद्यमी समन्वयक, चतरा हेमंत केसरी ने दी। उन्होंने महिला हस्तशिल्पकारों को स्वरोजगार एवं लघु उद्यम स्थापित करने के लिए उपलब्ध योजनाओं और उनके लाभों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान लघु उत्पादन इकाई, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न कला एवं कौशल प्रशिक्षण से संबंधित योजनाओं की जानकारी साझा की गई। हस्तशिल्पकारों को सरकारी योजनाओं से जुड़कर अपने पारंपरिक कौशल को आय के स्थायी साधन में बदलने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक में बताया गया कि क्षेत्र में वर्तमान में कई महिलाएं अपने घरों में सिलाई-कढ़ाई से संबंधित कार्य कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर सिलाई-कढ़ाई एवं जूट क्राफ्ट की लघु उत्पादन इकाई स्थापित होने से इन गतिविधियों को संगठित स्वरूप देने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलने के साथ रोजगार बढ़ाने और पलायन कम करने में भी सहयोग मिलने की उम्मीद जताई गई। बैठक के दौरान हस्तशिल्पकारों ने योजनाओं एवं लघु उत्पादन इकाई की स्थापना से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों एवं समन्वयकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड के प्रखंड उद्यमी समन्वयक के रूप में कान्हाचट्टी से अरविंद कुमार, इटखोरी से पिंटू कुमार यादव, पत्थलगड़ा से राहुल कुमार एवं सिमरिया से योगेश्वर मछुआ के अलावा राजपुर पंचायत के मुखिया विकास कुमार, सांसद प्रतिनिधि (उद्योग विभाग, चतरा) चंदन कुमार केसरी, पीएम विद्यालय राजपुर के अध्यक्ष सुधीर कुमार पासवान एवं बीके प्लस टू हाई स्कूल के प्रधानाचार्य पवन कुमार चौधरी समेत 200 से अधिक महिला हस्तशिल्पकार मौजूद रहीं।

ज्ञानोदय विकास स्कूल में नशा मुक्ति अभियान विद्यार्थियों व शिक्षकों ने ली नशा-मुक्त समाज की शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ज्ञानोदय विकास स्कूल में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समस्त विद्यालय परिवार ने नशे से दूर रहने तथा समाज को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सभी ने शपथ लेते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के लोगों को भी नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक करेंगे। विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार की खुशहाली और समाज के विकास में भी बड़ी बाधा बनता है। विशेष रूप से युवाओं को नशे से बचाकर ही स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। मौके पर विद्यालय परिवार ने नशा छोड़ें, जीवन जोड़ें का संदेश देते हुए समाज के सभी लोगों से नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से कार्यक्रम प्रभावी और प्रेरणादायक बना। ज्ञानोदय विकास स्कूल की यह पहल युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

बाहरी वाहनों के परिचालन के विरोध में स्थानीय हाइवा मालिकों का आंदोलन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा : टंडवा प्रखंड क्षेत्र में संचालित एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा परियोजना से निकलने वाली फ्लाई ऐश की ढुलाई में बाहरी वाहनों के परिचालन तथा आम्रपाली, मगध और केडी चट्टी-बरियातू परियोजना में बाहरी वाहनों की एंट्री को लेकर स्थानीय वाहन मालिकों में नाराजगी है। विस्थापित प्रभावित हाइवा ऑनर एसोसिएशन के बैनर तले टंडवा, केरेडारी, सिमरिया एवं कटकमसांडी क्षेत्र के वाहन मालिकों ने बाहरी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने की मांग को लेकर अपने-अपने वाहन खड़े कर दिए हैं। मंगलवार से शुरू हुए विरोध के दूसरे दिन चुंदरू धाम परिसर में टंडवा, आम्रपाली और केरेडारी क्षेत्र के वाहन मालिकों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुकेश साहु ने की, जबकि संचालन विजय साहु ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक बाहरी टिप-ट्रेलर वाहनों का परिचालन बंद नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और वाहन खड़े रखे जाएंगे। केरेडारी ऑनर संघ के सरोज साहु ने आरोप लगाया कि बाहरी बिचौलिए एनटीपीसी परियोजना क्षेत्र में आकर फ्लाई ऐश की ढुलाई में बाहरी वाहनों का परिचालन करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय वाहन मालिकों के हक और अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। टंडवा ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश साहु ने कहा कि टंडवा-सिमरिया मुख्य पथ पर क्षमता से अधिक संख्या में टिप-ट्रेलरों का परिचालन हो रहा है। उनके अनुसार, इससे सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के साथ प्रदूषण का स्तर भी चिंताजनक हो गया है। वहीं हेमराज साहु ने जिला प्रशासन से मांग की कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं एवं प्रदूषण को देखते हुए केरेडारी-बड़कागांव मुख्य पथ से कोयला वाहनों का परिचालन शुरू कराया जाए, ताकि टंडवा-सिमरिया मार्ग पर वाहनों का दबाव कम हो सके। बैठक में विजय साहु, महावीर साहु, सकेन्द्र साहु, पवन कुमार, बहादुर कुमार, लखन महतो, सुनील सुंडी समेत कई वाहन मालिक उपस्थित थे। वाहन मालिकों ने सिमरिया में सड़क दुर्घटनाओं एवं प्रदूषण के खिलाफ चल रहे सर्वदलीय आंदोलन को भी समर्थन दिया है। वाहन मालिक संघ के सरोज साहु ने कहा कि झामुमो नेता मनोज चंद्रा के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन क्षेत्र के लोगों की जान-माल की सुरक्षा से जुड़ा है।

आंदोलन को समर्थन देने के लिए गोंदलपुरा पहुंचे भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत ग्राम गोंदलपुरा में 1200 से अधिक दिनों से रैयत कोल खनन कंपनियों के आवंटन को रद्द कराने को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। रैयतों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य गोंदलपुरा स्थित धरना स्थल पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा के हम लोग एनटीपीसी बादम कोल खनन परियोजना, जेएसडब्लू मोतरा कोल खनन परियोजना, अदाणी गोंदलपुरा कोल खनन परियोजना सहित अन्य कोल खनन परियोजना को रद्द कराने के लिए 1217 दिनों से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी जमीन बहु फसलीय है। यहां हाथियों का कॉरिडोर है, जंगलों में विभिन्न प्रकार के जीव जंतु का वास है साथ ही विभिन्न प्रकार के पौधे और वृक्ष हैं। यहां की नदी दामोदर घाटी का उदगम नदी है। हमारे आंदोलन को दबाने के लिए 40 से अधिक फर्जी मुकदमा किसानों के ऊपर किया गया है। जिसमें लगभग 600 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। कई लोग जेल गए और वर्तमान में भी तीन लोग जेल में बंद हैं। हम लोग किसी भी कंपनी को जमीन नहीं देंगे, साथ ही यहां पर किसी भी कोल खनन कंपनी को स्थापित नहीं होने देंगे। ग्रामीणों की बातों को सुनने के बाद कामरेड दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा हम आज यहां की स्थिति से अवगत होने और यहां के किसान के आंदोलन को समर्थन देने के लिए आए हैं। शीतकालीन सत्र में लोकसभा और विधानसभा में माले के सांसद और विधायक के द्वारा यहां की आवाज को उठाने का काम करेंगे। सितंबर में पंजाब में किसानों का बड़ा कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। वहां भी यहां के किसानों के द्वारा किए जा रहे आंदोलन की बात उठाऊंगा। यहां का आंदोलन पूरे देश के लिए मिसाल है। इतने लंबे समय तक सामूहिक आंदोलन कहीं भी नहीं हुआ है। मौके पर मुख्य रूप से उत्तराखंड से कैलाश पांडेय, जेएनयू के कामरेड विस्मय, समाजसेवी नकुल महतो,कामरेड हल्दर महतो, बी एन सिंह, आइसा के राज्य सचिव त्रिलोकी नाथ, माले के झारखंड राज्य सचिव मनोज भक्त, पूर्व विधायक राजकुमार यादव सहित सैंकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

चतरा कॉलेज में बीसीए नामांकन की प्रक्रिया जारी, 16 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

चतरा : चतरा कॉलेज के बीसीए संभाग में शैक्षणिक सत्र 2026–29 के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक छात्र–छात्राएं 16 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। चांसलर पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के लिए 500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार झा ने बताया कि बीसीए तीन वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम है। कंप्यूटर शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह बेहतर अवसर है। उन्होंने इच्छुक विद्यार्थियों से निर्धारित तिथि के अंदर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

ज्वेलर्स लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, चप्पल से भी मिली अहम सुराग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : जिले के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्तूरबा विद्यालय प्रतापपुर मोड़, जोरी के समीप सरस्वती ज्वेलर्स के मालिक मृत्युंजय कुमार वर्मा से हुई लूटपाट और फायरिंग की घटना का पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से अपराधियों के भागने के दौरान छूटे चप्पल भी बरामद किए थे। इनमें एक जोड़ी चप्पल गिरफ्तार आरोपी अमित कुमार की बताई गई है। उक्त जानकारी बुधवार को पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय सुनील कुमार सिंह ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। डीएसपी ने बताया कि 7 अगस्त की रात करीब 8 बजे सरस्वती ज्वेलर्स के मालिक मृत्युंजय कुमार वर्मा कस्तूरबा विद्यालय प्रतापपुर मोड़, जोरी के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाकर मोबाइल फोन और सोने की चेन लूट ली। दहशत फैलाने के उद्देश्य से अपराधियों ने फायरिंग भी की और मौके से फरार हो गए। घटना को लेकर वशिष्ठ नगर थाना में कांड संख्या 117/2026 के तहत धारा 309(6)/311 बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। डीएसपी ने बताया कि एसपी अनिमेष नैथानी के निर्देश पर उनके नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था। टीम द्वारा अपराधियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में 11 अगस्त को अमित कुमार, बीटु कुमार एवं रोहित कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अमित कुमार की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार एवं अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित कुमार पिता अजय दास, ग्राम परासिया, थाना हंटरगंज, चतरा; बीटु कुमार पिता राजू दास, ग्राम छोटकी जोरी, थाना वशिष्ठ नगर, चतरा तथा रोहित कुमार पिता रामरतन भारती, ग्राम करैलीबार, थाना वशिष्ठ नगर, चतरा के रूप में हुई है। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अमित कुमार का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ हंटरगंज थाना में वर्ष 2021 में डकैती से संबंधित मामला दर्ज है।

संक्षिप्त खबरें

15 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार, भेजे गए जेल

चतरा : सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत जितनी मोड़ के समीप बैहराटांड़ खाली मैदान के पास पुलिस ने छापेमारी कर 15 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों में केसरी चौक के कुंजरटोली निवासी मो. राजा उर्फ तालिम एवं असढ़िया गांव निवासी आदित्य कुमार यादव शामिल हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। उक्त जानकारी सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बुधवार को थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि बैहराटांड़ के खाली मैदान में दो–तीन लोग ब्राउन शुगर की खरीद–बिक्री कर रहे हैं। सूचना के बाद तत्काल छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की और दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आदित्य कुमार यादव के पास से 13.35 ग्राम तथा मो. राजा उर्फ तालिम के पास से 1.58 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। इस संबंध में सदर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी के अनुसार, गिरफ्तार दोनों युवकों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। आदित्य कुमार यादव के खिलाफ सदर थाना में एक मामला, जबकि मो. राजा के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। दोनों आरोपी पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। छापामारी टीम में एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में थाना प्रभारी अनिल उरांव, पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार, एएसआई प्रवीण कुमार सहित जिला बल के जवान शामिल थे।

तेज आंधी-बारिश ने मयूरहंड में मचाई तबाही, कई घर क्षतिग्रस्त

मयूरहंड : मयूरहंड प्रखंड के करमा पंचायत अंतर्गत सेवाल एवं लराही गांव में मंगलवार देर शाम आई तेज आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। प्राकृतिक आपदा के कारण कई घरों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी है। ग्राम लराही निवासी बालेश्वर यादव, भुनेश्वर रविदास, रामेश्वर यादव एवं किरण देवी के घरों को भी आंधी–बारिश से नुकसान पहुंचा है। वहीं, इसी गांव के निवासी इन्द्रदेव चंद्रवंशी का घर तेज आंधी की चपेट में आने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घर का रसोईघर भी टूट गया। इसके अलावा करीब 6025 फीट क्षेत्रफल में बना मुर्गी फार्म भी तेज हवा के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घर में लगी बड़ी सोलर प्लेट भी टूट गई। भारी बारिश के कारण घर में पानी भर गया, जिससे परिवार के सामने रहने और घरेलू सामान को सुरक्षित रखने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। अचानक आई प्राकृतिक आपदा से पीड़ित परिवारों को काफी नुकसान हुआ है। पीड़ितों ने मयूरहंड बीडीओ मनीष कुमार से नुकसान का जायजा लेते हुए सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द क्षति का आकलन कर राहत एवं उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

बारीसाखी पंचायत में मुख्यमंत्री विकास योजना को लेकर विशेष ग्रामसभा

गिद्धौर : चतरा जिले के गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बारीसाखी पंचायत भवन में वित्तीय वर्ष 2026–27 को लेकर मुख्यमंत्री विकास योजना के तहत विभिन्न योजनाओं के चयन के लिए विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया। ग्रामसभा की अध्यक्षता मुखिया सुमीरा कुमारी ने की, जबकि संचालन पंचायत समिति प्रतिनिधि परमेश्वर रविदास ने किया। ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों की मौजूदगी में गाय, बकरी, सूअर एवं अन्य पशुधन से संबंधित योजनाओं के लिए लाभुकों के चयन की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान ग्रामीणों को योजनाओं के उद्देश्य एवं लाभ के संबंध में भी जानकारी दी गई। मौके पर उप मुखिया विकास कुमार पांडेय, समाजसेवी प्रसादी पासवान, मुखिया प्रतिनिधि दिनेश भारती, रजनी देवी, मनोज रविदास, विजय रजक, कर्मधारी रजक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एनएमएमएसएस परीक्षा में माधवी ने हासिल किया जिले में दूसरा स्थान

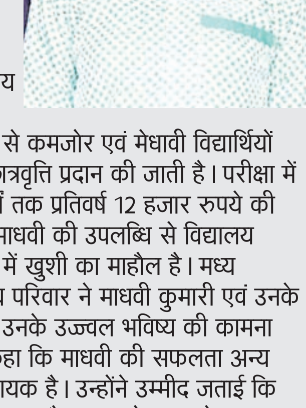

प्रतापपुर : राष्ट्रीय आय–सह–मेधा छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) के तहत आयोजित परीक्षा 2025–26 में मध्य विद्यालय प्रतापपुर की कक्षा आठवीं की छात्रा माधवी कुमारी, पिता सुशील कुमार पाण्डेय, ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चतरा जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उनकी सफलता से विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। राष्ट्रीय आय–सह–मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को चार वर्षों तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। माधवी की उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। मध्य विद्यालय प्रतापपुर के विद्यालय परिवार ने माधवी कुमारी एवं उनके माता–पिता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय परिवार ने कहा कि माधवी की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि माधवी आगे भी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ बेहतर प्रदर्शन करती रहेंगी।

भारत की ये झीलें जन्नत से नहीं है कम, इस गर्मी ट्रैवल बकेट लिस्ट में करें शामिल

अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो आज हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में लगभर हर कोई ठंडी जगहों या समुद्र तटीय क्षेत्रों पर जाना ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा इस मौसम में झीलों का नजारा भी देखने लायक होता है। ठंडी-ठंडी हवाओं के बीच झीलों को देखना काफी ज्यादा अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

बड़ी लेक

राजस्थान के माउंट आबू में मीठे पानी की एक विशाल झील है। इसको बड़ी लेक के नाम से भी जाना जाता है। गर्मियों में यहां का नजारा बेहद खूबसूरत होता है। बताया जाता है कि बड़ी लेक को खुद भगवान ने बनाया था। हर साल यहां पर बड़ी संख्या में लोग अपनी छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए आते हैं।

नैनी झील

नैनीताल के लोगों के लिए नैनी झील काफी ज्यादा फेमस है। नैनी झील को नैनीताल झील के नाम से भी जाना जाता है। नैनी झील में आप नौकायन यानी की नाव की सवारी का आनंद ले सकते हैं। हर साल यहां पर देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

हुसैन सागर झील

वहीं हैदराबाद में हुसैन सागर झील है, जोकि देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगती है। बताया जाता है कि इस हुसैन झील के तट पर गोलकुंडा और मुगलों के बीच संधि हुई थी। इसके साथ ही इस लेक में बुद्ध देवता की विशाल मूर्ति है। गर्मियों में हुसैन सागर झील का नजारा देखने लायक होता है।

लोकटक झील

लोकटक झील मणिपुर में है और यह झील पर्यटकों के बीच काफी ज्यादा फेमस है। इस झील को फ्लोटिंग झील के नाम से भी जाना जाता है। बताया जाता है कि लोकटक झील दुनिया की इकलौती ऐसी लेक है, जोकि तैरती हुई दिखाई देती है। ऐसे में अगर आप गर्मियों में मणिपुर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको एक बार लोकटक झील देखने जरूर जाना चाहिए।

टारसर झील

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में टारसर झील मौजूद है, जोकि काफी ज्यादा खूबसूरत है। यह झील पर्वतीय इलाके में जमीन से करीब 3,795 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। टारसर झील के आसपास बड़े-बड़े पहाड़ हैं, जोकि दिखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं।

प्रकृति, इतिहास और आध्यात्म का अद्भुत संगम है शिवपुरी

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी मध्य प्रदेश का एक सुरम्य और ऐतिहासिक नगर है, जो अपनी हरियाली, प्राचीन स्मारकों, राजसी विरासत और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर एक समय में सिंधिया राजवंश की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा है और आज यह पर्यटकों के लिए एक शांत, सुंदर और विविध अनुभव प्रदान करता है।

शिवपुरी का ऐतिहासिक परिचय

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. माधव राष्ट्रीय उद्यान

शिवपुरी का सबसे प्रसिद्ध स्थल। यह राष्ट्रीय उद्यान कभी सिंधिया राजाओं का शिकार क्षेत्र हुआ करता था। अब यह बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, नीलगाय, मगरमच्छ, और अनेक पक्षियों का निवास स्थान है। यह प्रकृति प्रेमियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग है।

2. सिंधिया की छतरियाँ

सिंधिया राजाओं और रानियों की याद में बने ये संगमरमर के स्मारक भारतीय और मुगल वास्तुकला के सुंदर मिश्रण का उदाहरण हैं। यहाँ की कलाकृति, मेहराबें और जालीदार खिड़कियाँ देखने योग्य हैं।

3. माधव विलास महल

यह एक भव्य शाही महल है, जहाँ सिंधिया परिवार गर्मियों में रहा करता था। ऊँचाई पर स्थित यह महल अपने बगीचों, झरोखों और शाही वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

4. सागर तालाब और भदैया कुंड

शिवपुरी के यह जल स्रोत प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आस्था से भी जुड़े हुए हैं। यहाँ बैठकर आप शांति का अनुभव कर सकते हैं।

5. नरवर किला

शिवपुरी से लगभग 40 किमी दूर स्थित यह प्राचीन किला 10वीं शताब्दी में बना था और चंदेल, परमार, तोमर, और मुगलों के अधीन रहा। किले से आसपास का मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

धार्मिक स्थल

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर – एक प्राचीन शिव मंदिर जो स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत पूजनीय है।

छत्री मंदिर परिसर – यहाँ भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियाँ स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण हैं।

क्या करें?

वन सफारी – माधव राष्ट्रीय उद्यान में सुबह या शाम की सफारी जरूर लें।

फोटोग्राफी – प्रकृति, इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम आपको कैमरे से दूर नहीं रहने देगा।

स्थानीय भोजन – यहाँ का पारंपरिक मालवी और बुंदेली खाना जरूर चखें।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशन- शिवपुरी रेलवे स्टेशन, ग्वालियर (110 किमी)

निकटतम हवाई अड्डा- ग्वालियर

सड़क मार्ग- ग्वालियर, झाँसी, भोपाल और इंदौर से सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है

ठहरने की व्यवस्था

शिवपुरी में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स, लॉज और कई निजी होटल उपलब्ध हैं। यदि आप प्रकृति के करीब रहना चाहते हैं, तो माधव राष्ट्रीय उद्यान के पास रिसॉर्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच का मौसम शिवपुरी घूमने के लिए सबसे उपयुक्त है। इस समय तापमान सुखद होता है और वन्यजीव भी अधिक दिखते हैं।

शिवपुरी एक ऐसा स्थल है जहाँ इतिहास के पदचिन्ह, राजसी भव्यता, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति— सब एक साथ मिलते हैं। यह पर्यटन के शोरगुल से दूर, आत्मिक और सुकून भरी यात्रा के लिए आदर्श स्थल है। यदि आप मध्य प्रदेश की अनदेखी विरासत को महसूस करना चाहते हैं, तो शिवपुरी की यात्रा जरूर करें।

खूबसूरत तैमारा घाटी का खौफनाक रहस्य, यहां आते ही बदल जाता है मोबाइल का वक्त

झारखंड की खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं। झारखंड भारत का एक प्रमुख और खूबसूरत राज्य है। यह राज्य साल 2000 में बिहार से अलग होकर देश का 28वां राज्य बना था। आज झारखंड पूरे भारत का एक खनिज समृद्ध राज्य माना जाता है। झारखंड घने जंगलों, कोयला खदानों और बेहतरीन पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। झारखंड की पतरानू घाटी, हुंडरू, टैगोर हिल और दशम वॉटरफॉल, नेतरहाट और तोपचांची झील जैसी खूबसूरत जगहों के बारे में हर कोई जानता है।

इन खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

तैमारा घाटी

तैमारा घाटी एक डरावनी जगह मानी जाती है, जोकि रांची-जमशेदपुर हाईवे यानी एनएच-33 पर है। यह जगह राजधानी रांची से करीब 30 किमी की दूरी पर है। हाइवे पर होने के कारण तैमारा घाटी को %मौत का हाइवे% के नाम से भी जानी जाती है। यह हाइवे घने जंगलों के बीच में है, जिसकी वजह से यह काफी डरावना लगता है।

तैमारा घाटी की घटनाएं

तैमारा घाटी की एक नहीं बल्कि कई घटनाएं प्रचलित हैं। यह घाटी देखने में तो काफी मनमोहक लगती है। लेकिन यह घाटी कई मौतों की गवाह भी बन चुकी है। बताया जाता है कि इस घाटी गुजरने पर टाइम और तारीख अपने आप बदल जाती है।

तैमारा घाटी को लेकर एक अन्य कहानी है कि जंगलों के बीच से जब गाड़ी गुजरती है, तो उस गाड़ी की स्पीड मीटर खुद ब खुद बदल जाती है। वहीं माना जाता है कि रात के समय इस घाटी से अजीबो-गरीब आवाजें आती रहती हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि डर के कारण लोग रात में अकेले इस घाटी से गुजरना नहीं चाहते हैं।

तैमारा घाटी की डरावनी कहानियां

इस घाटी की सबसे डरावनी कहानियों में फेमस कहानी मोबाइल में डेट और समय का बदल जाना है। कई लोगों का इस घाटी के बारे में मानना है कि जब कोई यहां से गुजरता है तो उसके मोबाइल में साल, डेट और समय अपने आप बदल जाता है।

ऐसा होने के पीछे लोग कुछ और कहानी भी बताते हैं। लोगों का मानना है कि तैमारा घाटी से कुछ ही दूरी पर मैग्नेटाइज्ड रॉक है। जिसकी वजह से यह समस्या होती है। वहीं एक अन्य कारण यह भी है कि इसी घाटी से कर्क रेखा गुजरती है, जिस वजह से यह समस्या होती है।

तैमारा घाटी घूमने जाते हैं पर्यटक

बता दें कि झारखंड की राजधानी रांची से करीब 30 किमी दूर स्थित तैमारा घाटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर भीषण गर्मी में भी ठंडी-ठंडी हवाएं चलती हैं। ऐसे में पर्यटक भी तैमारा घाटी घूमने के लिए पहुंचते हैं। मानसून के समय पर्यटक दूर-दूर से यहां पर लॉन्ग ड्राइव के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस घाटी की खूबसूरती देखने लायक होती है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन घोषित, हेजलवुड-लियोन की वापसी

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन

जेक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन और जोश हेजलवुड।

बांग्लादेश की टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान) , मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजिद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीट हसन, जाकेर अली, तैजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी और मुशफिक हसन।

एजेंसी

डार्विन : ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्कॉट बोलैंड को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और हेजलवुड एक बार फिर साथ नजर आएगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बोलैंड पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। हेजलवुड करीब आठ महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन भी टीम में लौटे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह एशेज के अंतिम चरण में नहीं खेल पाए थे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी जगह बरकरार रखी है और उनके साथ ब्यू वेबस्टर भी टीम में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला किया है। बोलैंड ने पिछली गर्मियों में एशेज श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट खेले थे। उस दौरान कमिंस, हेजलवुड और लियोन के अलग-अलग समय पर उपलब्ध नहीं रहने के कारण उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, आने वाले व्यस्त कार्यक्रम में बोलैंड ऑस्ट्रेलिया की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया के 21 टेस्ट तक खेलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 13 से 17 अगस्त तक डार्विन के मरारा स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 22 से 26 अगस्त तक मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में होगा। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा है। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया दूसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर है।

मॉन्ट्रियल ओपनः बेन शेल्टन का शानदार प्रदर्शन जारी, बिना सेट गंवाए सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

मॉन्ट्रियल : गत चैंपियन अमेरिका के बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन टेनिस टूर्नामेंट (मॉन्ट्रियल ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के याकुब मेन्सिक को लगातार सेटों में 6-3, 6-1 से हराया। 23 वर्षीय शेल्टन ने इस साल के कनाडाई एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार चौथी जीत दर्ज की और चारों मुकाबलों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। मेन्सिक के खिलाफ शेल्टन ने 18 विनर्स लगाए और सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए। उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर 89 प्रतिशत अंक जीते। मुकाबले में उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। शेल्टन ने मैच के दौरान 147 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सर्विस भी की। जीत के बाद शेल्टन ने कहा, यह शानदार लगा। मैं अपनी रिटर्न गेम से बहुत खुश था। ग्राउंड से जिस तरह मैंने पहले अंक से खेला, मैं इसी स्तर का प्रदर्शन करना चाहता हूं। पूरे मैच के दौरान मैं जिस स्तर को बनाए रखने में सफल रहा, उससे मैं बेहद खुश हूं। उम्मीद है कि सेमीफाइनल में भी इस प्रदर्शन को आगे बढ़ा पाऊंगा। मॉन्ट्रियल टूर्नामेंट के ड्रॉ में बचे एकमात्र शीर्ष-10 खिलाड़ी शेल्टन का सेमीफाइनल में अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त लर्नर टीएन से मुकाबला होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक दो मुकाबले हुए हैं और दोनों में टीएन ने जीत दर्ज की है। इस साल इंडियन वेल्स के दूसरे दौर में भी टीएन ने शेल्टन को हराया था। टीएन ने क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेरिडा को 6-3, 6-2 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। 20 वर्षीय टीएन ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया। टीएन ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल खेला था। इसके बाद इंडियन वेल्स में पहली बार मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और जेनेवा में अपने करियर का पहला क्ले कोर्ट खिताब भी जीता।

रॉटरडैम डॉकर्स की जर्सी लॉन्च, जोंटी रोड्स और जॉन अब्राहम ने किया अनावरण

एजेंसी

मुंबई : यूरोप में क्रिकेट को नई पहचान देने की तैयारी कर रही यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र से पहले रॉटरडैम डॉकर्स ने अपनी आधिकारिक जर्सी लॉन्च कर दी है। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में टीम के सह-मालिक और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स, अभिनेता एवं सह-मालिक जॉन अब्राहम और फ्रेंचाइजी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मधुकर श्री की मौजूदगी में जर्सी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर फ्रेंचाइजी ने फायरफ्लाइज डॉट एआई को अपना आधिकारिक जर्सी पार्टनर बनाने की घोषणा भी की। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ कृष्ण रमीनेनी रॉटरडैम डॉकर्स के फाउंडिंग इन्वेस्टर के रूप में भी टीम से जुड़ गए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य क्रिकेट, तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है। जोंटी रोड्स ने कहा कि रॉटरडैम यूरोप का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और डॉकर्स की कोशिश यूरोप में क्रिकेट के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने की होगी। उन्होंने खास तौर पर नीदरलैंड्स सहित यूरोप के युवा क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और सीखने का अवसर देने की बात कही। जॉन अब्राहम ने कहा कि ईटीपीएल के जरिए नीदरलैंड्स, आयरलैंड और स्कॉटलैंड में जमीनी स्तर पर क्रिकेट प्रतिभाओं को विकसित करने का अवसर मिलेगा। उनका मानना है कि इस लीग से क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है।

औरैया के लाल आर्यन सिंह राजावत ने नेपाल में जीता गोल्ड

एजेंसी

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल क्षेत्र के ग्राम मुड़ैना रूपशाह निवासी 15 वर्षीय युवा फुटबॉल खिलाड़ी आर्यन सिंह राजावत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2082 की अंडर-18 फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्यन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। आर्यन, अजीत सिंह राजावत एवं अंजू सिंह के पुत्र हैं।

नेपाल में शानदार प्रदर्शन के बाद अब उनका चयन थाईलैंड चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आर्यन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। चैंपियनशिप का आयोजन 27 से 31 अगस्त 2026 तक बैंकॉक में किया जाएगा। आर्यन अब भारत की जर्सी में मैदान पर उतरकर देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारी में जुटे हैं। आर्यन की इस सफलता में उनके प्रशिक्षक राकेश सरसैया के मार्गदर्शन के साथ मां कंकेश्वरी स्पोर्ट्स, इंदौर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परिवार की ओर से उनकी बहन वांशिका लगातार उनका उत्साह बढ़ा रही हैं। परिजनों का सहयोग और प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन आर्यन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहा है ।नेपाल में गोल्ड मेडल जीतने के बाद आर्यन के थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करने की खबर से परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने आर्यन की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

डीपीएल : सार्थक और वैभव के शानदार अर्धशतकों से नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

नई दिल्ली : सार्थक रंजन और वैभव कंडपाल की शानदार पारियों की बदौलत नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार देर रात तक चले मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 147 रन का लक्ष्य महज दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की टीम नॉर्थ दिल्ली के गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी के सामने 20 ओवर में 146/7 रन ही बना सकी। लायंस ने शुरूआती विकेट के लिए 36 रन जोड़े, लेकिन अंकित कुमार के 10 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट होने के बाद टीम का मध्यक्रम लड़खड़ा गया।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने लगातार विकेट चटकाते हुए वेस्ट दिल्ली का स्कोर 59/5 कर दिया। इसके बाद मयंक गुसाईं और सोमबीर श्योकंद ने छठे विकेट के लिए 68 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। श्योकंद ने 24 गेंदों पर 34 रन बनाए, जबकि गुसाईं 28 गेंदों पर 42 रन बनाकर नाबाद रहे। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से मयंक डागर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 14 रन देकर दो विकेट हासिल किए। 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने धमाकेदार शुरूआत की। कप्तान सार्थक रंजन और वैभव कंडपाल ने पहले विकेट के लिए 106 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को जीत की राह पर डाल दिया। सार्थक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों पर 57 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद भी वैभव ने अपना आक्रामक अंदाज जारी रखा। उन्होंने 43 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और पूरे मुकाबले में अपने दबदबे का शानदार प्रदर्शन किया।

फिटनेस के साथ प्रदूषण और ट्रैफिक का भी समाधान है साइकिल : खेल मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को दिल्ली में हर घर तिरंगा साइकिल रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना न केवल फिटनेस को बढ़ावा देता है, बल्कि प्रदूषण और यातायात जैसी समस्याओं से निपटने में भी मददगार हो सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय से आयोजित इस रैली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान पत्रकारों से बातचीत में डॉ. मांडविया ने कहा, दिल्ली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हर घर तिरंगा साइकिल रैली के माध्यम से देश को फिटनेस का संदेश दिया है। किसी भी देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि

देश के नागरिक स्वस्थ रहें। उन्होंने साइकिल चलाने के व्यापक लाभों पर जोर देते हुए कहा, साइकिल फिटनेस का संदेश है, साइकिल प्रदूषण का समाधान है और साइकिल यातायात की समस्या का भी समाधान है। स्वतंत्रता दिवस के आसपास आयोजित कार्यक्रमों के तहत डॉ. मांडविया ने मायभारत स्वयंसेवकों के साथ हर घर तिरंगा रैली में भी हिस्सा लिया। इससे पहले सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्राओं और तिरंगा रैलियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की थी। उन्होंने इसे भारत की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताते हुए विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से जोड़ने का आह्वान किया। अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान हमारे राष्ट्र की सामूहिक शक्ति का प्रतिबिंब है। यह हमें विकसित भारत के निर्माण के संकल्प में एकजुट करता है। इस वर्ष यह अभियान वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर से जुड़ा है, जिससे हर देशभक्त के लिए इसका महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने नागरिकों से तिरंगा यात्राओं, तिरंगा रैलियों और सामूहिक रूप से वंदे मातरम् के गायन में भाग लेने के साथ घरों पर तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा वेबसाइट पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त को नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के सामूहिक संकल्प को दोहराने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि तिरंगा देश का गौरव और प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा है। उन्होंने इस वर्ष के अभियान को वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित किए जाने पर भी खुशी जताई थी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत वर्ष 2022 में शुरू हुआ हर घर तिरंगा अभियान अब हर स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय परंपरा बन चुका है। इसके तहत करोड़ों नागरिक स्वेच्छा से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। इस वर्ष अभियान का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि यह वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के साथ आयोजित किया जा रहा है। देशभर में हर घर तिरंगा कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम का सामूहिक गायन भी प्रमुख हिस्सा होगा।

संक्षिप्त खबरें

चेन्नईयिन एफसी ने फ्रांस के आक्रामक मिडफील्डर मदीह तलाल से किया करार

चेन्नई : इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम चेन्नईयिन एफसी ने बुधवार को फ्रांस के आक्रामक मिडफील्डर मदीह तलाल के साथ करार करने की घोषणा की। 28 वर्षीय तलाल पिछले तीन वर्षों से भारतीय फुटबॉल में सक्रिय हैं और पंजाब एफसी, ईस्ट बंगाल एफसी तथा जमशेदपुर एफसी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। फ्रांस के फुटबॉल सिस्टम से निकले तलाल ने अपने पेशेवर करियर की शुरूआत आंजेर्स और अमियां के साथ की। इसके बाद उन्होंने स्पेन की लास रोजास और ग्रीस की एई किफिसिया के लिए भी खेला। तलाल ने 2023 में पंजाब एफसी के साथ भारतीय फुटबॉल में कदम रखा। अपने पहले भारतीय क्लब के लिए उन्होंने 22 मुकाबलों में छह गोल और 10 असिस्ट किए तथा लीग में सर्वाधिक असिस्ट करने वाले खिलाड़ी रहे। इसके बाद उन्होंने ईस्ट बंगाल एफसी और जमशेदपुर एफसी का भी प्रतिनिधित्व किया। उनकी रचनात्मकता और आक्रमण में योगदान को देखते हुए चेन्नईयिन एफसी ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया है। क्लब से जुड़ने के बाद तलाल ने कहा, चेन्नईयिन एफसी से जुड़ना मेरे लिए एक रोमांचक नया अध्याय है। आईएसएल के सबसे सफल क्लबों में से एक का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं अपने साथियों, कोचिंग स्टाफ के साथ काम शुरू करने और जुनूनी प्रशंसकों से जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, ह्लक्लब ने एक रोमांचक युवा टीम तैयार की है और मैं अपने अनुभव का योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। हम सभी मिलकर अपने लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में काम करेंगे। चेन्नईयिन एफसी की सह-मालिक वीटा दानी ने तलाल का क्लब में स्वागत करते हुए कहा, हम मदीह तलाल का चेन्नईयिन एफसी में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने अपनी निरंतरता, रचनात्मकता और महत्वपूर्ण मौकों पर प्रभाव छोड़ने की क्षमता के दम पर इंडियन सुपर लीग में मजबूत पहचान बनाई है।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20ः क्लासेन, मिलर गल्फ जायंट्स से जुड़े, ओमरजई और मुजारबानी की भी वापसी

दुबई : दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र के लिए गल्फ जायंट्स से जुड़ गए हैं। दोनों को फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया है। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी आगामी सत्र के लिए टीम में वापसी करेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 का पांचवां सत्र 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक खेला जाएगा। गल्फ जायंट्स ने 2023 में टूर्नामेंट का पहला खिताब जीता था और अब टीम दूसरी बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। गल्फ जायंट्स के मुख्य कोच साइमन हेलमोट ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा, हम डेविड और हेनरिक का गल्फ जायंट्स परिवार में स्वागत करके बेहद खुश हैं और अजमतुल्लाह तथा ब्लेसिंग को भी वापस ला रहे हैं। ये विश्वस्तरीय खिलाड़ी और मैच जिताने वाले क्रिकेटर हैं, जो हमारी टीम में काफी गुणवत्ता और गहराई जोड़ेंगे। हमने एक मजबूत आधार तैयार किया है और खिलाड़ी नीलामी के जरिए हमारे पास सत्र पांच की तैयारी के लिए टीम को पूरा करने का एक और अवसर होगा। दुनिया के बेहतरीन फिनिशरों में शामिल डेविड मिलर के पास टी-20 क्रिकेट का लंबा अनुभव है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट मिलाकर 571 टी-20 मुकाबलों में 12 हजार से अधिक रन बनाए हैं। मिलर 2022 में गुजरात टाइटंस की आईपीएल खिताबी जीत के अभियान का भी अहम हिस्सा रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के ही विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने 294 टी-20 मुकाबलों में 6,900 से अधिक रन बनाए हैं। क्लासेन डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में पहली बार इस लीग में खेलेंगे। अजमतुल्लाह ओमरजई ने पिछले सत्र में गल्फ जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 10 मैचों में 233 रन बनाने के साथ 12 विकेट भी हासिल किए थे। उनके प्रदर्शन को देखते हुए टीम ने उन्हें अगले सत्र के लिए भी बरकरार रखा है। वहीं, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी चोट के कारण पिछले सत्र में नहीं खेल सके थे। गल्फ जायंट्स के साथ 2023 में जुड़ने के बाद से उन्होंने 17 मैचों में 22 विकेट लिए हैं। 2024-25 सत्र में वह टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे और 10 मैचों में 16 विकेट हासिल किए थे। गल्फ जायंट्स अब अक्टूबर में होने वाली डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 सीजन पांच की खिलाड़ी नीलामी पर ध्यान केंद्रित करेगी, जहां टीम अपनी शेष जरूरतों को पूरा करते हुए नए सत्र के लिए पूरी टीम तैयार करेगी।

कनाडा ओपन : नाओमी ओसाका को हराकर एलेना रायबाकिना सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जापान की नाओमी ओसाका को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ओसाका ने मुकाबले की शानदार शुरूआत की और रायबाकिना की मैच की पहली ही सर्विस गेम में ब्रेक हासिल कर लिया। अगले गेम में रायबाकिना के पास वापसी का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद रायबाकिना पूरे सेट में एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और ओसाका ने पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल की। हालांकि वह शुरूआती तीन सर्विस गेम में से दो में अपनी सर्विस गंवा बैठीं, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने भी दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ी और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। रायबाकिना ने टाईब्रेक 7-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रायबाकिना जब 2-3 से पीछे थीं और उनकी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट थे, तब उन्होंने शानदार धैर्य दिखाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस कायम रखी और मुकाबले की दिशा बदल दी। इसके बाद ओसाका दबाव में नजर आईं। 3-4 से पीछे होने के बाद सर्विस गंवाने पर उन्होंने अपना रैकेट पटककर निराशा जाहिर की। रायबाकिना ने इसके बाद शानदार अंदाज में मैच समाप्त किया और लगातार तीन ऐस लगाकर जीत सुनिश्चित कर दी।

मणिपुर के कांगपोकपी में नागा गांव पर हमला, नौ मकान जलाए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हथियारबंद बदमाशों ने एक नागा गांव पर हमला कर कई मकानों में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, लियांगमाई नागा समुदाय के कम से कम नौ मकान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना मंगलवार रात करीब 9:30 बजे टोकपा लियांगमाई गांव में हुई। टोकपा लियांगमाई गांव महिका और लोअर थानबा गांवों के बीच स्थित है। देर रात हुए हमले में नौ मकानों के पूरी तरह जलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हमले के पीछे की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की पहचान तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद गांव में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कराने और क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बुधवार सुबह तक कांगपोकपी जिला प्रशासन, मणिपुर पुलिस या सुरक्षा बलों की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना है या नहीं। मणिपुर के कई हिस्सों में पहले से जारी तनाव के बीच इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु जेल में छापा मारा, रेवन्ना व दो कैदियों के पास मिले फोन

बेंगलुरु (एजेंसी)। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु स्थित परप्पना अग्रहारा जेल में छापेमारी की। छापेमारी में जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय नाम के एक अन्य कैदी के पास फोन मिले हैं। दोनों के खिलाफ परप्पना अग्रहारा जेल में प्रिजन्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा जेल के अंदर या बाहर गैर-कानूनी सामान लाने, बिना इजाजत कैदियों से बात करने या इन नियमों को तोड़ने में मदद करने पर सजा का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच अधिकारी नोटिस भेजने और आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और और जानकारी जुटा रहे हैं। डीजीपी जेल ने बताया कि मंगलवार दोपहर सीसीबी ने सभी हाई-प्रोफाइल कैदियों के यहां छापेमारी की। प्रज्वल रेवन्ना के पास से एक एंड्रॉयड फोन ज़ब्त किया है। डीआईजी (साउथ) की रिपोर्ट पर संबंधित असिस्टेंट जेल सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड कर दिया गया है और बैंगलोर सेंट्रल जेल के एसपी को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। इस घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

अमेरिकी वीज़ा के लिए फर्जीवाड़ा : आंध्र प्रदेश का युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी दूतावास की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने आंध्र प्रदेश के 25 वर्षीय युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। युवक पर गैर-आप्रवासी वीजा के लिए आवेदन करते समय फर्जी दस्तावेज जमा करने का आरोप है। घटना 7 अगस्त को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई, जहाँ युवक वीज़ा इंटरव्यू के लिए पहुंचा था। आरोपी ने अपनी शैक्षिक योग्यता के रूप में राजस्थान के एक विश्वविद्यालय से कंप्यूटर्स में बैचलर ऑफ कॉमर्स की फर्जी डिग्री पेश की। इतना ही नहीं आरोपी ने 35,000 रुपये मासिक वेतन दिखाने वाला एक कंपनी का अप्रेजल पत्र और ढाई साल के अनुभव का दावा करने वाला अनुभव प्रमाण पत्र पेश किया। वित्तीय स्थिति को मजबूत दिखाने के लिए, युवक ने 1.2 करोड़ रुपये की संपत्ति दर्शाने वाला नेटवर्थ प्रमाण पत्र और बैंक खातों में 45 व 50 लाख रुपये का बैलेंस दिखाया। हालाँकि, इंटरव्यू के दौरान पूछताछ में युवक टूट गया और स्वीकार किया कि कभी विश्वविद्यालय में पढ़ाई नहीं की और सभी शैक्षणिक दस्तावेज फर्जी थे। युवक ने बताया कि ये फर्जी दस्तावेज विजयवाड़ा के वीजा एजेंट नितिन ने उपलब्ध कराए थे। युवक ने माना कि मैंने केवल दो-ढाई महीने ही काम किया था और रोजगार संबंधी दस्तावेज उसके चाचा की कंपनी ने दिए थे।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : सपा सांसद का भाजपा पर बड़ा हमला, श्रद्धालु घटने का दावा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा पर तीखा हमला कर दावा किया है कि इस प्रकरण में कुछ छोटे लोगों को गिरफ्तार कर बड़ी मछली को बचाया गया है। उन्होंने मोदी सरकार से इस पूरे मामले पर सदन में जवाब देने की मांग की है।

सांसद प्रसाद ने अयोध्या की मौजूदा स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में रोजाना लाखों श्रद्धालु पहुंचते थे और बड़ी संख्या में सोने, चांदी व नकदी का चढ़ावा चढ़ाया जाता था। उनके अनुसार, अब श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है और रोजाना 10 हजार तक की भीड़ भी नहीं पहुंच रही है। सांसद प्रसाद ने दावा किया कि पहले जहां लाखों रुपये का चढ़ावा आता था, वहीं अब 5, 11, 21 और 51 रुपये जैसी छोटी रकम ही चढ़ावे में आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अयोध्या की मर्यादा को तोड़ने और कलंकित करने का काम किया है। उन्होंने चंदा चोरी प्रकरण की निष्पक्ष जांच और इसके पीछे के दोषियों को सामने लाने की मांग भी की। वहीं, राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए साक्षात्कार जारी हैं। उम्मीदवारों से इंटरव्यू से पहले करीब तीन दर्जन सवालों वाला ऑनलाइन गूगल फॉर्म भरवाया गया। इन सवालों में प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत जीवन से जुड़े प्रश्न शामिल थे। उम्मीदवारों से पूछा गया कि क्या वे शिक्षा रखते हैं, जनेऊ पहनते हैं, शुद्ध शाकाहारी हैं या मांसाहारी, और क्या वे शराब का सेवन करते हैं। हिंदू धर्म के प्रति उनकी आस्था को लेकर भी सवाल किए। साक्षात्कार में प्रशासनिक क्षमता, नेतृत्व कौशल, धार्मिक-सामाजिक जुड़ाव और मंदिर के भविष्य को लेकर उनके दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया गया है। मंगलवार को 18 में से 8 उम्मीदवारों का आमने-सामने साक्षात्कार हुआ, जिसमें चार पूर्व आईएएस अधिकारी शामिल थे।

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

-कार्यक्रम में शॉर्टकट के दौर में युवाओं को सावधान रहने का दिया संदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने रामनाथ कोविंद की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में एक मिसाल कायम की है। पद छोड़ने के बाद भी रामनाथ कोविंद देश के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष भी हैं। पीएम मोदी ने कोविंद की आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजय- मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि देश की नई पीढ़ी को इस किताब को पढ़ना चाहिए और कोविंद के अनुभवों से सीखना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि किताब का शीर्षक बिल्कुल सही है। इसमें रामनाथ कोविंद के व्यक्तिगत जीवन और संघर्षों की कहानी है, लेकिन उनकी सफलता सिर्फ उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। पीएम ने कार्यक्रम में एक वाकये का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे प्रधानमंत्री के तौर पर राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने जाते थे। तब प्रोटोकॉल के बावजूद रामनाथ कोविंद अक्सर औपचारिकताओं से हटकर उनसे बातचीत करते थे। इतना ही नहीं, वह प्रधानमंत्री को विदा करने के लिए खुद कार के दरवाजे तक आते थे। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने कई बार पूर्व राष्ट्रपति से ऐसा न करने को कहा, लेकिन उन्होंने अपनी यह विनम्रता कभी नहीं छोड़ी।

पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद के गांव परौंख जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद जब कोविंद अपने गांव पहुंचे तो उन्होंने अपने शिक्षकों के पैर छुए, गांव की मिट्टी को नमन किया और वहां के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद का यह भावुक अंदाज पूरे देश ने देखा उनके व्यवहार ने दुनिया के सामने भारत के संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों की ऐसी तस्वीर पेश की, जिस पर हर भारतीय को गर्व होता है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने जेन-जी को भी खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के सोशल मीडिया के जमाने में कई इन्फ्लुएंसर्स युवाओं को आकर्षित करते हैं, लेकिन इस शॉर्टकट के दौर में भी युवाओं को सावधान रहना चाहिए। पीएम मोदी ने रेलवे स्टेशन पर लिखी एक लाइन का उदाहरण देते हुए कहा रेलवे स्टेशन पर भी लोग ब्रिज से जाने की बजाय पटरी पार करने की कोशिश करते हैं। उन्होने कहा कि यह गलत शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि अगर वे जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं और दूसरों के अनुभवों से सीखना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी पसंद के लोगों की ऑटोबायोग्राफी जरूर पढ़नी चाहिए।

दो किसानों को ले गए थे बांग्लादेशी- फ्लैग मीटिंग के बाद हुई रिहाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर उस समय अचानक तनाव गहरा गया जब बांग्लादेशी ग्रामीणों ने सीमा पार कर दो भारतीय किसानों का अपहरण कर लिया। यह घटना पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के सीमावर्ती इलाके में घटी, जहां खेत में काम कर रहे दो भारतीय किसानों को जबरन खींचकर बांग्लादेश ले जाया गया। हालांकि, दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के बीच तत्काल हुई उच्चस्तरीय फ्लैग मीटिंग के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और आपसी सहमति से सभी नागरिकों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया। विवाद की पूरी शुरुआत मंगलवार सुबह बांग्लादेश के मेहेरपुर स्थित इच्छाखाली बॉर्डर के पास हुई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, अब्दुल मन्नान नामक एक बांग्लादेशी किसान सीमावर्ती क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर फसल पर कीटनाशक छिड़क रहा था, जिसके चलते भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उसे हिरासत में ले लिया था। इस कार्रवाई से आक्रोशित होकर दर्जनों बांग्लादेशी ग्रामीण भड़क उठे और सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने खेतों में काम कर रहे सचिन कर्मकार और नारायण देब नामक दो भारतीय किसानों को बंधक बना लिया और उन्हें बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के हवाले कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी गई और तनाव को कम करने के लिए मंगलवार दोपहर इच्छाखाली सीमा पर जीरो लाइन पर दोनों देशों के बलों के बीच फ्लैग मीटिंग बुलाई गई। लंबी बातचीत के बाद सहमति बनी, जिसके तहत बीएसएफ ने हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिक को बीजीबी को सौंप दिया, और इसके बदले में बांग्लादेशी ग्रामीणों द्वारा उठाए गए दोनों भारतीय किसानों को सुरक्षित वापस भारत के हवाले कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि सीमा पार से भारतीय नागरिकों के अपहरण की इस क्षेत्र में हाल के दिनों में यह दूसरी बड़ी घटना है।

गटर जनरेशन कहकर फंसी कंगना! 21 को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी विवादित बयानों के चलते एक बार फिर कानूनी मुश्किलों में घिरती नजर आ रही हैं। प्रदर्शनकारियों और जेन जेड के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उत्तर प्रदेश के आगरा की एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। यह याचिका जंतर-मंतर पर प्रश्न पत्र लीक के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और युवाओं पर की गई टिप्पणियों के संबंध में दाखिल की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी।

अदालत में याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने जानकारी दी कि सांसद कंगना रनौत के खिलाफ एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में वाद दायर किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि जब छात्र और युवा अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब अभिनेत्री ने उन्हें गटर जनरेशन या गटर छाप करार दिया और उनके माता-पिता के खिलाफ भी अपमानजनक बातें कहीं। वकील ने इसे देश के युवाओं और छात्रों का सीधा अपमान बताया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। याचिकाकर्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि स्थानीय अदालत से इस मामले में राहत नहीं मिलती है, तो वह इस कानूनी लड़ाई को उच्च न्यायालय और जरूरत पड़ने पर देश के उच्चतम न्यायालय तक लेकर जाएंगे।

राहुल गांधी बोले- लेक्चर नहीं सुनना, पैलेट गन का आदेश दिया तो शाह इस्तीफा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सदन में चर्चा के आह्वान पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई लेक्चर नहीं सुनना है। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि अगर छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, कि देश की युवा पीढ़ी अमित शाह के काल्पनिक भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखती। उन्होंने सरकार से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश आखिर किसने दिया था। राहुल गांधी ने सवाल किया कि किसके आदेश पर एक छात्र को कथित तौर पर अंधा कर दिया गया और दूसरे छात्र को गोली मारी गई। उन्होंने यह भी पूछा कि छात्रों को कीलों वाली लाठियों से पीटने का आदेश किसने दिया था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें और युवाओं को गृह मंत्री की सफाई या तर्क नहीं चाहिए। उनकी मांग है कि सरकार पहले यह स्पष्ट करे कि छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग का आदेश किस स्तर से दिया गया था। उन्होंने कहा कि जब तक इस सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तब तक किसी तरह का लेक्चर या सामान्य चर्चा स्वीकार नहीं की जाएगी। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कार्रवाई के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट, रातभर चलाई जा रही सघन चेकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा है। सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में देर रात मेगा सुरक्षा अभियान चलाया। रात 11 बजे से 2 बजे तक दिल्ली के तमाम जिलों में गश्त के साथ सघन चेकिंग की गई। द्वारका मोड़ पर पुलिसकर्मियों ने पूरी सतर्कता के साथ आधी रात को पेट्रोलिंग की। अधिकारियों ने गाड़ियों की सघन जांच की और हर गुजरने वाली कार की अंदर-बाहर से अच्छी तरह तलाशी ली गई। सिर्फ सुरक्षा जांच में पास होने वाली गाड़ियों को ही आगे जाने की इजाजत दी गई।

इसी तरह उत्तम नगर में पुलिस टीमों ने आधी रात को सघन चेकिंग अभियान चलाया। इलाके की मुख्य सड़कों से गुजरने वाली हर गाड़ी को रोका गया और उसकी बारीकी से जांच की गई। इस निगरानी का मकसद पूरे शहर में पूरी सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना है। सीलमपुर इलाके में भी दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान, संदिग्ध वाहनों और लोगों पर नजर रखी गई। सुरक्षा अभियान के तहत पुलिसकर्मियों को स्थानों पर तैनात किया गया। वहीं, पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीकेट लगाकर आने-जाने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान संदिग्ध वाहनों और लोगों पर विशेष नजर रखी गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 15 अगस्त से पहले दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

प्रेम रावत की 60 वर्ष की शांति यात्रा, यशोभूमि में तीन दिवसीय समारोह का हुआ आयोजन

दिल्ली (एजेंसी)। राज विद्या केंद्र, दिल्ली द्वारा यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, द्वारका, नई दिल्ली में तीन दिवसीय विशेष समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह प्रेम रावत जी द्वारा पिछले 60 वर्षों से शांति का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इन तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत 31 जुलाई, 1 अगस्त तथा 2 अगस्त 2026 को पाँच विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें हजारों लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि लाखों लोगों ने ऑनलाइन माध्यमों से इस ऐतिहासिक अवसर का आनंद लिया। अपने 60 वर्षों की शांति यात्रा के इस ऐतिहासिक अवसर पर श्री प्रेम रावत ने अपने संबोधन में कहा कि मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बाहरी सफलता नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान शांति, आनंद और अपने आप को पहचानना है।

उन्होंने कहा कि आज संसार में सुविधाएँ और संसाधन बढ़े हैं, लेकिन मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप और जीवन के उद्देश्य से दूर होता जा रहा है। जब तक मनुष्य स्वयं को नहीं जानता, तब तक उसकी इच्छाएँ, संघर्ष और असंतोष समाप्त नहीं हो सकते। इसलिए जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वयं को समझना और प्रत्येक श्वास के अमूल्य उपहार का सम्मान करना है। धन, पद, प्रतिष्ठा और उपलब्धियाँ समय के साथ समाप्त हो जाती हैं, लेकिन जिसने अपने भीतर की शांति का अनुभव कर लिया, वही वास्तव में सफल और समृद्ध है। संसार की परिस्थितियाँ सदैव बदलती रहेंगी और चुनौतियाँ आती रहेंगी, लेकिन यदि मनुष्य अपने भीतर की शांति से जुड़ जाए तो कोई भी परिस्थिति उसके जीवन के आनंद को छीन नहीं सकती। जिस शांति की खोज संसार में की जा रही है, उसका स्रोत प्रत्येक मनुष्य के अपने हृदय में ही है इसलिए हमें भय, अहंकार और दूसरों की राय से ऊपर उठकर कृतज्ञता, प्रेम और आनंद के साथ इस जीवन को सुख और शांति से बिताना चाहिए, और ये सुख और शान्ति हमारे अंदर ही हैं। प्रेम रावत जी का जन्म 10 दिसंबर 1957 को कनखल, हरिद्वार में हुआ। मात्र चार वर्ष की आयु से ही उन्होंने अपने पिता, श्री हंस जी महाराज के साथ हजारों लोगों की विशाल सभाओं को संबोधित करना प्रारंभ कर दिया था। जब उनकी आयु आठ वर्ष की थी, तब उनके पिता, जो उनके आदरणीय गुरु भी थे, का शरीर पूरा हुआ। उनके निधन से सभी लोग शोकाकुल थे। ऐसे समय में केवल आठ वर्ष की आयु में उन्होंने शांति के इस संदेश को प्रत्येक मनुष्य तक पहुँचाने की जिम्मेदारी ली। इस प्रकार, महज आठ वर्ष की अल्पायु में शुरू हुई उनकी शांति की यात्रा आज 60 वर्षों का गौरवपूर्ण सफर तय कर चुकी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने संसारभर का भ्रमण करने का संकल्प लिया, ताकि देश-विदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक यह संदेश पहुँच सके कि ₹जिस शांति की तुम्हें तलाश है, वह तुम्हारे अंदर है और उसका अनुभव आप अपने जीवन में, जीते-जी कर सकते हैं। इसी संकल्प के साथ उन्होंने मात्र तेरह वर्ष की आयु में अपनी पहली विदेश यात्रा लंदन से प्रारंभ की और उन्हें देश विदेश से अनेकों आमंत्रण आने लगे। शांति के इस संदेश को जन-जन तक पहुँचाने और अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए उन्होंने पायलट का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। शांति एवं मानवीय कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें विश्वभर में अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। तेरह वर्ष की आयु में विदेश से मिला पहला आमंत्रण उनके 55 से अधिक वर्षों से जारी शांति संदेश की वैश्विक यात्रा की शुरूआत बना। इस दौरान उन्होंने 69 देशों के 457 से अधिक शहरों में लाखों लोगों को संबोधित किया है।

फैल रहा वायब्रियो वल्निफिकस बैक्टीरिया, पाया जाता है समुद्री और खारे पानी में

-विशेषज्ञों ने दी चेतावनी- बैक्टीरिया गंभीर घाव का कारण बनकर हो सकता है जानलेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कुछ तटीय इलाकों में इन दिनों समुद्र किनारे जाने वाले लोगों के लिए चेतावनी जारी की है। यहां वायब्रियो वल्निफिकस नामक एक खतरनाक बैक्टीरिया, जो गर्म समुद्री और खारे पानी में पाया जाता है। हाल के महीनों में इसके संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अमेरिका के लुइसियाना राज्य में इस साल अब तक नौ लोग इसकी चपेट में आए हैं, जिनमें सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि पांच लोगों की मौत हो चुकी है। गंभीर मामलों में यह बैक्टीरिया शरीर के ऊतकों को तेजी से नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए इसे आम बोलचाल में फ्लेश-ईटिंग बैक्टीरिया यानी मांस को नुकसान पहुंचाने वाला बैक्टीरिया कहा जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक वायब्रियो वल्निफिकस प्राकृतिक रूप से गर्म समुद्री और खारे-मीठे पानी के मिश्रित क्षेत्रों में पाया जाता है। संक्रमण मुख्य रूप से दो तरीकों से फैलता है। पहला यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर कट, घाव या त्वचा पर चोट हो और वह दूषित समुद्री पानी के संपर्क में आए। दूसरा- कच्चे या अधपके समुद्री भोजन, विशेषकर ऑयस्टर जैसी शेलफिश के सेवन से। ज्यादातर संक्रमण सामान्य हो सकते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह बैक्टीरिया रक्त संक्रमण और गंभीर घाव का कारण बनकर जानलेवा भी साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्री पानी के संपर्क के बाद यदि घाव के आसपास लालिमा, सूजन, तेज दर्द, त्वचा का रंग बदलना, बुखार, ठंड लगना या त्वचा पर छाले बनने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टरों की मदद लें। गंभीर स्थिति में ऊतक काले पड़ने लगते हैं और संक्रमण तेजी से फैल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के संदर्भ में विशेषज्ञों का कहना है कि देश की लंबी समुद्री तटरेखा और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की जरुरत है। मछुआरे, समुद्री खाद्य पदार्थों से जुड़े कर्मचारी और नियमित रूप से समुद्र में जाने वाले लोग इस बैक्टीरिया के संपर्क में आने की आशंका वाले समूहों में शामिल हो सकते हैं। हालांकि फिलहाल भारत में अमेरिका जैसी व्यापक स्थिति या किसी बड़े प्रकोप की पुष्टि नहीं हुई है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि घबराने की जरुरत नहीं है, लेकिन सावधानी जरूरी है।

यदि शरीर पर कोई खुला घाव हो तो समुद्र या खारे पानी में जाने से बचें। यदि घाव समुद्री पानी के संपर्क में आ जाए तो उसे तुरंत साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोएं। साथ ही समुद्री भोजन, विशेष रूप से शेलफिश, को हमेशा अच्छी तरह पकाकर ही खाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक गर्म मौसम में यह बैक्टीरिया ज्यादा सक्रिय रहता है, इसलिए बारिश और गर्मी में तटीय क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतना ही सबसे प्रभावी बचाव है।

लाल किले पर 80 साल बाद सुनाई देगा वंदे मातरम: क्यों बदला इतिहास और क्या है नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से नया इतिहास रचा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से ठीक पहले, पूरे लाल किले में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई देगी। आजादी के बाद पहला मौका है जब स्वतंत्रता दिवस के आधिकारिक और मुख्य प्रोटोकॉल में वंदे मातरम को इतना विशिष्ट स्थान मिला है। अब तक, कड़े सैन्य और राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत ध्वजारोहण समारोह में केवल राष्ट्रगान जन गण मन को प्राथमिकता मिलती थी। लेकिन रक्षा मंत्रालय के नए और ऐतिहासिक प्रोटोकॉल बदलावों के तहत, इस बार पूरे वंदे मातरम के ओजस्वी स्वरों से देश के स्वाभिमान का एक नया अध्याय शुरू होगा।

इस बदलाव की जड़ें लंबे समय से चली आ रही बहस में निहित हैं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस कविता के शुरुआती दो पद मातृभूमि की सामान्य स्तुति करते हैं, लेकिन बाद के पदों में हिंदू देवियों, विशेषकर दुर्गा, का स्पष्ट उल्लेख और उनसे जुड़ी कल्पनाएं हैं। इन्हीं धार्मिक संदर्भों पर मुस्लिम लीग और अन्य समूहों की आपत्तियां थीं, इसकारण 1937 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी हस्तियों की सलाह पर बाद के पदों को हटाने और सार्वजनिक राजनीतिक मंचों के लिए केवल शुरुआती दो पदों का इस्तेमाल करने का फैसला किया था। भारत के गणतंत्र बनने पर, 1950 में संविधान सभा ने जन गण मन को आधिकारिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम के शुरुआती दो पदों को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया। इस प्रकार उन्हें समान सम्मान दिया गया, लेकिन सरकारी प्रोटोकॉल के लिए धर्मनिरपेक्ष संतुलन भी बनाए रखा गया।

अब संसद ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) अधिनियम, 2026 पारित किया है, इसके तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर कानूनी दर्जा मिला है। यह नया कानून, जो पिछले महीने जुलाई में ही पास किया गया, जान-बूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालने या इसका अनादर करने को दंडनीय अपराध बनाता है। यह संशोधन 1971 के उस अधिनियम में किया गया है जो पहले केवल राष्ट्रगान से संबंधित था। इस ऐतिहासिक बदलाव के तहत, स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में, राष्ट्रगान से ठीक पहले लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम बजाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस अवसर पर भारतीय वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बड़ा ध्वज भी लेकर उड़ेगा, जो इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ाएगा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902